डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 9 मई 2022 से 15 मई 2022 वर्ष-19 अंक-19 मूल्य रु. 10.00

अमृत काल में आसान न्याय, त्वरित न्याय और सभी के लिए हो न्याय - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में राज्यों के मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन को संबोधित करते हुये।

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित राज्यों के मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मेलन का शुभारंभ कर संबोधित भी किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री एनवी रमना एवं कानून और न्याय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने भी सम्मेलन को संबोधित किया।

सम्मेलन में ऐसी न्यायिक व्यवस्था स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें आसान न्याय, त्वरित न्याय और सभी के लिए न्याय हो। सम्मेलन में जुडिशियल सिस्टम में टेक्नोलॉजी की संभावनाओं पर मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से इसे और आगे बढ़ाने पर मंथन भी हुआ।

सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि न्यायालयों में, और खासकर स्थानीय स्तर पर लंबित मामलों के समाधान के लिए मध्यस्थता-मीडिएशन भी एक महत्वपूर्ण जरिया है। हमारे समाज में तो मध्यस्थता के जरिए विवादों के समाधान की हजारों साल पुरानी परंपरा है। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति और आपसी भागीदारी अपने तरीके से न्याय की एक अलग मानवीय अवधारणा है। इस सोच के साथ, प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार ने संसद में मध्यस्थता विधेयक को एक अंब्रेला लेजिसलेशन के रूप में पेश किया है। उन्होंने कहा, हमारी समृद्ध कानूनी विशेषज्ञता के साथ, हम मध्यस्थता द्वारा समाधान के क्षेत्र में एक विश्व गुरु बन सकते हैं। हम पूरी दुनिया के सामने एक मॉडल पेश कर सकते हैं।

यह सम्मेलन देश के नागरिकों को शीघ्र न्याय दिलाने की दिशा में प्रयासों के प्रभावी समन्वय के लिए आयोजित किया गया। दिन भर चले सम्मेलन के दौरान, कार्यपालिका और न्यायपालिका द्वारा इस दिशा में प्रयासों के तालमेल के साझा आधार खोजने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त सम्मेलन कार्यपालिका और न्यायपालिका को एक मंच पर लाने का बहुमूल्य अवसर रहा। सम्मेलन में लोगों को सरल एवं सुविधाजनक ढंग से न्याय सुलभ कराने की रूपरेखा तैयार करने और इसके साथ ही न्याय प्रणाली के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा हुई।

स्वतंत्र और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों का एक सुरक्षित वातावरण में कार्य करना बेहद महत्वपूर्ण है विषय पर चर्चा करते हुए राज्यों के मुख्यमंत्रियों से न्यायाधीशों और अदालत परिसरों में पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के संबंध में भी चर्चा की गयी। सम्मेलन में कोरोना के दौरान देश की अदालतों द्वारा कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल माध्यम से सुनवाई कर न्यायिक प्रक्रिया को संचालित रखने की भी चर्चा हुई। बताया गया कि कोरोना वायरस महामारी ने न्याय वितरण तंत्र को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन अदालतों ने डिजिटल माध्यमों के जरिए इन चुनौतियों का सामना किया। हाईकोर्ट और अधीनस्थ अदालतों ने मिलकर लगभग दो करोड़ मामलों पर डिजिटली सुनवाई की।

संविधान संरक्षक की भूमिका में है जुडिशियरी

प्रधानमंत्री ने कहा हमारे देश में जहां एक ओर जुडिशियरी की भूमिका संविधान संरक्षक की है, वहीं लेजिस्लेचर नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। मुझे विश्वास है कि संविधान की इन दो धाराओं का ये संगम, ये संतुलन देश में प्रभावी और समयबद्ध न्याय व्यवस्था का रोडमैप तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि आजादी के इन 75 सालों ने जुडिशियरी और एग्जीक्यूटिव, दोनों के ही रोल्स और रिस्पांसिबिलिटीज को निरंतर स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जहां जब भी जरूरी हुआ, देश को दिशा देने के लिए ये रिलेशन लगातार इवॉल्व हुआ है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

एमपी स्टार्ट-अप नीति से मध्यप्रदेश बनेगा आत्मनिर्भर

भोपाल, आत्मनिर्भर भारत एवं आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के उद्देश्यों की पूर्ति के दृष्टिगत मध्यप्रदेश में एमपी स्टार्ट-अप नीति एवं कार्यान्वयन योजना-2022 लागू की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 मई को इस पॉलिसी का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। मुख्य समारोह इंदौर में होगा।

सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने बताया कि एमपी स्टार्ट-अप नीति से मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। नवाचार एवं स्टार्ट-अप की गतिशीलता, वैश्विक आर्थिक वातावरण में हो रहे बदलाव तथा विनियामक संशोधन के साथ ही देश की नई शिक्षा नीति के दृष्टिगत मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की सोच अनुरूप नई स्टार्ट-अप पॉलिसी को समग्र समेकित एवं प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है और आर्थिक विकास में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में भी है। राज्य शासन की निवेश मित्र नीतियों, उद्योग एवं व्यापारिक क्षेत्र में सरलीकरण की प्रक्रिया, आर्थिक एवं सामाजिक अधो-संरचना में विशेष प्रयासों से प्रदेश में निवेश वातावरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

श्री सखलेचा ने बताया कि राज्य शासन का प्रयास रहा है कि नवाचार एवं उद्यमिता के माध्यम से प्रदेश के स्थानीय युवाओं के लिए अधिकाधिक संख्या में रोज़गार सृजन किया जा सके। इसी श्रृंखला में स्टार्ट-अप नीति लागू की गई है। राज्य शासन ने नवीन नीति में स्कूल, महाविद्यालयीन स्तर से छात्रों में नवाचार एवं स्टार्ट-अप की भावना जागृत करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

खास खबर

स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक रहेंगे उपस्थित

भोपाल, मध्यप्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिये मई माह में दो दिवसीय जिला-स्तरीय स्वास्थ्य शिविर होंगे। स्वास्थ्य शिविरों के संबंध में सभी कमिश्नर, जिला कलेक्टर, सीएमएचओ और संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं।

आयुक्त स्वास्थ्य-सह-सचिव डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि जिला-स्तर पर दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविरों में गंभीर रोगों कैंसर, हृदय, न्यूरोलॉजी, किडनी, लिवर और अस्थि संबंधित रोगों के स्क्रीनिंग परीक्षण और उपचार के लिये विशेषज्ञों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाये। गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए स्वास्थ्य शिविरों में सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

अंदर के पृष्ठों पर

- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण

एकात्म पर्व

आदि शंकराचार्य ने मानवता के मार्ग पर चलने की दी प्रेरणा - मुख्यमंत्री

भोपाल, मध्यप्रदेश में आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान प्रारंभ करने और आदि शंकराचार्य की विशाल एवं भव्य प्रतिमा स्थापित करने की संकल्पना प्रेरक है। हमारा दर्शन विश्व में स्थापित होगा। सर्वसमावेशी भाव स्थापित करने की आवश्यकता है। आचार्य सभा की ओर से ओंकारेश्वर के प्रकल्प के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बधाई के पात्र हैं। यह बात आर्ष विद्यामंदिर राजकोट के संस्थापक स्वामी परमात्मानंद जी ने एकात्म पर्व में सारस्वत उद्‌बोधन में कही। स्वामी जी ने कहा कि सम्पूर्ण सृष्टि ईश्वर की है। हमें भेद दृष्टि का त्याग करना है। जगत गुरू शंकराचार्य ने नैतिक मूल्यों की आवश्यकता के दौर में अवतरित होकर समाज को दिशा प्रदान की।

आदि शंकराचार्य जी की जयंती को दार्शनिक दिवस के रूप में मनाते हुए भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभा गृह में संस्कृति विभाग के आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास द्वारा एकात्म पर्व अनेक संतों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आदि शंकराचार्य जी की जयंती पर स्वामी परमात्मानंद जी और अन्य अतिथियों का आगमन महत्वपूर्ण है। शंकराचार्य जी के दर्शन के अनुरूप समस्त भेदभाव तिरोहित हो जाएं, इसलिए ओंकारेश्वर प्रकल्प का महत्व है। वर्ष 2017 से हुई प्रकल्प की शुरुआत के बाद अब तेजी से कार्य हो रहे हैं। वर्ष 2019 में तत्कालीन सरकार ने प्रकल्प के कार्यों को जारी रखने के अनुरोध को गंभीरता से नहीं लिया। लेकिन अब यह प्रकल्प शीघ्र साकार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि शंकराचार्य जी की भव्य प्रतिमा की स्थापना के लिए धातु संग्रहण का कार्य जन-भागीदारी से हुआ था। एकात्म यात्रा में कलश भर-भर के सभी सहयोग दे रहे थे। ऐसे महत्वपूर्ण प्रकल्प सिर्फ सरकारों के माध्यम से नहीं बल्कि जन-जन के सहयोग से पूर्ण होते हैं।

एकात्म पर्व को संबोधित करते हुए केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि मध्यप्रदेश में आचार्य शंकर प्रकटोत्सव में आकर उन्हें अति प्रसन्नता हुई है। ओंकारेश्वर में आदि शंकराचार्य की प्रतिमा और संस्थान की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान बधाई के पात्र हैं। श्री खान ने कहा कि भारत ज्ञान-विज्ञान का ऐसा केंद्र है जहां सदियों तक अन्य राष्ट्रों के विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते रहे। अनेक धर्मों और दर्शनों की शिक्षा भारत में मिलती थी। भारत की ज्ञान परम्परा ही भारत के विश्व गुरू होने का आधार है। जहां अन्य देश साहस और अन्य गुणों से जाने जाते हैं। भारत ज्ञान-विज्ञान की परम्परा के लिए जाना जाता है।

संत रविदास जी की भावना के अनुरूप कार्य कर रही है सरकार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में शिल्पकारों को सहयोग राशि और किट प्रदान करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित मोची बंधुओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुये कहा है कि गरीब के चेहरे पर मुस्कान, उसकी इज्जत और सम्मान सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो सबसे पीछे हैं, जो गरीब हैं, उनकी भलाई राज्य सरकार के लिए सबसे पहले है। मैं ऐसे लोगों की जिंदगी बदलने के लिए ही मुख्यमंत्री हूं।

मुख्यमंत्री ने मोची बंधुओं के कौशल उन्नयन और उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए क्रिस्प और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फुटवियर डिजाइनिंग, नई दिल्ली द्वारा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और मुख्यमंत्री पादुका योजना के संबंध में जानकारी दी। श्री चौहान ने मोची बन्धुओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता के रूप में 10 हजार रुपये के चेक और मोची कार्य से संबंधित उपकरणों की किट भी भेंट की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास जी की भावना 'ऐसा चाहू राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न- छोट बड़ो सब सम बसें, रविदास रहे प्रसन्न' के अनुरूप ही राज्य सरकार कार्य कर रही है। सभी परिवारों को राशन मिले, सभी के लिए आवास हो और इन योजनाओं के लाभ से कोई परिवार वंचित न रहे। सभी परिवारों के पास गैस चूल्हा हो, सभी को बीमारी में काम आने वाला आयुष्मान कार्ड उपलब्ध हो और परिवार संबल योजना का लाभ ले सकें, इसके लिए राज्य सरकार ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

30 अप्रैल

एनसीटीई ने समाप्त किया चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स

● राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने आगामी शिक्षण सत्र 2023-24 से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए-बीएड और बीएससी-बीएड कोर्स को समाप्त कर दिया है। एनसीटीई ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स को खत्म करने का निर्णय लिया गया है। एनसीटीई ने बीए-बीएड और बीएससी-बीएड के नये कॉलेजों को अनुमति देने पर भी रोक लगा दी है। एनसीटीई ने बताया कि इस फैसले का असर अभी कोर्स कर रहे विद्यार्थियों पर नहीं होगा। वे डिग्री पूरी कर सकेंगे। इसके अलावा एनसीटीई से मान्यता प्राप्त कॉलेजों की सम्बद्धता भी जारी रहेगी। चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स में बीए या बीएससी के साथ बीएड होता है, यह कोर्स वर्ष 2019 से शुरू किया गया था, अब इसकी जगह चार वर्ष का इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) होगा, जो आठ सेमेस्टर का कोर्स होगा।

● चीन ने कोरोना महामारी के कारण लगाये गये वीजा और उड़ान प्रतिबंधों के बाद लगभग दो वर्षों से भारत में रह रहे भारतीय विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिये वापस आने की मंजूरी देने की घोषणा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि हमारा देश पढ़ाई के लिये चीन लौटने को लेकर भारतीय छात्रों की चिंताओं को अधिक महत्व देता है। हमने अन्य देशों के विद्यार्थियों के चीन लौटने की प्रक्रिया को भारतीय पक्षों के साथ साझा किया है। उल्लेखनीय है कि चीन के विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों को वीजा देने में चीन आनाकानी कर रहा था। भारत ने इसके जवाब में चीनी नागरिकों के पर्यटक वीजा रद्द कर दिये थे, इसके बाद से चीन दबाव में आ गया।

1 मई

संयुक्त राष्ट्र ने भारतीय शांति सैनिकों को किया सम्मानित

● संयुक्त राष्ट्र ने यूएन मिशन में सेवारत 1160 भारतीय शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित किया। भारतीय शांति सैनिकों को यह सम्मान संघर्षरत पूर्वी अफ्रीकी देश दक्षिण सूडान में असाधारण सेवा के लिये मिला है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि शांति रक्षक नागरिकों की रक्षा के साथ-साथ क्षमता निर्माण का काम भी करते हैं। भारतीय शांति सैनिकों ने दक्षिण सूडान में लोगों की रक्षा बखूबी की। साथ ही सड़कों का पुनर्निर्माण, मनुष्यों और जानवरों को चिकित्सा उपचार देना और स्थानीय समुदायों की क्षमता निर्माण जैसे बेहतरीन कार्य किये हैं।

● देश का पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत बनकर तैयार हो चुका है। इस पोत का निर्माण करने वाली कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के डायरेक्टर (टेक्निकल) श्री बिजॉय भास्कर ने बताया कि आईएनएस विक्रांत इसी महीने भारतीय नौसेना को सौंपा जायेगा। श्री भास्कर ने बताया कि इस विमान वाहक पोत को बनाने में 60 प्रतिशत स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है, वहीं 40 प्रतिशत कलपुर्जे विदेश से मंगाये गये हैं। उन्होंने कहा कि इस पोत के निर्माण से साफ हो गया है कि अब देश में भी 45 हजार टन तक का विमान वाहक पोत बनाया जा सकेगा। नौसेना को सौंपने के बाद विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत का अंतिम ट्रायल किया जायेगा।

2 मई

देश में रिकॉर्ड 1.68 लाख करोड़ रुपये हुआ जीएसटी संग्रह

● देश में इस वर्ष अप्रैल माह में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह लगभग 1.68 लाख करोड़ रुपये हुआ है। ये जीएसटी इतिहास का रिकॉर्ड संग्रह है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि कर अनुपालन में सुधार से जीएसटी संग्रह का आंकड़ा बेहतर हुआ है। अप्रैल 2022 में जीएसटीआर-3बी में कुल 1.06 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी रिटर्न भरे गये हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार अप्रैल 2021 की तुलना में अप्रैल 2022 का जीएसटी संग्रह 20 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल 2021 में जीएसटी संग्रह 1.41 लाख करोड़ रुपये रहा था। अप्रैल 2022 में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये अधिक जीएसटी संग्रह हुआ है।

● अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि की नींव डालने वाली उदार वैश्विक व्यवस्था अब गंभीर हमले का शिकार है। बाइडेन ने व्हाइट हाउस में प्रेस एवं अभिव्यक्ति के संबंध में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उदार वैश्विक व्यवस्था जिसने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक शांति और स्थिरता की नींव रखी है, उस पर अब प्रहार हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जो बाइडेन पिछले छह वर्षों में पहले राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने इस सम्मेलन में हिस्सा लिया है।

3 मई

केंद्रीय गृह मंत्री ने बेंगलुरु में नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड का उद्घाटन किया

● केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बेंगलुरु में नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड का उद्घाटन किया। गृह मंत्री ने कहा कि देश और देशवासियों की सुरक्षा केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति रही है और इस दिशा में सभी एजेंसियों में एक समन्वय बनाने के लिये नेशनल ग्रिड बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दायरा और जटिलता के लिहाज से पूर्णकालिक सुरक्षा चुनौतियों की तुलना में अब सुरक्षा जरूरतें बढ़ गई हैं, इसीलिये नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड जरूरी है। गृह मंत्री ने कहा कि जल्द ही केंद्र सरकार हवाला लेन-देन, आतंकी फंडिंग, नकली मुद्रा, नशीले पदार्थों, बम धमाकों की धमकियों और अवैध हथियारों की तस्करी की निगरानी के लिये राष्ट्रीय डाटाबेस विकसित करेगी।

● श्रीलंका में मुख्य विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ गठबंधन एसएलपीपी के खिलाफ संसद में अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का फैसला लिया है। मुख्य विपक्षी पार्टी समागी जन बालवेगया की ओर से कहा गया कि वे सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लायेंगे, क्योंकि सदन का राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे में अब विश्वास नहीं रहा, इसी बीच राष्ट्रपति राजपक्षे की अगुवाई में एसएलपीपी गठबंधन वाली सरकार ने नये संविधान के प्रस्ताव पर विचार करने के लिये कैबिनेट की उप समिति के गठन की घोषणा की है।

4 मई

सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवोवैक्स टीके के दाम घटाये

● भारत की दवा निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अपनी कोरोनारोधी टीके कोवोवैक्स की कीमत घटाने का फैसला किया है। सीरम ने बताया कि कोवोवैक्स टीके की एक खुराक अब 900 रुपये की जगह 225 रुपये में मिलेगी, हालांकि इसमें कर शामिल नहीं है। भारत के दवा नियामक ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) ने मार्च 2022 में 12 से 17 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों को कोवोवैक्स वैक्सीन लगाने की अनुमति दी थी। कोवोवैक्स को नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन की सिफारिशों पर कोविन पोर्टल पर शामिल किया गया है। पोर्टल पर शामिल किये जाने के बाद इस टीके के दाम घटाये गये हैं।

● अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान लगाया है कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में निर्धारित लक्ष्य की तुलना में चार वर्ष की देरी हो सकती है। आईएमएफ के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2029 तक ही पांच ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य हासिल कर सकता है। भारत अगर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनता है, तो वह अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। अभी भारत विश्व की छठवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत से आगे अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी और ब्रिटेन हैं।

5 मई

नीट यूजी के जरिये सेना के नर्सिंग कॉलेजों में होगा दाखिला

● देश के आर्म्ड फॉर्सेस के नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन लेने के लिये अब राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) क्वालिफाई करना जरूरी होगा। आर्म्ड फॉर्सेस मेडिकल सर्विसेस द्वारा संचालित नर्सिंग कॉलेजों में बीएससी नर्सिंग कोर्स संचालित होते हैं। अभी तक इन कॉलेजों में प्रवेश के लिये अलग से परीक्षा का आयोजन होता था, लेकिन अब नीट-यूजी परीक्षा के जरिये इन कॉलेजों में दाखिला होगा। अभी देश में आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज द्वारा छह कॉलेज संचालित हैं, इनमें केवल महिलाओं को ही प्रवेश दिया जाता है। इन नर्सिंग कॉलेजों में बीएससी नर्सिंग की कुल 220 सीटें हैं।

● उत्तर कोरिया का मिसाइल परीक्षण कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहा है। उत्तर कोरिया ने फिर से एक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया जनवरी 2022 से अब तक 14 मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। इनमें अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने पिछले दिनों एक बड़ी सैन्य परेड का निरीक्षण करते हुये कहा था कि वो देश के परमाणु हथियारों को और भी तेजी से मजबूत और विकसित करेंगे। इस मिसाइल परीक्षण को किम जोंग उन के इसी भाषण से जोड़ा जा रहा है। वहीं दक्षिण कोरिया ने इस परीक्षण को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन बताया है।

6 मई

केंद्र सरकार ने नई राष्ट्रीय युवा नीति का मसौदा किया जारी

● केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति-2014 के मसौदे की समीक्षा की है और राष्ट्रीय युवा नीति का नया मसौदा तैयार किया है। नई नीति के मसौदे में युवा विकास के लिये दस वर्ष की परिकल्पना को शामिल किया है। भारत इस लक्ष्य को वर्ष 2030 तक पूरा करना चाहता है। इस मसौदे में युवाओं के विकास के लिये विस्तृत कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। मसौदे में शिक्षा, रोज़गार एवं उद्यमिता, युवा नेतृत्व एवं विकास, स्वास्थ्य, फिटनेस एवं खेल तथा सामाजिक न्याय जैसे विषय सम्मिलित किये गये हैं। मसौदे में कक्षा छठवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों को वोकेशनल शिक्षा देने पर जोर दिया गया है। सरकार ने नई राष्ट्रीय युवा नीति के मसौदे पर सुझाव आमंत्रित किये हैं। ये सुझाव 13 जून तक भेजे जा सकते हैं।

● नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (एनटीएजीआई) ने विदेश यात्रा करने वालों को 9 महीने के अंतराल से पहले कोरोनारोधी टीके का बूस्टर डोज लगवाने की बात कही है। एनटीएजीआई ने कहा कि व्यक्ति जिस देश की यात्रा कर रहा है, वहां अगर एहतियातन टीका लगवाना अनिवार्य है, तो वह टीका लगवा सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत में 10 जनवरी, 2022 से 60 वर्ष या इससे अधिक उम्र के लोगों को प्रीकॉशन डोज लगाये जा रहे हैं। सरकार ने 10 अप्रैल, 2022 से 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के लोगों के लिये बूस्टर डोज की शुरुआत की थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

ICON EDUCATION SOCIETY

Leader in the field of higher education for last 19 years invites applications for Academicians & other posts for its following Minority Educational Institutes

INDORE INSTITUTE OF LAW

(Affiliated to DAVV Indore and Bar Council of India, New Delhi)

Rank No. 1 Pvt. Law College of M.P./C.G./ Rajasthan requires Academicians under College Code 28 for B.A.LL.B. (Hons.), BBA.LL.B. (Hons.), LL.B. (Hons.) and LLM Courses, **Principal / Professors / Associate Professors / Asst. Professors** For Law, Management, History, Economics, Pol. Sc. English, Hindi, **Foreign Language (French/ German/Spanish) Trainer / Sports Officer.**

Qualification & Salary: As per UGC and BCI norms

IDYLLIC INSTITUTE OF MANAGEMENT

(Affiliated to DAVV & Recognized by AICTE New Delhi)

An ideal institute of imparting Commerce, Management, Science & Arts Courses requires **Director / Professors / Associate Professors / Asst. Professors & Sports Officer** under College Code 28 for MBA, BBA, B.Com. (Plain / Tax Procedure / Computer Application / Advertising & P.R./Hons.), Hindi, English, B.Sc. (Comp. Sc./Math's/Physics/Chemistry) Arts (History/Economics/ Pol. Sc./Sociology)

Qualification & Salary : As per UGC and AICTE norms

INDORE NURSING COLLEGE

(Affiliated to MP Medical Science University, Jabalpur & INC, New Delhi)

A Premier Nursing College of Central India requires following Academicians for M.Sc. (N), B.Sc. (N), P.B. B.Sc. (N) & GNM Courses **Principal / Vice Principal /Professors/ Associate Professors / Asst. Professors / Tutors/External Lecturer in Anatomy, Physiology, Bio-Chemistry & Pharmacology**

Qualification & Salary : As per INC/UGC/ MP Medical Science University & Govt. norms

Salary is no bar for deserving Candidates

CV with attested copies of testimonials and photograph should reach within 7 days to : HR IES, Gendalal Bam Parisar, Opp. IIM, Rau-Pithampur Road, Rau, Indore-453331 or **E-mail : hriconeducationsociety@gmail.com** Contact No. **8889733385**

PANKAJ

R-47013/2022

साप्ताहिक **रोज़गार और निर्माण**

में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com Website : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।

2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 39, अंक 19 09.05.2022 से 15.05.2022

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011

फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सक्षम बनें प्रदेश की बेटियां

युवाओं में साहस और देशभक्ति की भावना प्रबल करने के लिये उन्हें देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की अनुभव यात्रा करने के उद्देश्य से 'मां तुझे प्रणाम योजना' शुरू की गई थी, जो कोविड के कारण स्थगित रही। प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मियों को पंजाब के वाघा और हुसैनीवाला बॉर्डर भेजकर योजना का पुनः शुभारंभ किया जा रहा है। बेटियों के चरण पड़ने से शुरू हो रही यह यात्रा प्रदेश के युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और देश के लिये समर्पण का भाव जागृत करने वाली सिद्ध होगी। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन से योजना का पुनः शुभारंभ कर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने योजना में पंजाब के वाघा और हुसैनीवाला बॉर्डर जा रहीं 178 लाड़ली लक्ष्मियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने दल प्रभारियों को सीमा पर तैनात वीर जवानों को भेंट किये जाने वाले राष्ट्रीय ध्वज तथा स्मृति चिन्ह सौंपे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 2007 से शुरू हुई लाड़ली लक्ष्मी योजना से अब तक 43 लाख बेटियां लाभांवित हुई हैं। लाड़ली लक्ष्मियों का भविष्य बेहतर हो, वे हर क्षेत्र में सक्रिय रहें और अपने लक्ष्य प्राप्त करें। इसके लिये आवश्यक सहायता और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने लाड़ली लक्ष्मियों को प्रेरित करते हुये कहा कि लाड़ली लक्ष्मी का अर्थ है - 'बड़ा लक्ष्य तय करना, आत्मविश्वास से भरे रहना और जो निश्चय किया है उस पर दृढ़ रहना।' मुख्यमंत्री ने भावुक होते हुये कहा कि 'आज मेरी बेटियां इतनी बड़ी हो गयी हैं।' भगवान इन पर कृपा बनाये रखें, आशीर्वाद की वर्षा करें और बेटियां देश एवं समाज के विकास तथा प्रगति में योगदान करने में सक्षम बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर देश की रक्षा के लिये डटे सैनिकों के प्रति सम्मान प्रकट करने, देश की रक्षा करते हुये शहीदों को नमन करने और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं की कठिन परिस्थितियों से प्रदेश के युवाओं को रू-ब-रू कराने के उद्देश्य से 'मां तुझे प्रणाम' योजना में अनुभव यात्राएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने यात्राओं में जा रही बेटियों को प्रेरित करते हुये कहा कि वे सैनिकों से उनके अनुभवों, कार्य की चुनौतियों के बारे में बातचीत अवश्य करें। सीमा क्षेत्र की शौर्य से भरी मिट्टी का तिलक करें, मिट्टी अपने साथ लायें और अपने शहर, गांव, मुहल्ले के लोगों के साथ अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुये सीमा क्षेत्र की मिट्टी से अपने परिजन और परिचितों का तिलक भी करें। योजना के पुनः प्रारंभ होने पर वाघा बॉर्डर जाने वाली पहली यात्रा में भोपाल संभाग से 20, इंदौर संभाग से 31, ग्वालियर से 15, उज्जैन से 26, नर्मदापुरम् से 11, शहडोल से 15, रीवा से 12, चम्बल से 09, सागर से 26 और जबलपुर संभाग से 31 लाड़ली लक्ष्मी बेटियां शामिल हैं। वाघा बॉर्डर जाने वाली शिवपुरी की लाड़ली लक्ष्मी हिमांशी झा ने कहा कि अगर हमारा नाम लाड़ली लक्ष्मी योजना में नहीं होता तो हम आज यहां नहीं होते। हिमांशी ने कहा कि मामा शिवराज की हम लाड़ली बेटियां हैं, हम बॉर्डर पर जाकर नई चीजें सीखेंगे और नई जगह भ्रमण कर यह जानेंगे कि सरहद पर हमारे सैनिक किस तरह तैनात रहते हैं।

दो भाषाओं के जानकारों को अल्जाइमर का खतरा कम

अल्जाइमर के शिकार आमतौर पर उम्रदराज लोग ज्यादा होते हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में इस बीमारी पर निरंतर शोध जारी है। आमतौर पर लोगों को 60-65 साल के बाद अल्जाइमर (भूलने की बीमारी) होने का खतरा रहता है, लेकिन अब एक नये अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। नये अध्ययन में बताया गया है कि अगर आपको दो भाषाएं आती हैं और आप दूसरी भाषा धारा प्रवाह बोल लेते हैं, तो आपको अल्जाइमर होने का खतरा कम होगा। यदि अल्जाइमर होने का खतरा होता भी है, तो यह अन्य लोगों की तुलना में आपको सात साल से ज्यादा समय तक इस बीमारी से दूर रखने में मददगार साबित होगा, यानी आपको अन्य लोगों की तुलना में सात साल बाद अल्जाइमर होगा। वैज्ञानिकों का मानना है कि विदेशी भाषा बोलने से आपके दिमाग की अच्छी कसरत होती है, जिससे भूलने की बीमारी को दूर करने में मदद मिलती है। शोध में पाया गया कि द्विभाषी लोगों में एक भाषा बोलने वालों की तुलना में औसतन पांच से सात साल बाद भी अल्जाइमर होने का खतरा कम था। शोध में पता चलता है कि कोई व्यक्ति जितने बेहतर तरीके से दूसरी भाषा बोलता है, उसे उतना फायदा होता है। यह शोध मॉस्को के एचएसई विश्वविद्यालय और नार्थम्ब्रिया विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। रूस में नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के फेडेरिको गैलो ने कहा, अल्जाइमर से बचाव के लिये द्विभाषावाद सबसे मजबूत तरीकों में से एक हो सकता है। हम शारीरिक व्यायाम कर सकते हैं और छोड़ सकते हैं, लेकिन भाषा हर समय हमारे साथ होती है। हम हर समय इसका उपयोग करते हैं। गैलो ने कहा- मस्तिष्क की उम्र बढ़ाने के लिये कोई मौजूदा इलाज नहीं है, इसलिये गैर दवा वाले तरीकों को खोजना और उन पर शोध करना प्राथमिकता होनी चाहिये।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व रेडक्रॉस दिवस 8 मई

सेवा के उच्चतम आदर्श के साथ वैश्विक स्तर पर सक्रिय है रेडक्रास

रेडक्रॉस एक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सी है, जिसका प्रमुख उद्देश्य रोगियों, घायलों तथा युद्धकालीन बन्दियों की देखरेख करना है। सेवा के इसी उच्चतम आदर्श के साथ वैश्विक स्तर पर रेडक्रॉस सक्रिय है। रेडक्रॉस अभियान को जन्म देने वाले महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी ड्यूनेन्ट का जन्म 8 मई, 1828 को हुआ था, इसीलिए उनके जन्म दिवस 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। विश्व रेडक्रॉस दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय स्वयं सेवक दिवस यानी वॉलेंटियर दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। लगभग एक सौ पचास वर्षों से पूरे विश्व में रेडक्रॉस के स्वयं सेवक असहाय एवं पीड़ित मानवता की सहायता के लिए काम कर रहे हैं। भारत में वर्ष 1920 में संसदीय अधिनियम (पार्लियामेंट्री एक्ट) के तहत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ, तब से रेडक्रॉस के स्वयं सेवक विभिन्न आपदाओं में निःस्वार्थ भावना से अपनी सेवाएं निरन्तर देते आ रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस की कार्यप्रणाली के मूल भाव को इस एक नारे से समझा जा सकता है कि- 'फाइण्ड द वॉलेंटियर इनसाइड यू' अर्थात् अपने भीतर के स्वयं सेवक को पहचानें। विश्व के लगभग दो सौ देश अगर किसी एक विचार पर सहमत हैं तो वह है- रेडक्रॉस का विचार। युद्ध के मैदान में घायल सैनिकों की चिकित्सा के साथ प्रकृति के महाविनाश के बीच फंसे लोगों की मदद के लिए भी हमेशा डटे रहने वाली एक ही संस्था है- 'रेडक्रॉस'।

मानवतावादी जीन हेनरी ड्यूनेन्ट की सक्रिय पहल से बनी रेडक्रॉस संस्था

पीड़ित मानवता की सेवा बिना भेदभाव के करते रहने वाली इस संस्था के गठन और रेडक्रॉस अभियान के विचार को जन्म देने वाले महान मानवताप्रेमी जीन हेनरी के जन्म दिवस 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया जाता है। जीन हेनरी ड्यूटेन्ट की सक्रिय पहल से ही इस संस्था का गठन हुआ था। उन्होंने समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया और पूरे विश्व के लोगों को मानवतावादी सेवक के रूप में स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। सेवा कार्य के लिए उनके द्वारा गठित सोसायटी को रेडक्रॉस का नाम दिया गया। वर्तमान में विश्व के लगभग 186 देशों में रेडक्रॉस सोसायटी कार्य कर रही है। वर्ष 1901 में हेनरी ड्यूनेंट को उनके मानवसेवा के कार्यों के लिए शान्ति का पहला नोबेल पुरस्कार दिया गया था। युद्ध में घायल सैनिकों की स्थिति से विचलित हेनरी ड्यूनेन्ट ने 9 फरवरी 1863 को जेनेवा में पांच लोगों की एक कमेटी बनाई। हेनरी की इस परिकल्पना का नाम था- 'इंटरनेशनल कमेटी फॉर रिलीफ टू द वाउंडेड'। वर्ष 1864 में जेनेवा में एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसी में रेडक्रॉस को अमली जामा पहनाने का मसौदा तैयार किया गया।

इस संस्था की पहचान के लिए सफेद पट्टी पर लाल रंग के क्रास चिह्न को मान्यता दी गई। आज यह चिह्न पूरे विश्व में पीड़ित मानवता की सेवा का प्रतीक बन गया है। इसके साथ यह भी अतिमहत्वपूर्ण है कि विश्व का पहला ब्लड बैंक भी रेडक्रॉस की पहल पर अमेरिका में वर्ष 1937 में खुला। आज विश्व के अधिकांश ब्लड बैंकों का संचालन रेडक्रॉस एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं के द्वारा किया जाता है। रेडक्रॉस द्वारा चलाए गए रक्तदान जागरूकता अभियान के कारण ही आज थैलेसिमिया, कैंसर, एनीमिया जैसी अनेक जानलेवा बीमारियों से हजारों लोगों की जान बच रही है।

युद्ध की विभीषिका ने झकझोरा

रेडक्रॉस संस्था के संस्थापक जॉन हेनरी ड्यूनेन्ट स्विटजरलैंड के एक उद्यमी थे और वर्ष 1859 में वह फ्रांस के तत्कालीन सम्राट

नेपोलियन तृतीय से मिलने इटली गए थे। उन दिनों अल्जीरिया पर फ्रांस का कब्जा था। ड्यूनेन्ट को उम्मीद थी कि अल्जीरिया में व्यापारिक प्रतिष्ठान खोलने में नेपोलियन उनकी मदद करेंगे। लेकिन ड्यूनेन्ट को सम्राट नेपोलियन से मिलने का मौका नहीं मिला। इटली में उन्होंने सोल्फेरिनो का युद्ध देखा। एक ही दिन में उस युद्ध में हजारों सैनिक मारे गए और घायल हुए। किसी भी सेना के पास घायल सैनिकों की देखभाल के लिए चिकित्सा कोर नहीं थी। युद्ध की इस विभीषिका ने उनको झकझोर दिया। ड्यूनेन्ट ने स्वयं सेवकों के एक समूह को संगठित किया। उन लोगों ने घायलों तक खाना और पानी पहुंचाया। घायलों का उपचार किया और उनके परिवार के लोगों को पत्र लिखा। इस घटना के बाद ड्यूनेन्ट ने अपने इस दुखद अनुभव को एक किताब के रूप में प्रकाशित किया। किताब का नाम था- 'अ मेमोरी ऑफ सोल्फेरिनो'। उन्होंने युद्ध के भयावह दृश्य के बारे में पुस्तक में लिखा था। उन्होंने बताया कि कैसे युद्ध में अपने अंगों को गंवाने वाले लोग कराह रहे थे। उनको मरने के लिए छोड़ दिया गया था। पुस्तक के अन्त में उन्होंने एक स्थायी अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी की स्थापना का सुझाव दिया था।

कोरोना संक्रमण में अहम् थी रेडक्रॉस सोसायटी की भूमिका

रेडक्रॉस सोसायटी का ध्येय वाक्य है- 'अपने अन्दर के स्वयं सेवक को पहचानें' इसी ध्येय के साथ रेडक्रॉस सोसायटी ने वैश्विक स्तर पर और भारत में भी कोरोना संक्रमण काल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, सार्वभौमिकता और एकता जैसे सिद्धांतों पर कार्यरत इस संस्था की भूमिका कोरोना संकट के दौर में और भी महत्वपूर्ण रही। इस महामारी के दौरान रेडक्रॉस सोसायटी ने खाद्य सामग्री जरूरतमंदों तक पहुंचाकर राहत प्रदान की। सोसायटी ने संक्रमितों के लिए शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के सर्वसुविधायुक्त क्वॉरेंटाइन सेन्टर भी बनाये। रेडक्रॉस सोसायटी ने कोरोना मरीजों को चिकित्सकीय सलाह देने, भोजन उपलब्ध कराने और लोगों को परिवार से मिलाने, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाने और ब्लड बैंकों के जरिए खून की कमी दूर करने का महत्वपूर्ण अवदान भी दिया। इस सोसायटी के लाखों स्वयं सेवी इस महामारी के दौर में समाजसेवा में लगे रहे। रेडक्रॉस सोसायटी ने कोरोना संक्रमितों के उपचार के दौरान एक्सपर्ट काउंसलर्स की सेवाएं भी लीं और संक्रमितों का हौंसला बढ़ाया। इसके साथ ही रेडक्रॉस सोसायटी ने कोरोना संक्रमितों के उपचार में लगे फ्रण्ट रनर और कोरोना योद्धाओं का सम्मान का महत्वपूर्ण कार्य भी किया।

रेडक्रॉस का दायित्व व दायरा बढ़ा है

रेडक्रॉस एक स्वयं सेवी संस्था है और विश्व के अधिकांश देशों सहित भारत में भी किसी भी भाग में प्राकृतिक या मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने और राहत पहुंचाने में यह संस्था बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रेडक्रॉस संस्था में जो स्वयं सेवक होते हैं, वे जिस समर्पण भाव से काम करते हैं वो अनुकरणीय होता है और उनसे सेवा क्षेत्र में लगे लोगों को प्रेरणा मिलती है। पिछले कुछ सालों के दौरान आई प्राकृतिक आपदाओं, भयंकर बाढ़ और सुनामी लहरों के ताण्डव तथा विभिन्न तूफानों के दौरान और उसके बाद भी अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस ने जो भूमिका निभाई उससे उसका महत्व और अधिक बढ़ गया है।

वर्तमान समय में दुनिया में युद्ध के तरीकों और कारणों में बड़ा अंतर आ चुका है। अब युद्ध के दौरान सैनिकों की सहायता के साथ ही प्राकृतिक या मानवीय आपदाओं के शिकार लोगों को राहत एवं मदद पहुंचाने में भी रेडक्रॉस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दुनियाभर में शान्ति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से अपनी एक अलग पहचान और छवि बना ली है। आज दुनिया के किसी भी भाग में प्राकृतिक या मानवीय आपदा में अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस की टीम सबसे पहले पहुंचकर राहत कार्य में जुट जाती है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का गठन और उसका इतिहास

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी एक स्वयं सेवी संस्था है, जिसका पूरे देश में सात सौ से अधिक शाखाओं का नेटवर्क है जो आपदा और आपातकाल में राहत प्रदान करता है और कमजोर लोगों और समुदायों के स्वास्थ्य और देखभाल को बढ़ावा देता है। देश के विभिन्न भागों में यह संस्था बहुत ही सफलता के साथ कार्य कर रही है। इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। भारत में रेडक्रॉस सोसायटी को - 'इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी' के नाम से जाना जाता है। यह इंटरनेशनल रेडक्रॉस और रेड क्रिसेंट मूवमेंट का हिस्सा है और इंटरनेशनल रेडक्रॉस और रेड क्रिसेंट मूवमेंट के मौलिक सिद्धांतों को साझा करती है। वर्ष 1920 में अपनी स्थापना के बाद से ही भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी एक स्वयं सेवक की भूमिका में सक्रिय है और विश्व की अन्य रेडक्रास सोसायटी की अपेक्षा भारत में रेडक्रॉस में युवाओं की भूमिका प्रमुख है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारत में प्रभावित सैनिकों के लिए संयुक्त युद्ध समिति की एक शाखा, सेंट जॉन एम्बुलेंस एसोसिएशन और ब्रिटिश रेडक्रॉस के बीच सहयोग द्वारा राहत सेवाएं प्रदान करने के साथ ही भारतीयों ने रेडक्रॉस की भावना के अनुरूप काम करना आरम्भ कर दिया था। बाद में 3 मार्च, 1920 को ब्रिटिश सरकार ने स्वतंत्र भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का गठन करने के लिए सर क्लाउड हिल द्वारा भारतीय विधान परिषद में एक विधेयक पेश किया। यह विधेयक 17 मार्च, 1920 को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम, 1920 के रूप में पारित किया गया और 1920 का संसद अधिनियम XV बन गया। इसे 20 मार्च 1920 को गवर्नर जनरल की सहमति मिली थी। 7 जून, 1920 को संयुक्त युद्ध समिति की भारतीय शाखा के सदस्यों में से पचास सदस्यों को औपचारिक रूप से भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के गठन के लिए नामित किया गया था। इनमें से पहला प्रबंध निकाय चुनने के साथ सर विलियम मैल्कम हैली की अध्यक्ष बनाया गया था।

राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग डिण्डौरी जिला-डिण्डौरी (म.प्र.)

नि.आ.सू. क्रमांक/01/व.ले.लि./2022-23 डिण्डौरी, दिनांक : 25.04.2022

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीकृत समस्त निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी जिला डिण्डौरी के अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों की ऑनलाइन निविदा पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित की गई है। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट पर देखा जा सकता है :-

ई-टेंडर नम्बर	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र (रुपये में)	अमानत राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा खोले जाने का स्थान
2022_PWDRB_199235	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।	17.80	2000/-	35600/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199238	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।	17.80	2000/-	35600/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199240	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले गैर-आवासीय भवनों का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।	17.80	2000/-	35600/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199241	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले गैर-आवासीय भवनों का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।	17.80	2000/-	35600/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199242	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों का रंगाई-पुताई एवं प्लास्टिक इमल्शन का कार्य।	17.85	2000/-	35700/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199243	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों का रंगाई-पुताई एवं प्लास्टिक इमल्शन का कार्य।	17.85	2000/-	35700/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199244	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले कलेक्टर सेक्टर के भवनों का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।	17.85	2000/-	35700/-	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199245	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले कलेक्टर सेक्टर के भवनों का अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्य।	17.85	2000/-	35700/-	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199246	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले मार्गों के बी.टी./ डब्ल्यू.बी.एम. पेंच रिपेयर कार्य हेतु मटेरियल कलेक्शन का कार्य।	11.17	2000/-	22340/-	03 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199247	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले मार्गों के बी.टी./ डब्ल्यू.बी.एम. पेंच रिपेयर कार्य हेतु मटेरियल कलेक्शन का कार्य।	11.17	2000/-	22340/-	03 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199249	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले पुल-पुलियों का मरम्मत कार्य।	10.54	2000/-	21080/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199250	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले पुल-पुलियों का मरम्मत कार्य।	10.54	2000/-	21080/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199251	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले मार्गों का सर्वे, डी.पी.आर., विस्तृत प्राक्कलन एवं एन.आई.टी. तैयार करने सहित सम्पूर्ण कार्य।	8.91	2000/-	17820/-	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199252	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले मार्गों का सर्वे, डी.पी.आर. विस्तृत प्राक्कलन एवं एन.आई.टी. तैयार करने सहित सम्पूर्ण कार्य।	8.91	2000/-	17820/-	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199253	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों का वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य।	18.70	2000/-	37400/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199254	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले आवासीय भवनों का वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य।	18.70	2000/-	37400/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199256	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले गैर-आवासीय भवनों का वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य।	18.70	2000/-	37400/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199257	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले गैर-आवासीय भवनों का वाटर प्रूफिंग ट्रीटमेंट कार्य।	18.70	2000/-	37400/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199258	बिरसामुण्डा सामुदायिक हॉल पुरानी डिण्डौरी का रेनोवेशन एवं मैदान समतलीकरण का कार्य।	4.47	2000/-	8940/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास) जिला-उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष क्र. 0734-3510040, ई-मेल - weujj@mp.gov.in

क्रमांक/म.बा.वि./OSC/2022/160 उज्जैन, दिनांक : 21.04.2022

निविदा सूचना

कार्यालयीन पत्र क्रमांक 2695 दिनांक 16.03.2022 द्वारा प्रेषित प्रस्ताव अनुसार उज्जैन जिले में द्वितीय वन स्टॉप सेंटर स्वीकृति का प्रस्ताव नागदा में किये जाने हेतु प्रेषित किया गया था। जिसके परिप्रेक्ष्य में अवर सचिव भारत सरकार, म.बा.वि. विभाग के पत्र क्रमांक 22011/1/2022/WW(e-98635) दिनांक 25.03.2022 द्वारा भवन निर्माण सहित अतिरिक्त 01 वन स्टॉप सेन्टर स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। संचालक, महिला एवं बाल विकास म.प्र. का पत्र क्रमांक osc/mvavi/2020/573 भोपाल दिनांक 20.11.2020 एवं अपर संचालक, म.बा.वि. भोपाल के पत्र क्रमांक osc/602 दिनांक 17.12.2020 में दिए निर्देश के परिपालन में उल्लेखित निर्देशों के अनुरूप द्वितीय/नवीन वन स्टॉप सेंटर नागदा जिला उज्जैन हेतु निम्नांकित मानव संसाधन न्यूनतम आयु 18 वर्ष से अधिक उपलब्ध करवाने हेतु सेवा प्रदाता (अशासकीय समाज सेवी संस्था एवं आउटसोर्स एजेंसी) के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में अनुरोध प्रस्ताव (Request for Proposal) RFP आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	सेवा प्रदाता का प्रकार	मानव संसाधन का विवरण	पदों की संख्या	मानदेय	आयु अधिकतम
1.	अशासकीय समाज सेवी संस्था	केसवर्कर	03 (महिला)	23000/- प्र.मा.	45 वर्ष
2.		परामर्शदाता	01 (महिला)	23000/- प्र.मा.	50 वर्ष
3.	आउटसोर्स एजेंसी	आई.टी. वर्कर	01 (महिला/पुरुष)	उच्च कुशल श्रेणी कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर	35 वर्ष
4.		बहुउद्देशीय सहायक	03 (02 महिला/ 01 पुरुष)	अकुशल श्रेणी कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर	35 वर्ष
5.		सुरक्षा कर्मी	03 (पुरुष)	अकुशल श्रेणी कलेक्टर द्वारा निर्धारित दर	35 वर्ष

अनुरोध प्रस्ताव (RFP) सेवा प्रदाताओं से दिनांक 26.04.2022 से 10.05.2022 तक कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी A-11/20 वसंत विहार कॉलोनी उज्जैन से कार्यालयीन समय में सॉफ्ट कॉपी निःशुल्क या हार्ड कॉपी 200/- नगद जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे अनुरोध प्रस्ताव (RFP) जिला कलेक्टर के नाम से उक्त कार्यालय के पते पर **दिनांक 10.05.2022** को शाम 05.30 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले अनुरोध प्रस्ताव (RFP) स्वीकार्य नहीं किये जावेंगे। निविदा से संबंधित अन्य जानकारी उपरोक्त कार्यालय में उपस्थित होकर कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर
जिला-उज्जैन

जी-12207/46989/2022

2022_PWDRB_199259	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले मार्गों का डब्ल्यू.बी.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	18.25	2000/-	36500/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199260	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले मार्गों का डब्ल्यू.बी.एम. एवं बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	18.25	2000/-	36500/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199261	रेस्ट हाउस डिण्डौरी में बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य।	4.45	2000/-	8900/-	05 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199264	लो.नि.वि. उपसंभाग डिण्डौरी अंतर्गत आने वाले आवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य।	8.80	2000/-	17600/-	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199265	लो.नि.वि. उपसंभाग शहपुरा अंतर्गत आने वाले आवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य।	8.80	2000/-	17600/-	वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु	कार्यालय कार्यपालन यंत्री लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी
2022_PWDRB_199267	गाडासरई-बच्छरगांव-झिंझरीबौना मार्ग का बी.टी. नवीनीकरण कार्य (लम्बाई 14.90 कि.मी.)।	120.58	12500/-	120580/-	04 माह वर्षाकाल छोड़कर	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. मध्यक्षेत्र जबलपुर
2022_PWDRB_199268	सिमरिया-माधोपुर मार्ग लम्बाई 7.00 कि.मी. रु. 57.35 लाख, रतना-मझियाखार मार्ग लं. 3.00 कि.मी. रु. 25.18 लाख, खुरखुरीदादर पहुंच मार्ग लं. 3.20 कि.मी. रु. 25.58 लाख एवं सुरसाटोला-सुकुलपुरा मार्ग लं. 2.00 कि.मी. रु. 16.38 लाख में बी.टी. नवीनीकरण कार्य।	124.49	12500/-	124490/-	04 माह वर्षाकाल छोड़कर	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. मध्यक्षेत्र जबलपुर
2022_PWDRB_199269	अमरपुर-कुसमी मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. रु. 40.96 लाख, अमदरी टोला से अमरपुर कौशल विकास केन्द्र मार्ग लं. 1.20 कि.मी. रु. 9.83 लाख, हर्रा-लदवानी मार्ग लं. 2.60 कि.मी. रु. 16.97 लाख, सारसडोली-पडरिया मार्ग लं. 2.00 कि.मी. रु. 16.18 लाख, शारदा टेकरी शहपुरा पहुंच मार्ग लं. 1.60 कि.मी. रु. 10.83 लाख एवं शहपुरा-मानिकपुर मार्ग लं. 1.00 कि.मी. रु. 7.99 लाख में बी.टी. नवीनीकरण कार्य।	102.76	12500/-	102760/-	04 माह वर्षाकाल छोड़कर	कार्या. मुख्य अभियंता लो.नि.वि. मध्यक्षेत्र जबलपुर

(1) ऑनलाइन निविदा प्रपत्र खरीदने की तिथि 27.04.2022 से 27.05.2022 सायं 5.30 बजे तक है।
(2) ऑनलाइन बिड सबमिट करने की **अंतिम तिथि 27.05.2022** सायं 5.30 बजे तक है।
(3) टेण्डर डाक्यूमेंट (e-EMD) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही सबमिट किये जायेंगे। निविदा दिनांक 30.05.2022 से खोली जावेगी।
(4) संशोधन या शुद्धिपत्र सिर्फ वेबसाइट में अपलोड किये जावेंगे।
(5) निविदा प्रपत्र वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर भुगतान उपरांत प्राप्त हो सकेंगे। अतिरिक्त जानकारी वेबसाइट पर टेण्डर डाक्यूमेंट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. संभाग डिण्डौरी

जी-12208/46990/2022

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग बुधनी, जिला सीहोर (म.प्र.)
मेन रोड बुधनी फोन नं. 07564-235305

निविदा सूचना क्रमांक 01/2022-23/व.ले.लि./बुधनी **दिनांक : 02.05.2022**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

स. क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनुमा. राशि (रु. लाखों में)	अमानत राशि (EMD)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आमंत्रण क्र.	ई.एम.डी. एवं निविदा से संबंधित अन्य दस्तावेज
1.	2022_PWDRB_200663_1	ठीकरी से नॉनभेट मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लं. 3.20 कि.मी.।	430.50	430500/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।
2.	2022_PWDRB_200679_1	शासकीय स्कूल खैरी सिलगना से ठीकरी मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 3.20 कि.मी.।	493.69	493690/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।
3.	2022_PWDRB_200684_1	जोनतला से बकतरा मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लम्बाई 4.20 कि.मी.।	491.71	491710/-	12 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।
4.	2022_PWDRB_200687_1	छैगरा से पाताल खौह मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लम्बाई 2.10 कि.मी.।	330.65	330650/-	11 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।
5.	2022_PWDRB_200692_1	नरसिंह मंदिर खैरी सिलगना से बोरना तक मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई 1.50 कि.मी.।	257.75	257750/-	10 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।
		कार्य की अधिकतम लागत	**493.69**				

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की **अंतिम तिथि 18.05.2022 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. भोपाल का पत्र क्र. 401/सा./ई-टेण्डरिंग/09/1088/भोपाल/दिनांक 05.11.2020 द्वारा निविदा से संबंधित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होंगे।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.सं. बुधनी (म.प्र.)
07564-235305

जी-12262/46992/2022

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 898/2022-23/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 26.04.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.05.2022** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_199323	**टर्न की पद्धति पर** :- झाड़बीड़ा उद्वहन सिंचाई परियोजना अंतर्गत प्रेशराइज्ड सिंचाई प्रणाली का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	नर्मदापुरम	19184.83

जी-12300/46994/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1332

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक- 499/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक 25.04.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 17.05.2022** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2022_WRD_197172	एस.डी.एम.एफ. के सिमरोल क्र. 02 तालाब की गाइड बड हेतु रिटेनिंग वॉल का निर्माण एवं स्पिल क्लियरेंस का कार्य।	शाजापुर	11.29
2.	2022_WRD_197729	रीवा जिले के मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों के स्लूस जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। (समूह-1)	रीवा	2.08
3.	2022_WRD_197731	रीवा जिले स्थित मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों के स्लूस जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। (समूह-2)	रीवा	1.66
4.	2022_WRD_197732	सतना जिले के मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों के स्लूस जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। (समूह-1)	रीवा	1.89
5.	2022_WRD_197734	सतना जिले के स्थित मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों के स्लूस जलद्वारों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। (समूह-2)	रीवा	1.61
6.	2022_WRD_197735	उमरिया जिले के मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों का स्लूस जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.57
7.	2022_WRD_197737	सीधी जिले के मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों के स्लूस जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.09
8.	2022_WRD_197738	सिंगरौली जिले के मध्यम एवं लघु बांधों एवं जलाशयों के स्लूस जलद्वारों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	रीवा	2.37
9.	2022_WRD_197795	कम्प्यूटर, प्रिंटर, फोटो कॉपी मशीन एवं उपकरणों का वार्षिक रखरखाव कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	भोपाल	19.90
10.	2022_WRD_197874	माही परियोजना की मुख्य नहर की आर.डी. 0 से 17 कि.मी. एवं शाखा नहर 1 से 32 कि.मी. नहर पार्श्व में जहां है जैसी उपलब्ध हार्ड रॉक का विक्रय। (तृतीय आमंत्रण)	झाबुआ	17.70
11.	2022_WRD_197875	रामपुरा टैंक के नहर एक्वाडक्ट का वार्षिक मरम्मत का कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)	झाबुआ	6.05
12.	2022_WRD_197876	ग्राम गुवाली, झापादरा, किकलबेरी व दवीगढ़ के बैराजों के गेटों का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	झाबुआ	4.14
13.	2022_WRD_197915	बलभद्रगढ़, चकदही एवं मुरेठा कोठार तालाब सर्वे एवं डी.पी.आर. का कार्य।	रीवा	9.44
14.	2022_WRD_197953	उपसंभाग जावद के 2 मध्यम टैंक के स्लूस गेटों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	उज्जैन	0.89
15.	2022_WRD_197955	उपसंभाग भानपुरा के 14 नग टैंकों के स्लूस गेटों का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	उज्जैन	2.65
16.	2022_WRD_197956	उपसंभाग रामपुरा के 9 नग टैंकों के स्लूस गेटों का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	उज्जैन	2.14
17.	2022_WRD_197957	उपसंभाग गरोठ के 17 नग टैंकों के स्लूस गेटों का वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	उज्जैन	3.09
18.	2022_WRD_198340	उपसंभाग, राजपुर, सेंधवा एवं ठीकरी के 07 नग तालाबों के 12 नग जलद्वारों का सुधार कार्य।	धार	0.91
19.	2022_WRD_198342	उपसंभाग, बड़वाह, भीकनगांव, कसरावद, मंडलेश्वर, भगवानपुर एवं सेगाव के 16 नग तालाबों के 28 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	3.47
20.	2022_WRD_198346	दतुनि मध्यम परियोजना के 02 नग हेड स्लूस जलद्वारों का सुधार कार्य।	धार	0.35
21.	2022_WRD_198589	उपसंभाग, इंदौर एवं महू के 30 नग तालाबों के जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	4.08
22.	2022_WRD_198596	उपसंभाग, सोनकच्छ एवं बागली के 20 नग तालाबों के जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	3.85
23.	2022_WRD_198998	संभाग, कार्यालय रायसेन हेतु लेखन सामग्री एवं मुद्रित प्रपत्रों का प्रदाय।	रायसेन	2.64
			कुल योग	**106.87**

जी-12209/46991/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

अफवाहों पर न दें ध्यान, टीका लगवाकर बचायें जान।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) दमोह संभाग दमोह
Email - eepwddamoh@mp.nic.in, Phone 07812-221405
निविदा प्रथम आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 03/2022-23 **दमोह, दिनांक : 26.04.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय (वर्षाकाल सहित)
1.	199483 2022-PWDRB-	हटा उपसंभाग के अंतर्गत मढ़ियादो चंदना मार्ग का निर्माण कार्य। (लं. 5.00 कि.मी.)	दमोह	499.29	499290/-	15000/-	12 माह (वर्षाकाल सहित)
2.	199490 2022-PWDRB-	तेंदूखेड़ा उपसंभाग के नोहटा से दमानिया नाला मार्ग का निर्माण कार्य। (लं. 4.00 कि.मी.)	दमोह	424.01	424010/-	15000/-	12 माह (वर्षाकाल सहित)

1. निविदा से संबंधित विड डाक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर विना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैश कार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 29.04.2022 समय 10.30 बजे से **दिनांक 17.05.2022** समय 5.30 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) दमोह संभाग दमोह
जी-12275/46993/2022 **दूरभाष क्रमांक - 07812-222405**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-उमरिया (म.प्र.)

निविदा क्र. 10-25/2022-23/का.यं./लोकस्वा.यां./खण्ड/उमरिया **दिनांक : 29.04.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित हैं।

कार्य :- उमरिया जिले के समस्त विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग कार्य के तहत 100/75/50 कि.ली. क्षमता के आर.सी.सी. उच्चस्तरीय पानी की टंकी का निर्माण एवं विभिन्न क्षमता के आर.सी.सी. सम्पवेल का निर्माण, पाइप लाइन विस्तार, वॉल चेम्बर निर्माण, पम्प हाउस प्रदाय, निर्माण एवं स्थापना, विद्युत लाइन विस्तार, घर-घर नल कनेक्शन एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित समस्त सामग्री प्रदाय एवं स्थापना संबंधी प्राक्कलन अनुसार समस्त कार्य।

क्र.	निविदा क्र.	ई-टेण्डर नम्बर	ग्राम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानती राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	समय अवधि (वर्षाकाल सहित)	ठेकेदार की श्रेणी
1.	10/22-23	2022_PHED_200139_1	आमाडोंगरी, छादाकला, डगडौआ, पिनौरा	382.19 लाख	3,82,190/-	15,000/-	09 माह	लोक निर्माण विभाग मध्यप्रदेश में पंजीकृत या केन्द्र के निर्माणों में पंजीकृत संस्थाएं
2.	11/22-23	2022_PHED_200140_1	मालाचुआ, हथपुरा, करकटी, बरहाई	252.40 लाख	2,52,400/-	15,000/-	09 माह	
3.	12/22-23	2022_PHED_200141_1	ओदरी, खिचकिडी, चौरी, केल्हारी	205.00 लाख	2,05,000/-	15,000/-	09 माह	
4.	13/22-23	2022_PHED_200142_1	पुटपुरा, चेचरिया, बसकुटा, नेउसी	220.95 लाख	2,20,950/-	15,000/-	09 माह	
5.	14/22-23	2022_PHED_200143_1	मोहनी	45.00 लाख	50,000/-	5,000/-	06 माह	
6.	15/22-23	2022_PHED_200144_1	कोयलारी	74.98 लाख	74,980/-	10,000/-	09 माह	
7.	16/22-23	2022_PHED_200146_1	कल्दा	67.05 लाख	67,050/-	10,000/-	09 माह	
8.	17/22-23	2022_PHED_200147_1	बिरसिंहपुर	37.31 लाख	50,000/-	5,000/-	06 माह	
9.	18/22-23	2022_PHED_200148_1	तखतपुर	34.21 लाख	50,000/-	5,000/-	06 माह	
10.	19/22-23	2022_PHED_200149_1	भरहुत	46.80 लाख	50,000/-	5,000/-	06 माह	
11.	20/22-23	2022_PHED_200150_1	कुचवाही	52.52 लाख	52,520/-	10,000/-	06 माह	
12.	21/22-23	2022_PHED_200151_1	देवगंवाखुर्द	74.90 लाख	74,900/-	10,000/-	09 माह	
13.	22/22-23	2022_PHED_200468_1	पटपरा	78.60 लाख	78,600/-	10,000/-	09 माह	
14.	23/22-23	2022_PHED_200153_1	उजान	89.31 लाख	89,310/-	10,000/-	09 माह	
15.	24/22-23	2022_PHED_200154_1	धमनी	74.21 लाख	74,210/-	10,000/-	09 माह	
16.	25/22-23	2022_PHED_200155_1	कलोनी	72.73 लाख	72,730/-	10,000/-	09 माह	

निविदा ऑनलाइन क्रय एवं दर प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 13.05.2022** समय 5.30 सायं निविदा ऑनलाइन खोलने की तिथि 17.05.2022 समय 11.00 सुबह
निविदा शर्तें एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर प्रदर्शित हैं। निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन होने पर संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। समस्त संशोधन केवल उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-12361/46997/2022 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-उमरिया**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 899/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 29.04.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.05.2022 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_200464	**टर्न की पद्धति पर** :- ग्राम कापसी के बाघिनी नदी पर काप्सी नागबाबा बैराज कुल भराव क्षमता 0.951 मि. घ.मी. एवं सिंचाई क्षमता 300 हेक्टर हेतु बैराज का संपूर्ण निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	धार	484.00

जी-12344/46995/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in
फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 900/2022-23/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 02.05.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.05.2022 को 17.30 बजे** तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_200946	फतेहपुर तालाब परियोजना के बांध का मिट्टी कार्य, सी.ओ.टी. फिल्टर, बोल्डर टो. स्पिल चैनल, हेड स्लूस, फ्लशवार ओगी वियर का शेष निर्माण कार्य।	गुना	526.04
2.	2022_WRD_200947	**टर्न की पद्धति पर** :- उनाव कॉजवे कम स्टापडेम निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	दतिया	455.35

जी-12351/46996/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म.प्र.)
website : www.mppwd.gov.in, Email : cepwdrewa@mp.nic.in
Phone No. : 07662-255200, Fax : 255380
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 03/सा./2022-23 **रीवा, दिनांक 25.04.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा फार्म
1.	2022_PWDRB_199275_1	लोक निर्माण विभाग संभाग रीवा के उपसंभाग मनगवां में सी.आर.आई.एफ. योजना अन्तर्गत देवतालाब से नईगढ़ी मार्ग (एम.डी. आर.-10-10) लं. 16.80 कि.मी., हैण्डपम्प एवं इलेक्ट्रिक लाइन/इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग सहित उन्नयन का कार्य।	प्रथम	18 माह वर्षाऋतु सहित	2939.82	29,39,820/-	10000/-
				योग	**2939.82**		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा ऑनलाइन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक 02.05.2022 से **अंतिम तिथि 20.05.2022 सायं 17.30 बजे तक** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
जी-12152/46986/2022 **लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 897/2021-22/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग **भोपाल, 22.04.2022**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 24.05.2022 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2022_WRD_198717	एस.डी.एम.एफ. अन्तर्गत खाम तालाब के पुराने क्षतिग्रस्त फ्लसवार को तोड़कर वेस्ट वियर का निर्माण कार्य।	शाजापुर	87.09
2.	2022_WRD_198768	अतिवृष्टि से रामपुर घाट स्टॉपडेम की की-वॉल में हुई क्षति का मरम्मत कार्य।	मुरैना	86.21
3.	2022_WRD_198785	प्रोटेक्शन वर्क एण्ड कन्स्ट्रक्शन ऑफ काउन्टर फोर्ट रिटेनिंग वॉल एट लेफ्ट सिकारा स्टॉपडेम कम कॉजवे का निर्माण कार्य।	मुरैना	336.06
4.	2022_WRD_198789	टेहला स्टॉपडेम का जीर्णोद्धार कार्य मैनेजमेंट ऑपरेशन एवं रखरखाव 02 वर्ष सहित।	श्योपुर	130.50
5.	2022_WRD_198797	एस.डी.एम.एफ. अन्तर्गत पार्वती एक्वाडक्ट के जोड़ों एवं आंतरिक सतह का मरम्मत कार्य मैनेजमेंट ऑपरेशन एवं रखरखाव 05 वर्ष सहित।	श्योपुर	134.18
6.	2022_WRD_198800	एस.डी.एम.एफ. अन्तर्गत अतिवृष्टि एवं बाढ़ से क्षतिग्रस्त लाडपुरा, झरेर, डाबली तालाबों का मरम्मत कार्य, मैनेजमेंट ऑपरेशन एवं रखरखाव 05 वर्ष सहित।	श्योपुर	84.33

जी-12161/46987/2022 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय
प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल
ISO : 9001 : 2008
E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पत्र/प्रशि/न.स-69/2022/60 भोपाल, दिनांक 27.04.2022

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2022-23 में सम्मिलित होने वाले अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण दिए जाने हेतु विज्ञापन

आयुक्त अनुसूचित जाति विकास भोपाल की स्वीकृति के अनुपालन में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने वाले मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला अभ्यर्थियों के लिए 03 माह का प्रशिक्षण हेतु परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, 35 श्यामला हिल्स भोपाल में निम्न शर्तों के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

1. आवेदिका म.प्र. राज्य की अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग की सदस्या हो।
2. आवेदिका के परिवार की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय रुपये 6.00 लाख से अधिक न हो।
3. आवेदिका म.प्र. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा (GNTST/PNST) 2022 की परीक्षा में आवेदन करने की इच्छुक हो।
4. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 17 वर्ष व अधिकतम 33 वर्ष हो।
5. आवेदिका ने विज्ञान संकाय भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान (PCB) तथा अंग्रेजी विषयों से 12वीं कक्षा की परीक्षा न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।
6. प्रशिक्षण की अवधि अधिकतम 3 माह होगी।
7. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।

ऑफलाइन प्रशिक्षण हेतु प्रवेश के लिए चयन उपरांत सभी प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं स्थानांतरण प्रमाण पत्र की मूल कॉपी (टी.सी.) जमा करना अनिवार्य है।

भोपाल में तीन माह के प्रशिक्षण के दौरान अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की छात्राओं को विभागीय नियमानुसार छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई जावेगी तथा शासन नियमानुसार छात्रवृत्ति/शिष्यवृत्ति देय होगी।

उपरोक्तानुसार पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवार जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक अभिलेखों की छायाप्रतियों के साथ **दिनांक 22 मई, 2022 तक** संस्थान के **E-mail : petcsc.bpl@gmail.com** पर अथवा रजिस्टर्ड डाक से अथवा व्यक्तिगत रूप से परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल के दूरभाष क्रमांक 0755-2666615 पर सम्पर्क किया जा सकता है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाऐगा।

अंतिम तिथि : 22 मई 2022

प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र
भोपाल (म.प्र.)

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र (अनुसूचित जाति)
35, श्यामला हिल्स, भोपाल
ISO : 9001:2008
E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में .....
   (2) अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम .....
3. माताजी का नाम .....
4. जन्म दिनांक .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिनकोड सहित
   ग्राम .....तहसील .....
   जिला .....पिनकोड .....
6. स्थायी पता पिनकोड सहित
   ग्राम .....तहसील .....
   जिला .....पिनकोड .....
7. जाति .....
8. उपजाति .....
9. परिवार के मुखिया का व्यवसाय .....
10. स्वयं का मो.नं. .....
11. पिताजी का मो.नं. .....
12. स्वयं का व्यवसाय/सर्विस यदि हो तो .....
13. स्वयं की वार्षिक आय .....
14. भाई-बहन सर्विस/व्यवसाय में हो तो पद व आय सहित उनका विवरण देवें .....
15. आवेदक का ई-मेल आई डी .....
16. आवेदक का आधार कार्ड क्र. .....
17. शैक्षणिक योग्यता

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	प्रतिशत	रिमार्क
01.	हाईस्कूल				
02.	हायर सेकेण्ड्री				
03.	अन्य				

स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टी.सी.) की मूल प्रति संस्था में प्रवेश के समय जमा करना अनिवार्य होगा।

18. निम्न अभिलेख संलग्न करना अनिवार्य है :-
    1. हाईस्कूल, हायर सेकेण्ड्री की अंकसूची तथा बोर्ड के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
    2. आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रति।
    3. आधार कार्ड की छायाप्रति।

दिनांक :
स्थानः

(हस्ताक्षर) आवेदक
नाम :-
पता :-
ई मेल आई डी :-
मोबाइल नं. :-

घोषणा पत्र

मैं कु. ..... घोषणा करती हूँ कि संस्थान में नियमित रूप से प्रशिक्षण में उपस्थित रहूँगी अनुशासन एवं मर्यादा का पालन करूँगी। सभी मूल्यांकन में उपस्थित रहूँगी। समय प्रबंधन एवं समय की पावंदी का ध्यान रखूँगी।

संस्था के समय विभाग चक्र का यथावत पालन करूँगी उक्त नियमों में से किसी भी नियम के उल्लंघन पर मेरा नाम तत्काल प्रभाव से खारिज किया जा सकता है।

(हस्ताक्षर) आवेदनकर्ता
नाम :-

जी-12149/46985/2022

मध्यप्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता
रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना, बरगी हिल्स, जबलपुर (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (ई-पद्धति)

ज्ञाप क्र. 11/सी/सा-2/2022-23 दिनांक : 26.04.2022

निविदा सूचना आमंत्रण (प्रथम आमंत्रण)

मध्यप्रदेश पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में केन्द्रीयकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों एवं अपंजीकृत ख्याति प्राप्त फर्में जो पंजीकरण मापदण्डों को पूरा करती हैं, से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन प्रतिशत दरों में निविदा आमंत्रित की जाती हैं -

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 1. पाटन उपशाखा नहर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 18.74 कि.मी., लुहकी माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 5.00 कि.मी., रिमझा माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 5.00 कि.मी. पिपरिया माइनर की आर.डी. से आर.डी. 1.90 कि.मी. तथा महुआखेड़ा माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 4.00 कि.मी. के जंगल सफाई, सिल्ट सफाई तथा बैंकों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

निविदा क्रमांक	अनुमानित लागत (लाख रुपये में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
02/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 30.53 लाख (तीस लाख त्रेपन हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 50000/- (पचास हजार रुपये मात्र)	रु. 5000/- (पांच हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 2. पाटन उपशाखा नहर, मोहनतारा वितरण नहर, बरौदा माइनर, ज्वाब माइनर, उमरिया माइनर, लुहकी माइनर, रिमझा माइनर में 150 एम.एम. डाया एन.पी-2 क्लास कोलावा फिक्सिंग का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

03/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 10.99 लाख (दस लाख निन्यानवे हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 22000/- (बाईस हजार रुपये मात्र)	रु. 2000/- (दो हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 3. मोहनतारा वितरण नहर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 9.95 कि.मी. मोहनतारा माइनर नं. 01 से माइनर नं. 10 तक, ज्वाब माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 2.80 कि.मी., जरोंद माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 1.90 कि.मी., उमरिया माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 2.90 कि.मी. तथा बरौदा माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 4.50 कि.मी. तक जंगल सफाई तथा बैंकों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)।

04/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 51.73 लाख (इक्वान लाख तिहत्तर हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 52000/- (बावन हजार रुपये मात्र)	रु. 5000/- (पांच हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 4. चिखली माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 13.50 कि.मी. तक नहर बैंकों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य। प्रथम आमंत्रण।

05/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 41.04 लाख (इकतालीस लाख चार हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 50000/- (पचास हजार रुपये मात्र)	रु. 5000/- (पांच हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 5. कुंवरपुर उपवितरण नहर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 18.50 कि.मी., खूमा माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 8.00 कि.मी., जूरीकला माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 7.50 कि.मी. बढ़ैयाखेड़ा माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 3.50 कि.मी. तथा करहैयाकला माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 3.00 कि.मी. के जंगल सफाई एवं बैंकों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)।

06/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 62.09 लाख (बासठ लाख नौ हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 63000/- (त्रेसठ हजार रुपये मात्र)	रु. 5000/- (पांच हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 6. खूमा माइनर, लामी माइनर, ज्वाब माइनर, नोनी माइनर नं. 01 एवं 02, सहसन माइनर नं. 01 एवं 02, ग्वारी माइनर नं. 01 एवं 02 तथा बढ़ैयाखेड़ा माइनर, भुंवारा माइनर नं. 01 एवं 02, जूरीकला माइनर नं. 01 एवं 02, करहैयाकला माइनर एवं कुंवरपुर उपवितरण नहर में 150 एम.एम. डाया एन.पी.-2 क्लास कोलावा पाईप फिक्सिंग का कार्य (प्रथम आमंत्रण)।

07/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 15.76 लाख (पन्द्रह लाख छिहत्तर हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 32000/- (बत्तीस हजार रुपये मात्र)	रु. 2000/- (दो हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 7. पाटन शाखा नहर की आर.डी. 9.74 कि.मी. से आर.डी. 14.40 कि.मी. तक नहर बैंकों के जंगल सफाई एवं बैंकों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)।

08/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 23.67 लाख (तेईस लाख सड़सठ हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 48000/- (अड़तालीस हजार रुपये मात्र)	रु. 2000/- (दो हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

स.क्र. एवं कार्य का नाम - 8. तिघरा माइनर की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 8.30 कि.मी. तक नहर बैंकों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य (प्रथम आमंत्रण)।

09/सा./मु.अ./ 2022-23 दिनांक 26.04.2022 (प्रथम आमंत्रण)	रु. 19.08 लाख (उन्नीस लाख आठ हजार मात्र) (यू.सी.एस.आर. 01.09.2017 एवं संशोधन दिनांक 09.03.2021 पर लागू)	रु. 39000/- (उन्तालीस हजार रुपये मात्र)	रु. 2000/- (दो हजार रुपये मात्र)	03 माह वर्षाकाल छोड़कर

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये **www.mptenders.gov.in** का अवलोकन करें।
2. निविदा प्रपत्र डेबिट कार्ड या इन्टरनेट एकाउंट से भुगतान करने के उपरान्त केवल ऑनलाइन निविदा क्रय की जा सकती है।
3. ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक एवं समय - **दिनांक 11.05.2022 सायं 17.30 बजे तक।**
4. निविदा में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो वह केवल वेबसाइट पर दर्शाया जायेगा। समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य अभियंता
रानी अवंती बाई लोधी सागर परियोजना
बरगी हिल्स, जबलपुर

जी-12183/46988/2022

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, उज्जैन संभाग-उज्जैन
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आं.सू. क्र.-01/2022-23/131 भोपाल, दिनांक : 29.04.2022

निविदा आमंत्रण अल्प सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-उज्जैन की ओर से विभिन्न जिलों में नवीन उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्य एवं आवासगृहों के निर्माण कार्य हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) से 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" फार्म में परसेंटेज बेसिस दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :-

निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकास खण्ड का नाम	उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों की संख्या	अनुमानित लागत राशि रु. लाख में
2022_DHS_200173	मंदसौर	मल्हारगढ़	27	339.05
2022_DHS_200176	उज्जैन	जरदा, बड़नगर एवं ताजपुर	12	102.14
2022_DHS_200177	देवास	सोनकच्छ एवं देवास	03	131.63
2022_DHS_200178	आगर मालवा	नलखेड़ा	06	263.25
2022_DHS_200181	आगर मालवा	नलखेड़ा एवं सुसनेर	06	263.25
2022_DHS_200182	आगर मालवा	कानड	05	219.40
2022_DHS_200184	आगर मालवा	कानड	05	219.40
2022_DHS_200185	उज्जैन	भटपचलाना	04	175.51
2022_DHS_200186	उज्जैन	भटपचलाना एवं झारड़ा	04	175.51
2022_DHS_200189	उज्जैन	महिदपुर, खाचरौंद, उज्जैन एवं घटिया	04	278.45
2022_DHS_200192	रतलाम	खारवाकला (आलोट)	07	307.16
2022_DHS_200193	उज्जैन	ताजपुर	05	219.40

उक्त निविदा प्रपत्र **दिनांक 02.05.2022 से दिनांक 17.05.2022 समय 17.30 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-उज्जैन

जी-12409/47005/2022

कार्यालय मुख्य अभियंता (राजधानी परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल :- cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 07/सा./01/विविध/रा.प./2019 (वर्ष 2022) **भोपाल, दिनांक : 02.05.2022**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2022_PWDRB_200833_1	भोपाल (संधारण स.क्र.-2 भोपाल)	एन.डी.बी.	डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर मार्ग (कोलार मार्ग) सुधार एवं उन्नयन/निर्माण कार्य। लंबाई 15.10 कि.मी.।	प्रथम	22250.92	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
2.	2022_PWDRB_200835_1	भोपाल (संधारण स.क्र.-2 भोपाल)	प्लान	वैरागढ़ कला मार्ग का निर्माण कार्य। लंबाई-6.60 कि.मी.।	प्रथम	698.33	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
3.	2022_PWDRB_200836_1	भोपाल (संधारण स.क्र.-2 भोपाल)	प्लान	लाम्बाखेड़ा से पिपलिया बाज खों मार्ग का निर्माण कार्य। लंबाई-4.95 कि.मी.।	प्रथम	568.49	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
4.	2022_PWDRB_200838_1	भोपाल (संधारण स.क्र.-2 भोपाल)	प्लान	सूखीसेवनिया से अगरिया मार्ग का (श्री अटल विहारी हिन्दी यूनिवर्सिटी) भोपाल निर्माण कार्य। लंबाई- 4.00 किमी.	प्रथम	649.64	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
5.	2022_PWDRB_200840_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	आमोन (एस.एच.) मार्ग से खैरी सिलगना मार्ग निर्माण कार्य लं. 4.50 कि.मी.	प्रथम	807.66	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
6.	2022_PWDRB_200843_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	खैरी सिलंगाना नहर से कोसमी मार्ग का निर्माण कार्य लं. 4.50 कि.मी.।	प्रथम	726.31	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
7.	2022_PWDRB_200844_1	सीहोर (संभाग बुधनी)	प्लान	राला से तिलाड़िया मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लं. 9.20 कि.मी.।	प्रथम	1425.85	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
8.	2022_PWDRB_200846_1	नर्मदापुरम	प्लान	गाड़रिया-कुसूमकुई-गुराड़िया-भैंसदेह मार्ग निर्माण कार्य। लं. 13.60 कि.मी.।	प्रथम	1477.35	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
9.	2022_PWDRB_200847_1	हरदा	प्लान	छोटी छिपानेर से बजरंग चिचोटकुटी से नर्मदा पुल तक मार्ग निर्माण कार्य। लं. 3.60 कि.मी.।	प्रथम	676.35	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
10.	2022_PWDRB_200849_1	हरदा	प्लान	हरदा हंडिया राष्ट्रीय राजमार्ग से शिशु मंदिर हरदा खुर्द पिंढगांव बोरवाला बाबा बेड़ टप्पर भुन्नास मार्ग निर्माण कार्य। लं. 10.00 कि.मी.।	प्रथम	1032.99	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
11.	2022_PWDRB_200906_1	हरदा	प्लान	बरेगा चौकड़ी से काकरिया मार्ग का निर्माण कार्य। लं. 4.70 कि.मी.।	प्रथम	534.26	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।

योग **30848.15**

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 18.05.2022 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता (राज.परि.)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल

जी-12408/47004/2022

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र-इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 03/16/2021, दिनांक 07.05.2022

राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2021
EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) हेतु अधिकतम आयु सीमा में वृद्धि एवं ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की सूचना)

ऑनलाइन आवेदन अवधि दिनांक : 09.05.2022 से 13.05.2022 (रात्रि 12.00 बजे)

01 आयोग द्वारा मध्यप्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के सहायक यंत्रियों के पदों की पूर्ति हेतु "**राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2021**" का विज्ञापन क्रमांक 16/2021, दिनांक 30.12.2021 आयोग की वेबसाइट **https://mppsc.mp.gov.in** पर जारी किया गया है।

02 उक्त परीक्षा के संदर्भ में प्रस्तुत याचिका क्रमांक 8609/2022 में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम आदेश दिनांक 02.05.2022 के अनुपालन में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पि.वर्ग के समान आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को अधिकतम आयु-सीमा में छूट देय होंगी किन्तु किसी भी स्थिति में अधिकतम आयु सीमा गणना तिथि 01.01.2022 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अर्थात जिन अभ्यर्थियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।

03 उपरोक्तानुसार छूट का लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों कि अभ्यर्थिता याचिका क्रमांक 8609/2022 के अंतिम न्यायालयीन निर्णय के अध्यधीन रहेगी।

04 चूंकि राज्य अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा 2021 के अंतर्गत विज्ञापित पदों हेतु दिनांक 22.05.2022 को परीक्षा ऑफलाइन पद्धति से आयोजित की जानी है। अतः आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के केवल उन अभ्यर्थियों हेतु जो 40 वर्ष या अधिक आयु होने से उक्त परीक्षा में शामिल होने हेतु पूर्व में ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सके थे, ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा दिनांक 09.05.2022 से 13.05.2022 (रात्रि 12.00 बजे) तक पुनः प्रारंभ की जा रही है। ऑनलाइन आवेदन पत्रों में त्रुटि सुधार भी केवल उक्त अवधि में ही किया जा सकेगा। उक्त अवधि में केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वे अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे जिनकी आयु 40 वर्ष या उससे अधिक हो किन्तु 45 वर्ष की आयु पूर्ण न की हो। परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र दिनांक 17.05.2022 से **www.mponline.gov.in** तथा **https://mppsc.mp.gov.in** पर डाउनलोड हेतु उपलब्ध रहेंगे।

05 विज्ञापन की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

आर-47014/2022 **सचिव**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र.1 सागर

फोन नं. 07582-222296, ईमेल आई.डी. - eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं. - 02/2021-22/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक : 04.05.2022**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईमएडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
1.	2022_PWDRB_201307_1	संजय ड्राईव मशानझिरी मार्ग का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित लं. 1.90 कि.मी.।	सागर	33200000	332000	15000	10 माह	-
2.	2022_PWDRB_201308_1	पथरिया बामप से सेमरा गुरू मार्ग का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित लं. 4.80 कि.मी.।	सागर	40620000	406200	15000	10 माह	-
3.	2022_PWDRB_201309_1	बलउ नागधा करई मार्ग का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित लं. 5.10 कि.मी.।	सागर	48024000	480240	15000	10 माह	-
4.	2022_PWDRB_201310_1	बरधा रामपुर से सिरोजपु मार्ग का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित लं. 3.00 कि.मी.।	सागर	26855000	268550	15000	10 माह	-
5.	2022_PWDRB_201311_1	कजिया परासरी तिगड्डा से करोदा मार्ग का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित लं. 3.00 कि.मी.।	सागर	26175000	261750	15000	10 माह	-
				174874000				

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in**/पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 04.05.2022 समय 10.00 से **दिनांक 20.05.2022** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र. 1 सागर

जी-12439/47006/2022

संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जुलाई माह से मिलना शुरू होगी छात्रवृत्ति

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रिपरिषद की बैठक में कहा है कि संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहनस्वरूप छात्रवृत्ति की व्यवस्था की जा रही है। यह सुनिश्चित किया जाए कि विद्यार्थियों को जुलाई माह से छात्रवृत्ति मिलना आरंभ हो जाए। छात्रवृत्ति का संचालन पोर्टल से होगा।

मुख्यमंत्री ने अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद का त्योहार प्रदेश में शांतिपूर्ण तरीके से सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में पूर्ण उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न होने पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अक्षय तृतीया के पावन पर्व और परशुराम जयंती पर संस्कृत भाषा का अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों और पुजारियों के कल्याण के संबंध में लिए गए निर्णय की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत शिक्षकों के सभी पद भरे जाएंगे। अब तक 1900 पद भर लिए गए हैं, शेष पर भर्ती जारी है। जब तक शिक्षकों की भर्ती नहीं होती तब तक अतिथि शिक्षक की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत शिक्षकों के पदों पर भर्ती से, युवा संस्कृत भाषा के प्रति आकर्षित होंगे और संस्कृत शिक्षण को कॅरियर के रूप में अपनाने के लिए भी प्रेरित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने परशुराम चरित्र और गीता सार को शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए पाठ्यक्रम समिति की बैठक करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सामान्य वर्ग के गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे लोगों को शासन की संबल सहित सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंदिर के पुजारियों को उपलब्ध कराए जाने वाले मानदेय के संबंध में भी जानकारी दी।

आवंटन अनुसार खरीफ फसलों के लिये समय पर उपलब्ध हो खाद

भोपाल, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने उर्वरक सब्सिडी राशि बढ़ाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और केंद्रीय उर्वरक मंत्री श्री मनसुख भाई मांडविया का आभार व्यक्त किया है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में राज्यों के कृषि मंत्रियों की बैठक में कृषि मंत्री श्री पटेल ने वर्चुअली सम्मिलित होते हुए मध्यप्रदेश को खरीफ-2022 के लिये आवंटन अनुसार खाद उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

श्री पटेल ने केंद्र सरकार का किसानों के हित में उर्वरक सब्सिडी को एक लाख 62 हजार करोड़ से बढ़ाकर 2 लाख 39 हजार करोड़ रुपये करने पर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के हित में ऐतिहासिक फैसला लेते हुए 77 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी का लाभ दिया है।

श्री पटेल ने बैठक में आश्वस्त किया कि खरीफ फसलों के लिये दिये गये माहवार आवंटन अनुसार 32 लाख मीट्रिक टन उर्वरक समय पर उपलब्ध होने पर किसानों को कोई परेशानी नहीं आने देंगे। उन्होंने अप्रैल माह के आवंटन अनुसार शेष एक लाख 13 हजार मीट्रिक टन उर्वरक भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। श्री पटेल ने बताया कि प्रदेश में 65 लाख हेक्टेयर में सोयाबीन और 18 लाख हेक्टेयर में उड़द की बुवाई को देखते हुए डीएपी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एनपीके का लक्ष्य एक लाख से बढ़ाकर ढाई लाख मीट्रिक टन का रखा गया है।

कृषि मंत्री श्री पटेल ने बैठक में बताया कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक खेती में देश में पहले पायदान पर है। वर्तमान में देश में 38 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती हो रही है। मध्यप्रदेश में प्राकृतिक खेती का रकबा 17.31 लाख हेक्टेयर है। इस वर्ष इसे एक लाख हेक्टेयर और बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड का भी गठन कर दिया है।

श्री पटेल ने बताया कि खाद की कालाबाजारी करने वालों से कोई रियायत नहीं बरती जाती है। किसानों से धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाती है। अब तक प्रदेश में 22 उर्वरक व्यापारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है।

नर्मदा के संरक्षण-संवर्धन में सरकार के साथ समाज भी आगे आये

नर्मदा के दोनों तट और कैचमेंट एरिया में लगाएं अधिक से अधिक पेड़ – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सीहोर जिले में नर्मदा सेवा मिशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

सीहोर, नर्मदा अविरल कल-कल छल-छल बहती रहे, इसके लिए जरूरी है कि नर्मदा के दोनों तट और कैचमेंट एरिया में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएं। साथ ही नर्मदा तट के किसान अपने खेतों में फलदार पेड़ लगाएं। नर्मदा के पावन जल को दूषित होने से रोकने के लिए मल एवं गंदगी को नर्मदा में जाने से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि नर्मदा के कैचमेंट एरिया में जहां भी यूकेलिप्टस के पेड़ लगे होंगे, हमें उन्हें हटाना होगा। यूकेलिप्टस पानी को अवशोषित कर धरती को बंजर बना देता है। साल के पेड़ अधिक से अधिक लगाए जाएंगे, क्योंकि ये अपनी जड़ों से पानी छोड़ते हैं, जो छोटी-छोटी धाराओं के रूप में नर्मदा में मिलता है और नर्मदा की धार को अविरल बनाता है। नर्मदा का संरक्षण और संवर्धन अकेले सरकार नहीं कर सकती है, इसके लिए समाज को मिलकर काम करना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री ईश्वरानंद उत्तम स्वामी महाराज के नेतृत्व में नर्मदा परिक्रमा यात्रा के समापन पर सीहोर जिले के नर्मदा आंवलीघाट में नर्मदा सेवा मिशन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी हरियाली अमावस्या पर पेड़ लगाने का अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान से पूरे समाज को जोड़ कर एक माह तक अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जन अभियान परिषद पेड़ लगाने के स्थान और पेड़ की प्रजातियां निर्धारित करेंगे। श्री चौहान ने उपस्थित जन को पर्यावरण-संरक्षण के लिये अधिक से अधिक पेड़ लगाने और नर्मदा में गंदगी नहीं डालने का संकल्प भी दिलाया।

नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में अब निर्माण की अनुमति नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक के मैकल पर्वत पर किसी प्रकार के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। अमरकंटक आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्वत के नीचे होटल, रेस्टोरेंट आदि के लिए अनुमति रहेगी। श्री चौहान ने किसानों से अपील की कि वे नरवाई न जलायें। नरवाई जलाने से धरती की उर्वरता नष्ट होती है।

श्री चौहान ने कहा कि कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती अपनाये, शुरुआती दौर में वे कम भूमि पर प्राकृतिक खेती करें। श्री चौहान ने किसानों को गाय पालन के लिये प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें प्राकृतिक खेती में बड़ी मदद मिलेगी और सरकार की ओर से हर माह 900 रुपये गाय पालन के लिये दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत सरोवर योजना में नर्मदा के दोनों ओर अधिक से अधिक तालाब बनाने होंगे। इससे भू-जल स्तर बढ़ेगा। श्री चौहान ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा से लोगों में जागरूकता आएगी, जो नर्मदा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यक्रम में सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा जन-जागरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे लोगों को मां नर्मदा के प्रति आस्था एवं उसके संरक्षण तथा संवर्धन की प्रेरणा मिलेगी।

नर्मदा परिक्रमा यात्रा के प्रमुख महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री ईश्वरानंद उत्तम स्वामी ने कहा कि 165 दिन की यात्रा का अनुभव बहुत अद्भुत रहा है। इसे कम समय में व्यक्त करना संभव नहीं है। नर्मदा परिक्रमा से समाज में चेतना का संचार हुआ है, जो यात्रा के दौरान ही दिखाई दे रहा था।

मध्यप्रदेश में स्टार्टअप के लिये इंदौर में होगी हब की स्थापना

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति तथा योजना क्रियान्वयन के संबंध में बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में कार्य कर रहे विभिन्न स्टार्टअप को एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए इन्दौर में हब की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में लागू होने वाली स्टार्टअप नीति और स्टार्टअप पोर्टल से प्रदेश में नवाचारों के क्रियान्वयन के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति तथा योजना कार्यान्वयन के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कहीं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, सचिव सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम श्री पी. नरहरि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश की स्टार्टअप नीति और स्टार्टअप पोर्टल का जल्द ही क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा। क्रियान्वयन की शुरुआत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और इन्क्यूबेशन सेंटर के साथ वर्चुअल सहभागिता के आधार पर होगी। स्टार्टअप नीति और पोर्टल के क्रियान्वयन में भारत सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय का सहयोग प्राप्त हो रहा है। साथ ही सीआईआई, फिक्की, पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स, नैस्कॉम तथा टाई आदि राष्ट्रीय स्तर की संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं। निकट भविष्य में स्टार्टअप के लिए फंडिंग, राष्ट्रीय स्तर पर स्टार्टअप और इन्क्यूबेशन ईको सिस्टम के प्रोत्साहन के लिए जारी गतिविधियां और प्रदेश की स्टार्टअप नीति एवं उसके क्रियान्वयन पर परिचर्चा के सत्र भी होंगे।

पीसी एण्ड पीएनडीटी अधिनियम

बेटा-बेटी एक समान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी

भोपाल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने पीसी एण्ड पीएनडीटी अधिनियम के राज्य सुपरवाइजरी बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुये कहा है कि जन्म के समय बालक-बालिकाओं के लिंगानुपात में बालिकाओं की संख्या कम होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के साथ समाज को भी आगे आना होगा। बेटा-बेटी एक समान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है।

लिंगानुपात सुधारना है जरूरी

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अभी भी कुछ जिले ऐसे हैं जहां जन्म के समय बालक और बालिका के लिंगानुपात में अधिक अंतर है। उन्होंने कहा कि दतिया, सतना, ग्वालियर, रायसेन, सीधी, बुरहानपुर, सीहोर, गुना, देवास, सिंगरौली, पन्ना, हरदा और बड़वानी में लिंगानुपात में अधिक अंतर है। उन्होंने कहा कि इन जिलों में लिंगानुपात में असमानता की खाई को पाटने के लिये प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों के माध्यम से बेटा-बेटी एक समान का संदेश जन-जन तक पहुंचायें। ऐसे जिले, जहां बालिकाओं का लिंगानुपात कम है। इसके लिये स्थानीय प्रतिभाशाली बालिकाओं को ब्राण्ड एम्बेसडर बनाकर उनके माध्यम से जागरूकता बढ़ायें।

डॉ. चौधरी ने कहा कि पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट में पंजीयन में किये गये प्रावधान में सोनोग्राफी जांच केंद्र के पंजीयन से ली जाने वाली राशि का उपयोग बालिकाओं के लिंगानुपात को बढ़ाने में करें। गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाये।

विधायक एवं सदस्य श्रीमती रक्षा संतराम सरोनिया, प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय श्री प्रतीक हजेला, स्वास्थ्य आयुक्त सह सचिव डॉ. सुदाम खाड़े, एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, संचालक स्वास्थ्य श्री रवीन्द्र चौधरी, श्री दिनेश श्रीवास्तव और बैठक में वर्चुअली जुड़े सदस्य डॉ. ज्योति बिंदल, श्री अमूल्य निधि, सुश्री माधवी झावर, डॉ. नीरजा पुराणिक, डॉ. मुकेश बिड़ला, डॉ. आलोक लाहोटी, उप संचालक डॉ. प्रज्ञा तिवारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होगा भगवान परशुराम का योगदान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम की प्रतिमा का लोकार्पण करते हुये।

भोपाल, राज्य सरकार भगवान परशुराम के दुष्टों के विनाश और सज्जनों के उद्धार के संकल्प के अनुसार ही कार्य कर रही है। जब मासूम बेटियों के साथ कोई दुराचार करता है तो भगवान परशुराम जी हमारे प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। भगवान परशुराम का जन्म उस समय हुआ, जब समाज में पाप बढ़ रहे थे। भगवान परशुराम ने आततईयों को नष्ट किया और सज्जनों को प्रतिष्ठापित किया। भगवान परशुराम ने सत्य और धर्म की स्थापना की। उन्होंने दुष्टों का अंत और मानवता की रक्षा का महायज्ञ आरंभ किया। भगवान परशुराम ने ही श्रीराम को विष्णु धनुष, भगवान कृष्ण को सुदर्शन चक्र और गीता का सूत्र वाक्य दिया। स्कूली पाठ्यक्रम में भगवान परशुराम के जीवन और विचारों पर एक अध्याय शामिल किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने परम पूज्य जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज की गौरवमयी उपस्थिति में अक्षय तृतीया पर लालघाटी स्थित गुफा मंदिर में अक्षयोत्सव भगवान श्री परशुराम प्रतिमा प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

आचार्य महामण्डलेश्वर जूनापीठाधीश्वर अवधेशानन्द गिरि जी महाराज, मुख्यमंत्री श्री चौहान तथा गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में 21 फीट ऊंची और चार टन वजनी भगवान परशुराम जी की प्रतिमा तथा नाम पट्टिका का अनावरण स्वस्तिवाचन, पुष्प वर्षा और आतिशबाजी के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शासन के लिए कोई पराया नहीं है। शासन सबके हित के लिए ही होता है। सभी वर्गों के कल्याण में राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। संबल योजना सहित अन्य योजनाओं में सभी वर्गों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संस्कृत शिक्षकों की भर्ती शुरू की गई है। अब तक 1900 पद भर लिए गए हैं, यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। जब तक सभी पद भर नहीं जाते तब तक अतिरिक्त शिक्षकों को रखा जाएगा। ऐसे मंदिर जिनके साथ जमीनें संबद्ध नहीं हैं उन मंदिरों के पुजारियों को 5 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। जिन मंदिरों के साथ भूमि संबद्ध है उनके पुजारियों के लिए भी मानदेय की व्यवस्था की जाएगी। श्री चौहान ने कहा कि मंदिरों से संबद्ध भूमि की व्यवस्था पुजारियों द्वारा ही की जाएगी। यह आवश्यक है कि देवस्थानों से संबद्ध भूमि की बिक्री न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन द्वारा समिति का गठन किया जाएगा।

आचार्य महामण्डलेश्वर जूनापीठाधीश्वर अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ने कहा कि एक समय बीमारू कहा जाने वाला मध्यप्रदेश आज मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश के सबसे तेज गति से प्रगति करने वाले राज्यों में सम्मिलित है। मध्यप्रदेश ने चौंकाने वाली गति से प्रगति की है। श्री चौहान की संवेदनशीलता से सभी सुपरिचित हैं। वे सबके कल्याण का कार्य करते हैं। उन्होंने प्रदेश की मंगल कामना करते हुए कहा कि सबके साथ चलने में ही सबकी भलाई और उन्नति है।

विश्वविद्यालय विकास के लिए एकजुट होकर करें कार्य - राज्यपाल

भोपाल, विश्वविद्यालय के विकास के लिए पदाधिकारियों और कार्यपरिषद के सदस्यों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। सामूहिक प्रयासों की सफलता हाथ के साथ मन के मिलाप में है। विकास के लिए सबका साथ, विश्वास और प्रयासों का होना जरूरी है। सिकल सेल रोगी अथवा वाहक छात्र-छात्राओं के परिजन की भी जांच कराई जाए। ऐसा करने से इस आनुवांशिक रोग की रोकथाम में गति आएगी। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद सदस्यों की उन्मुखीकरण कार्यशाला को आभासी माध्यम से राजभवन भोपाल से संबोधित करते हुये कहीं। उन्होंने प्रतिभागियों से विश्वविद्यालय की गरिमा, गौरवशाली परंपराओं को सर्वश्रेष्ठ निष्ठावान योगदान से मज़बूत बनाने की अपेक्षा की।

राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान के मंदिर के प्रबंधन में सहभागिता का अवसर समाज-सेवा की ईश्वरीय सौगात है। सामाजिक प्रतिबद्धता, नवाचार एवं राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों की भूमिका सुनिश्चित करना कार्यपरिषद सदस्यों का दायित्व है। जरूरी है कि कार्यपरिषद विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा, संगठनात्मक प्राथमिकताओं, सामाजिक प्रतिबद्धताओं के उच्च मानक निर्धारित करें। उनकी वित्तीय निष्ठा, जवाबदारी, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ पालन सुनिश्चित करें। विश्वविद्यालय का प्रबंधन शैक्षणिक, अनुसंधानात्मक गतिविधियों, विद्यार्थी हित और कर्मचारी-कल्याण के कार्य नियमों और सिद्धांतों के आधार पर करें। समयानुसार चुनौतियों और समस्याओं के समाधान के ईमानदार प्रयासों के लिए आवश्यक संशोधन भी किए जाने चाहिए।

श्री पटेल ने कहा कि इन कार्यों की सफलता के लिए आवश्यक है कि कार्यपरिषद के सदस्य उच्च शिक्षा से संबंधित प्राथमिक सिद्धांतों, नीति, नियमों और समन्वय समिति के दिशा-निर्देशों की भावनाओं को समझ कर सामूहिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। विश्वविद्यालय के प्रकरणों का पर्यवेक्षण, परीक्षण, नियंत्रण और निर्देशन, अधिनियम, परिनियम और विनियमों की सीमाओं में किया जाए। कार्यपरिषद में विचार के लिए आने वाले प्रस्तावों में से यदि किसी प्रस्ताव पर असहमति अथवा मत-भिन्नता है, तो ऐसे मामलों को सक्षम प्राधिकारी/फोरम के समक्ष उठाएं। बिना किसी राग, द्वेष और पूर्वाग्रह के अपनी प्रखर क्षमता और दक्षता के साथ सामूहिक निर्णयों के पालन में योगदान दें। राज्यपाल ने कहा कि कुलपतिगण को विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत जानकारी एवं स्पष्टीकरण की समीक्षा में कार्यपरिषद के सदस्यों की सहायता करनी चाहिए।

प्रदेश में एमडी होम्योपैथी ऑनलाइन काउंसलिंग का अंतिम चरण

भोपाल, आयुष संचालनालय द्वारा एमडी होम्योपैथी ऑनलाइन काउंसलिंग कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। काउंसलिंग, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार एमपी ऑनलाइन के माध्यम से होगी।

होम्योपैथी महाविद्यालय में सीट आवंटन की प्रक्रिया 9 मई को प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगी। चयनित अभ्यर्थी संबंधित महाविद्यालयों में प्रवेश के लिये 9 मई दोपहर 12 से 10 मई शाम 5 बजे तक प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। काउंसलिंग प्रक्रिया में प्रदेश के सरकारी और निजी होम्योपैथी महाविद्यालयों को शामिल किया गया है। अभ्यर्थियों को जानकारी दी गई है कि च्वाइस फिलिंग में एडिट ऑप्शन उपलब्ध नहीं है। अतः अभ्यर्थी सोच-समझकर अपनी च्वाइस लॉक करें। काउंसलिंग के संबंध में अन्य आवश्यक जानकारी विभागीय वेबसाइट www.ayush.mp.gov.in एवं एम.पी. ऑनलाइन के पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

तीन सिंचाई परियोजनाओं को पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

- मंत्रिपरिषद ने ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की 108 फीट ऊंची बहु धातु प्रतिमा और पेडेस्टल कार्य के लिये 148 करोड़ 43 लाख 2 हजार रुपये की स्वीकृति दी।
- मंत्रिपरिषद ने वर्ष 2021-22 में सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण देने की योजना को निरंतर रखने का निर्णय लिया। योजना में वर्ष 2021-22 के लिए गत वर्ष की भांति बेस रेट 10 प्रतिशत रखा गया है और खरीफ 2021 सीजन की ड्यू डेट 15 अप्रैल, 2022 और रबी 2021-22 की ड्यू डेट 15 जून, 2022 रखी गई है।
- गत वर्ष अनुसार निर्धारित बेस रेट 10 प्रतिशत के अधीन खरीफ एवं रबी सीजन में अल्पावधि फसल ऋण लेने वाले सभी किसानों के लिये एक प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान तथा निर्धारित ड्यू डेट तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत (अतिरिक्त) ब्याज अनुदान प्रोत्साहनस्वरूप राज्य शासन द्वारा दिया जायेगा।
- मंत्रिपरिषद ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर में 150 से 250 एम.बी.बी.एस. सीट्स में वृद्धि के लिये स्वीकृत परियोजना अंतर्गत पूर्व में जारी की गई राशि 127 करोड़ 5 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति के स्थान पर राशि 171 करोड़ 39 लाख रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 572 करोड़ 76 लाख रुपये की तीन सिंचाई परियोजनाओं की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इसमें सोनपुर मध्यम सिंचाई परियोजना सिंचाई क्षमता 7 हजार हेक्टेयर सैंच्य क्षेत्र के लिये लागत राशि 181 करोड़ 80 लाख रुपये, भाम (राजगढ़) मध्यम सिंचाई परियोजना सिंचाई क्षमता 7,900 हेक्टेयर रबी के लिये लागत राशि 301 करोड़ 41 लाख रुपये और सूरजपुरा मध्यम सिंचाई परियोजना लागत राशि 89 करोड़ 55 लाख रुपये वार्षिक सिंचाई क्षमता 4205 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

- मंत्रिपरिषद ने तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग द्वारा प्रस्तावित खनन प्रौद्योगिकी संस्थान सिंगरौली के लिये शैक्षणिक पद 33 एवं गैर शिक्षकीय पद 62 इस प्रकार कुल 95 पदों के सृजन एवं अपेक्षित आवर्ती व्यय के वित्तीय प्रावधान की स्वीकृति दी।
- योजना पर प्रतिवर्ष आवर्ती व्यय लगभग 6 करोड़ एवं अनावर्ती व्यय 76 करोड़ 56 लाख रुपये संभावित है।
- प्रदेश में कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण प्रदेश के निम्न आय वर्ग वाले घरेलू उपभोक्ताओं को विद्युत देयकों के भुगतान में आ रही कठिनाई के दृष्टिगत ऐसे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से उनके देयकों की आस्थगित बकाया राशि का निराकरण कर उन्हें नियमित बिल भुगतान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री विद्युत बिलों में राहत योजना-2022' का अनुसमर्थन किया।
- योजना में हितग्राहियों को लाभ देने की कार्यवाही वितरण केंद्रों में निरंतर जारी रहेगी। योजना का लाभ 1 अप्रैल, 2022 के बाद जारी किये जाने वाले देयकों में परिलक्षित होगा। लाभान्वित उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 88 लाख होगी। माफ किये जाने वाले देयकों की राशि लगभग 5334 करोड़ रुपये होगी।
- योजना का लाभ लेने के लिये पात्र उपभोक्ताओं को विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
- देश के कृषकों की ऊर्जा आवश्यकताओं, मुख्य रूप से सिंचाई आवश्यकताओं की प्रतिपूर्ति एवं उनके पास उपलब्ध संसाधनों के उपयोग से उत्पादन कर आय के अवसर उपलब्ध करवाने के लिये नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम) योजना लागू की गयी है।
- प्रदेश में कुसुम-C के घटक फीडर सोलराइजेशन में सभी कृषि फीडर्स को सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत (सोलराइजेशन) किया जायेगा। योजना के क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड को राज्य की नोडल संस्था बनाया गया है।
- योजना में सौर ऊर्जा से ऊर्जीकृत कृषि फीडर्स पर दिन में 8 घंटे तक कृषि आवश्यकताओं की आपूर्ति के लिये विद्युत प्रदाय किया जाएगा। मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा सौर संयंत्र से उत्पादित संपूर्ण विद्युत का क्रय खुली निविदा द्वारा निर्धारित दरों पर 25 वर्षों तक किया जाएगा।
- योजना में 33/11 केवी विशिष्ट कृषि फीडर्स और गैर कृषि फीडर्स संयोजित सबस्टेशन पर संयोजित विशिष्ट कृषि फीडर्स के सोलराइजेशन के लिये प्रथम चरण में 1250 मेगावॉट क्षमता के सौर संयंत्रों की स्थापना के लिये खुली निविदा के माध्यम से विकासकों का चयन किया जाएगा।
- मंत्रिपरिषद ने 827 वन ग्रामों का अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के प्रावधान एवं निर्धारित प्रक्रिया अनुसार राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन करने के निर्णय का अनुसमर्थन किया।
- मंत्रिपरिषद ने प्रदेश की वर्ष 2022-23 की आबकारी नीति की कंडिका 9 तथा कंडिका 23 में संशोधन का निर्णय लिया। कंडिका 9 अनुसार देशी/विदेशी मदिरा के फुटकर लायसेंसी द्वारा उसकी मदिरा दुकान के लिये निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत ड्यूटी राशि के विरुद्ध प्रत्येक त्रैमास में 85 प्रतिशत ड्यूटी राशि की मदिरा का प्रदाय नहीं लिये जाने की स्थिति में देय अवशेष न्यूनतम ड्यूटी राशि की 5 प्रतिशत राशि के बराबर की शास्ति को घटाकर 2.5 प्रतिशत किया गया है।
- कंडिका 23 अनुसार किसी मदिरा दुकान पर अनुज्ञप्तिधारी की आवश्यकता से अधिक मदिरा संग्रहित होने पर उसे उसी जिले के उसी समूह या भिन्न समूह की अन्य मदिरा दुकान में स्थानांतरित किया जाना इस शर्त के साथ अनुमत किया गया है कि जिस पक्ष में मदिरा का स्थानांतरण किया जाएगा, उस पक्ष में उसी किस्म की मदिरा देशी/विदेशी मदिरा गोदाम से उठाने की अनुमति स्थानांतरण करने वाले अनुज्ञप्तिधारी को नहीं होगी।
- यह मदिरा स्थानांतरण प्राप्त करने वाली मदिरा दुकान के लिए आबकारी नीति की कंडिका 9 के अनुसार संबंधित त्रैमास में 85 प्रतिशत ड्यूटी राशि की मदिरा का प्रदाय लिया जाना अनिवार्य होगा और स्थानांतरण से प्राप्त मदिरा स्कंध को इस अनिवार्य प्रदाय के विरुद्ध समायोजित नहीं किया जाएगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास के संकेतक उत्साहजनक

इंदौर, मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास के संकेतक उत्साहजनक दिख रहे हैं। ऑटो-शो का आयोजन इस दिशा में उत्प्रेरक का काम करेगा। हम आगे और बेहतर करेंगे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुरूप अगले वर्ष होने वाले ऑटो-शो को विश्व स्तर का बनाएंगे। ये बातें औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन दत्तीगांव ने इंदौर में तीन दिवसीय एम.पी. ऑटो-शो के समापन समारोह में कहीं। इस अवसर पर औद्योगिक विकास निगम के एमडी श्री जॉन किंग्स ली और सीआईआई के श्री संदीप तथा आयोजन के प्रतिभागी उपस्थित थे।

श्री राजवर्धन ने कहा कि ऑटो-शो का उद्देश्य प्रदेश में उपलब्ध सुविधाओं का एक शोकेस प्रस्तुत करना था। हमारा मज़बूत इको-सिस्टम और प्रभावी नीतियां औद्योगिक वातावरण के लिए एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने बताया कि ऑटो-शो में व्हीकल निर्माण करने वाली लगभग 100 कंपनियों ने भाग लिया। एक हजार से अधिक औद्योगिक प्रतिनिधि और 50 हजार विजिटर्स शामिल हुए। आयोजन में 220 बी-टू-बी मीटिंग की गई। ग्यारह कंपनियों के 15 नए वाहनों की लॉन्चिंग कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई थी।

औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री श्री दत्तीगांव ने प्रतिभागी कंपनियों विशेष तौर पर जॉन डीयर, वॉल्वो, आयशर, टैफे इत्यादि का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यहां हुए पैनल डिस्कशन से भी महत्वपूर्ण फीडबैक मिला है। आयोजन में एमएसएमई सेक्टर और स्टार्टअप को प्रोत्साहन के लिए निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराया गया।

हरियाली अमावस्या पर गौ-संवर्धन बोर्ड द्वारा 11 हजार पौध-रोपण का लक्ष्य

भोपाल, मध्यप्रदेश गौ-पालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड की कार्य परिषद के अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने बताया है कि हरियाली अमावस्या-28 जुलाई, 2022 को प्रदेश की सभी पंजीकृत और क्रियाशील गौ-शालाओं में 11 हजार पौध-रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आगर-मालवा जिले के सालरिया में स्थित कामधेनु गौ-अभयारण्य परिसर में होने वाले वृहद कार्यक्रम में 2100 पौधे रोपे जायेंगे। प्रदेश के गौशाला प्रबंधकों को प्रत्येक परिसर में इस दिन कम से कम 5 पौध-रोपण का निर्देश दिया गया है। यह निर्णय स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि की अध्यक्षता में गौ-पालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड की बैठक में लिया गया।

स्वामी अखिलेश्वरानंद ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा हाल ही में सीहोर जिले के आंवली घाट में हरियाली अमावस्या के दिन प्रदेश के नर्मदा तट एवं सभी जिलों में पौध-रोपण के संकल्प के अनुपालन में बोर्ड द्वारा हरियाली अमावस्या पर पौध-रोपण किया जायेगा। रीवा जिले के बसावन मामा गौवंश वन विहार में 251 और ग्वालियर जिले के रानीघाटी में 501 पौध-रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश में लगभग 1665 क्रियाशील गौ-शालाएं हैं।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग और जिला गौ-पालन एवं पशुधन संवर्धन समिति के अध्यक्षों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। संबंधितों से कहा गया है कि जून माह में पौध-रोपण के लिये गड्ढ़ा खोदने का काम पूरा कर एक-एक किलो वर्मी और मिट्टी से भरें। इनमें पीपल, नीम, बरगद, आंवला, कदम्ब, आम, इमली, महुआ, बिल्व, अर्जुन और औषधीय गुण वाले पौधों का रोपण किया जायेगा।

दतिया के विकास का रथ अब नहीं रुकेगा - मुख्यमंत्री

भारत के नक्शे पर उभरकर आयेगा दतिया – श्रीमती वसुंधरा राजे

दतिया, दतिया में मां पीताम्बरा की भव्य रथ-यात्रा की जो शुरुआत हुई है, यह अब लगातार जारी रहेगी। इसके साथ ही दतिया के विकास का रथ भी निरंतर गतिमान रहेगा। पीताम्बरा माई की कृपा और स्वामी जी महाराज के आशीर्वाद से दतिया का जो स्वरूप निखरा है, उसमें गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का कठोर परिश्रम भी शामिल है। दतिया के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दतिया जिले में मां पीताम्बरा माई के प्राकट्य उत्सव एवं दतिया गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। मां पीताम्बरा ट्रस्ट की अध्यक्षा और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने भी समारोह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा के नेतृत्व में उनकी टीम ने नया इतिहास रचने का काम किया है। आज सम्पूर्ण दतिया नगर माई के पीताम्बरी वर्ण में रंगा हुआ है। चहुंओर नर-नारी पीताम्बरी धोती-कुर्ता, गमछा और साड़ी में नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे हर मां और बेटी में माई के दर्शन हो रहे हैं। चारों दिशाओं से श्रद्धालु दतिया की ओर भक्ति में मग्न होकर चले आ रहे हैं।

श्री चौहान ने कहा कि दतिया में 87 साल बाद माई के प्राकट्य उत्सव पर प्रारंभ की जा रही रथ-यात्रा सदैव चलती रहेगी। दतिया का गौरव निरंतर बढ़ता रहेगा। चहुंओर विकास की बयार बहती रहेगी। दतिया में विमान भी उतरेंगे, लॉ कॉलेज भी खुलेगा, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल भी खुलेगा, कहीं कोई कमी नहीं रहने दी जायेगी। माई के रथ के साथ विकास का रथ भी चलता रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान दतिया में मां पीताम्बरा की भव्य रथ-यात्रा की शुरुआत करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने हर गांव-शहर के विकास के लिये गौरव दिवस मनाने का फैसला किया। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मां पीताम्बरा के प्राकट्य उत्सव को गौरव दिवस के रूप में मनाने का अद्भुत निर्णय लेकर इतिहास रच दिया। गौरव दिवस पर आयोजित रथ-यात्रा अनादि काल तक चलती रहेगी।

नागरिकों को दिलाया विकास में सहभागिता का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी का भी कर्तव्य है कि अपने शहर के विकास के लिये जो भी संभव हो सके, वह करें। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ सबके सहयोग और योगदान से शहर को गौरव प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दतिया गौरव दिवस पर सभी को शहर का मान बढ़ाने में अपना योगदान देने का संकल्प दिलाया।

श्री चौहान, पीताम्बरा पीठ ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती वसुंधरा राजे, गृह मंत्री डॉ. मिश्रा और अन्य अतिथियों ने पीताम्बरा माई के प्राकट्य उत्सव और दतिया गौरव दिवस पर रथ-यात्रा का शुभारंभ किया। रथ-यात्रा मंदिर से शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। माई ने नगर भ्रमण कर भक्तों को आशीर्वाद दिया।

रथ-यात्रा में शामिल होने के लिये लोग आयेंगे दतिया

मां पीताम्बरा ट्रस्ट की अध्यक्ष और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मां पीताम्बरा की कृपा और गुरुजी के आशीर्वाद से दतिया भारत के नक्शे पर उभरकर आयेगा। आने वाले वर्षों में माई की रथ-यात्रा में शामिल होने के लिये देश-दुनिया के लोग दतिया आयेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार दतिया के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही है। पिछले वर्षों में अकल्पनीय विकास के कार्य हुए हैं, जो जारी हैं। उन्होंने दतिया के स्वच्छ और सुंदर शहर होने पर भी प्रशंसा की।

श्री रविन्द्र कोरिसेट्टार और डॉ. नारायण व्यास को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान

भारतीय संस्कृति का आधार हैं पुरातत्वविद – सुश्री उषा ठाकुर

भोपाल, पुरातत्वविद ही भारतीय संस्कृति का आधार है। निष्ठा और परिश्रम से किया गया पुरातत्वविदों का अनुसंधान भावी पीढ़ी को स्वर्णिम प्राचीन इतिहास से परिचय कराएगा। यह बात संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने भोपाल स्थित राज्य संग्रहालय सभागार में डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। सुश्री ठाकुर ने प्रोफेसर रविन्द्र कोरिसेट्टार (वर्ष 2010-19 के लिये) और डॉ. नारायण व्यास को (वर्ष 2019-20 के लिए) शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और दो लाख रुपये की सम्मान राशि से सम्मानित किया।

संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर भोपाल में प्रोफेसर रविन्द्र कोरिसेट्टार और डॉ. नारायण व्यास को सम्मानित करती हुईं।

सुश्री ठाकुर ने कहा कि डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर न होते तो भीमबेटका की खोज न होती और कालजयी विश्वगुरु भारतीय संस्कृति को वैज्ञानिक कसौटी पर परखा न जा सकता। उन्हीं के सम्मान में शुरू किया गया यह पुरस्कार आगे भी भारतीय संस्कृति और इतिहास में अनुसंधान करने वाले पुरातत्वविदों को दिया जाता रहेगा। प्रमुख सचिव संस्कृति और पर्यटन श्री शिव शेखर शुक्ला के साथ संस्कृति और पुरातत्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान पुरा सम्पदा के संरक्षण एवं पुरातात्विक संस्कृति के क्षेत्र में रचनात्मक, सृजनात्मकता एवं विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले सक्रिय भारतीय नागरिक और संस्था को दिया जाता है।

प्रोफेसर रविन्द्र कोरिसेट्टार

प्रोफेसर रविन्द्र कोरिसेट्टार का जन्म 8 जुलाई 1952 को होसपेट (कर्नाटक) में हुआ। उन्होंने प्रो. एच.डी. सांकलिया के सान्निध्य में पुरातत्व के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने पुरातत्व में प्रागैतिहास को अपना विषय चुना एवं भारतीय प्रागैतिहास को विश्व में महत्वपूर्ण स्थान दिलाने में अहम योगदान दिया। आप विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं एवं शोध पत्रिकाओं से सक्रिय रूप से जुड़े रहे एवं इन्हीं में से कुछ शोध पत्रिकाओं का संपादन भी आपके द्वारा किया गया। सेवानिवृत्त डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर सीनियर फेलो (2015 - 17), उच्च शिक्षा अनुदान आयोग के इमेरिट्स फेलो (2017-19) और भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के सीनियर विधा विषयक फेलो (2019-21) के रूप में अनेक शोध कार्य किए हैं।

डॉ. नारायण व्यास

डॉ. नारायण व्यास का जन्म 05 जनवरी 1949 को उज्जैन में हुआ। गुरुवर पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के पदचिन्हों पर चलते हुये उन्होंने भारतीय शैल चित्रकला को विश्व पटल पर विशेष स्थान दिलाने में अहम् योगदान दिया। वर्ष 2009 में सेवानिवृत्त उपरांत पुरातत्व में विशेषकर शैल चित्रकला के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिये भोपाल के विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्रों एवं शोधार्थियों के लिये सतत प्रेरणास्रोत बने हुये हैं। 100 से अधिक शोध पत्र भी प्रकाशित हो चुके हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खंडवा, धार, खरगौन,
बुरहानपुर, झाबुआ, बड़वानी
तथा अलीराजपुर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

संपर्क करें
9424442725

प्रमुख आकर्षण

- कैरियर की खबरें
- सम-सामायिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

राजीव कुमार

नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने पद से इस्तीफा दे दिया है। सरकार ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री राजीव कुमार ने अगस्त 2017 में नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने अरविंद पानगड़िया की जगह ली थी। राजीव कुमार ने कृषि, विनिवेश और इलेक्ट्रिक वाहनों पर फोकस करते हुए आयोग की नीतियों में अहम भूमिका निभाई है।

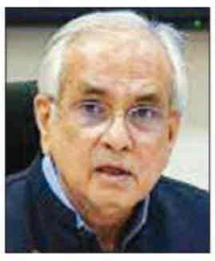

नासा ने

मंगल ग्रह की अद्भुत तस्वीर खींची

नासा के पार्वरेंस मार्स रोवर ने मास्टकैम जेड कैमरे से मंगल ग्रह के फोबोस (चंद्रमा) की अद्भुत तस्वीर खींची है, जो कि सूर्य के सामने से गुजर रहा है। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो सूर्यग्रहण है। यह स्थिति मात्र 48 सेकेण्ड के लिए बनी। मास्टकैम टीम के सदस्य राहेल हावसन ने कहा कि इतना अद्भुत नजारा देखना अविस्मरणीय रहा। दरअसल मंगल के दो चंद्रमा हैं, यह पृथ्वी के चंद्रमा से करीब 157 गुना छोटे हैं और आलू के आकार जैसे हैं। एक का नाम फोबोस दूसरे का डीमोस है।

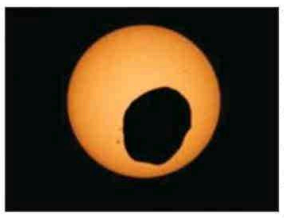

रोबोटिक चूहा

चीन के वैज्ञानिकों ने बनाया

चीन के वैज्ञानिकों ने ऐसा रोबोटिक चूहा बनाया है जो असली चूहे की तरह खड़ा हो सकता है, चल सकता है और मुड़ भी सकता है। इसे खोज और प्राकृतिक आपदा या युद्ध क्षेत्र में बचाव मिशन में इस्तेमाल किया जा सकता है। बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों द्वारा बनाया गया यह चूहा अपने वजन का 91 फीसदी वजन लेकर चल सकता है।

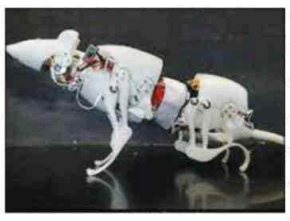

पावेल सिसिंस्की

वीडियो गेम खेलकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

पोलैंड के एक युवक पावेल सिसिंस्की ने वीडियो गेम, फुटबॉल मैनेजर सॉकर खेलकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। पावेल इस वीडियो गेम के 416वें सीजन तक पहुंच गए हैं। इस स्टेज तक पहुंचने में 134 दिन लगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड जर्मन खिलाड़ी सेप हेडेल के नाम था। हेडेल ने इस गेम के 333 सीजन पूरे किए थे। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स ने इस रिकॉर्ड की पुष्टि की है।

ब्रिटेन

15 पेज की किताब 9.5 करोड़ में बिकी

ब्रिटेन की उपन्यासकार शालोट्टे ब्रोंट की 1829 में लिखी 15 पेज की 'ए बुक ऑफ राइम्स' की हस्तलिखित प्रति 9.50 करोड़ रुपये में

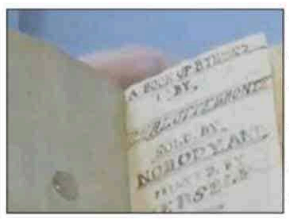

बिकी है। न्यूयॉर्क एंटीक्वेरियन बुक फेयर में ब्रिटेन की चैरिटी संस्था फ्रेंड्स ऑफ नेशनल लाइब्रेरी ने खरीदा। ब्रोंट ने 13 साल की उम्र में इसे लिखा था।

शांति सेठी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति की सलाहकार नियुक्त

अमेरिका की भारतीय मूल की पूर्व नौसैन्य अधिकारी शांति सेठी को उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का कार्यकारी सचिव और रक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है। उपराष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार हेरबेई जिस्केंडी ने शांति की नियुक्ति की पुष्टि की है। वह एक प्रमुख अमेरिकी नौसेना लड़ाकू पोत की पहली भारतीय अमेरिकी कमांडर रह चुकी हैं। सेठी ने दिसम्बर 2010 से मई 2012 तक गाइडेड मिसाइल विध्वंसक यूएसएस डीकैचर की कमान संभाली थी।

अब्रा के. बुश

इंडियाना यूनिवर्सिटी की पहली महिला डीन बनीं

अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी को पहली महिला डीन मिल गयी है। जॉन हॉपकिंस पीबॉडी इंस्टीट्यूट की इंस्टीट्यूट स्टडीज की एसोसिएट डीन अब्रा के. बुश को इंडियाना यूनिवर्सिटी के जैकब स्कूल ऑफ म्यूजिक की डीन बनाया गया है। यूनिवर्सिटी के एग्जीक्यूटिव चांसलर राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि बुश अपने नेतृत्व में परफॉर्मिंग आर्ट्स एजुकेशन को आगे बढ़ाएंगी। अब्रा ने ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी से म्यूजिक में पीएच.डी. की है।

एनआरओएल-85 उपग्रह

अमेरिकी खुफिया उपग्रह का कैलिफोर्निया से प्रक्षेपण

अमेरिका के राष्ट्रीय टोही कार्यालय (एनआरओ) के लिए विशेष उपग्रह एनआरओएल-85 उपग्रह को दो चरणीय स्पेसएक्स फॉल्कन 9 रॉकेट के जरिए वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से रवाना किया गया। वैंडेनबर्ग ने बताया स्पेसएक्स रॉकेट बूस्टर का पुनः उपयोग करने का एनआरओ का पहला मिशन है। वायुसेना ने तीन प्रक्षेपण के लिए स्पेसएक्स को 29.7 करोड़ डॉलर दिए। एनआरओ अमेरिकी उपग्रहों के विकास, निर्माण, प्रक्षेपण और रख-रखाव के लिए प्रभारी एजेंसी है।

ट्यूलिप गार्डन

गर्मी बढ़ने से हुआ बंद

श्रीनगर में कम बारिश और अधिक तापमान के चलते एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन को बंद कर दिया गया। इस सीजन में तकरीबन साढ़े तीन लाख पर्यटक आए थे। गार्डन के प्रभारी के अनुसार डल झील के सामने के इस उद्यान को 26 दिन पहले जनता के लिये खोला गया था। विपरीत मौसम के कारण इस बार इस गार्डन को जल्द बंद करना पड़ा। इस साल गार्डन में 68 किस्मों के फूल दिखाई दिए थे।

विवेक लाल

एंटरप्रेन्योर लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित

जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉर्पोरेशन के भारतीय-अमेरिकी सीईओ विवेक लाल को रक्षा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) द्वारा प्रतिष्ठित 'एंटरप्रेन्योर लीडरशिप अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। आईएसीसी की

स्थापना 1968 में की गई थी। यह भारत-अमेरिका के आर्थिक संबंधों को गति देने के लिए गठित एक शीर्ष द्विपक्षीय प्रकोष्ठ है। 53 वर्षीय लाल को रक्षा एवं उड्डयन क्षेत्र में वैश्विक नेता श्रेणी के अवॉर्ड के लिए चुना गया।

एल.वी. वैद्यनाथन

पीएंडजी इंडिया के सीईओ होंगे

अमेरिकी कंपनी प्रॉक्टर एंड गैम्बल ने एल.वी. वैद्यनाथन को भारतीय ऑपरेशन्स का सीईओ घोषित किया है। वह 1 जुलाई को मधुसूदन गोपालन की जगह लेंगे। 49 वर्षीय वैद्यनाथन 1995 में कंपनी में बतौर इंटर्न शामिल हुए थे। फिलहाल वे इंडोनेशिया में कंपनी के प्रेसीडेंट डायरेक्टर हैं।

जूलियन असांज

ब्रिटेन की कोर्ट ने प्रत्यर्पण की मंजूरी दी

विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज को अमेरिका में प्रत्यर्पित किया जाएगा। ब्रिटेन की कोर्ट ने असांज को सीक्रेट फाइल्स छिपाने का दोषी पाया है। अदालत ने कहा कि असांज को प्रत्यर्पित किया जाए। फैसले के खिलाफ अपील के लिए असांज के पास 18 मई तक का समय है।

अजय सूद

मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त

प्रोफेसर अजय कुमार सूद को भारत सरकार का मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार बनाया गया है। उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए हुई है। वे के. विजयराघवन का स्थान लेंगे। सूद फिलहाल प्रधानमंत्री की साइंस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य हैं।

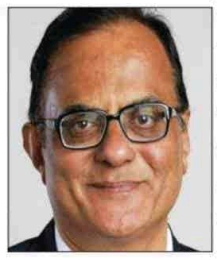

पॉल एलिस

दोनों पैर गंवा चुके पर्वतारोही ने 4,413 फीट ऊंचा पहाड़ चढ़ा

इंग्लैंड के 57 वर्षीय पॉल एलिस ने दुनिया के सामने ऐसी मिसाल पेश की है, जो सभी के लिए प्रेरणा है। दोनों पैर गंवाने के बावजूद एलिस ने यूके की सबसे ऊंची पर्वत चोटी की चढ़ाई रेंगकर पूरी की है। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर बेन नेविस नामक पर्वत चोटी की चढ़ाई सिर्फ 12 घंटे में पूरी की है। यूके की सबसे ऊंची पर्वत चोटी में शुमार बेन नेविस की ऊंचाई 4 हजार 413 फीट है।

सुमन बेरी

नीति आयोग के उपाध्यक्ष नियुक्त

सुमन बेरी को नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद पर केंद्र सरकार ने नियुक्त कर दिया है। उन्हें नीति आयोग के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार के इस्तीफे के बाद चयनित किया गया है। 2014 में पहली बार मोदी सरकार ने तत्कालीन योजना आयोग का नाम बदलकर नीति आयोग कर दिया था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

प्रथम लता मंगेशकर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई में मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा घोषित पहला लता मंगेशकर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री ने यह पुरस्कार

देशवासियों को समर्पित किया है। यह पुरस्कार सुरसाम्राज्ञी लता मंगेशकर और उनके पिता की याद में उस शख्सियत को दिया जाता है जिसने समाज के लिए अनुकरणीय योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने महान गायिका के साथ अपने जुड़ाव को याद किया और संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान की प्रशंसा भी की और कहा 'लता जी ने जो देशभक्ति की भावना भरी हुई थी, वह उनके पिता ने उनमें जागृत' की थी। दीनानाथ जी ने स्वतंत्रता संग्राम के द्वारा शिमला में वीर सावरकर द्वारा लिखित एक देशभक्ति गीत गाया था।

एवर फारवर्ड

महीने भर फंसे रहने के बाद 1096 फीट लंबा कंटेनरशिप बाहर निकला

अमेरिका की मेरीलैंड काउंटी के शहर बाल्टीमोर से 20 मील दूर उथले समुद्र में लगभग महीनेभर से फंसा एवर फारवर्ड नाम का 1096 फीट लंबा विशाल कंटेनरशिप आखिरकार निकाल लिया गया है। एवरग्रीन नाम की कंपनी का 2020 में बना यह जहाज 1,27,076 टन वजनी है। अमेरिकी कोस्ट गार्ड और मेरीलैंड डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरमेंट के साथ ही एवरग्रीन के कर्मचारियों ने भी जहाज को निकालने में काफी मशक्कत की। इसमें लगभग 5,000 कंटेनर लादे गये थे।

स्मृति शेष

बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर समिउर रहमान का निधन

बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज समिउर रहमान का 68 साल की उम्र में ढाका में निधन हो गया। समिउर 1982 और 1986 में आईसीसी ट्रॉफी में शामिल होने के अलावा 1986 में बांग्लादेश के पहले दो वन-डे मैचों का भी हिस्सा थे। अपने खेल कॅरियर में उन्होंने अंपायर और मैच रेफरी के तौर पर भी कार्य किया था।

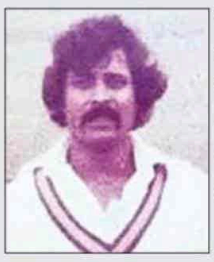

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर टी. रामाराव का निधन

अस्सी के दशक के दिग्गज फिल्म डायरेक्टर टी. रामाराव का 84 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे। आखिरी रास्ता, घर संसार जैसी हिट फिल्मों के निर्माता रामाराव ने रजनीकांत और अमिताभ बच्चन अभिनीत कई सफल फिल्मों का निर्देशन भी किया था।

दुनिया की सबसे उम्रदराज महिला तनाका केन का निधन

दुनिया की सबसे उम्रदराज व्यक्ति के रूप में प्रमाणित 119 वर्षीय जापानी महिला केन तनाका का निधन हो गया है। चॉकलेट और सोडा पेय की शौकीन तनाका ने 120 वर्ष की उम्र तक जीवित रहने की उम्मीद जतायी थी। उनका जन्म दो जनवरी 1903 में हुआ था। वर्ष 2019 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम सबसे उम्रदराज जीवित व्यक्ति के रूप में प्रमाणित किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कोरोना को मारने के तीन हथियार, हाथ धुलायी, मास्क और वैक्सीन का वार।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011

NOTICE INVITING TENDER No. 176/MTN/2022 (BW)

No./5925/22/D-12/NIT-Maint./2022 Bhopal, Dated : 02.05.2022

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

1. Table No. 1 :- Name of Work – Within 5 Year Maintenance (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Hoshangabad	1	235000.00
2.	Jabalpur	1	4118000.00
3.	Seoni	2	3229000.00
4.	Ujjain	1	5587000.00

2. Table No. 2 :- Name of Work – Post 5 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Chhindwara	2	4230000.00
2.	Hoshangabad	1	5019000.00
3.	Raisen	2	8140000.00
4.	Umaria	1	3058000.00

3. Table No. 3 :- Name of Work – Post 10 Years (BW)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Hoshangabad	1	5904070.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **05.05.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/104632/46998/2022 **(TENDER)**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03, भोपाल-462003
Mobile No. 9425601545 ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/316/पयं/भोपाल-03/तशा/2022
भोपाल, दिनांक : 05.05.02022

निविदा आमंत्रण सूचना

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भैंसदेही जिला बैतूल में इन्ट्रेन्स गेट, गार्ड रूम एवं बाउण्ड्रीवाल, टॉयलेट एवं आंतरिक विद्युतीकरण निर्माण कार्य हेतु निविदा क्र.-02/2022-23 (निविदा क्र. -201481) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 16.05.2022 सायं 5:00 बजे तक** खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/104667/47002/2022 **परियोजना यंत्री**

म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

(म.प्र. शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन)
खण्ड-2, पंचम तल, पर्यावास भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल

विज्ञप्ति

प्राधिकरण मुख्यालय भोपाल हेतु विभिन्न पदों पर प्रतिनियुक्ति एवं सेवानिवृत्ति उपरांत संविदा आधार पर, चयन हेतु अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में आमंत्रित किए जाते हैं।

पूर्णतः भरे हुये आवेदन पत्र जमा करने की **अन्तिम दिनांक 07.06.2022** है। इस सम्बन्ध में विस्तृत विज्ञप्ति एवं आवेदन पत्र के प्रारूप आदि प्राधिकरण वेबसाइट **www.mprrda.org** पर उपलब्ध हैं।

क्र. 6080 दिनांक 04.05.2022

म.प्र. माध्यम/104657/47000/2022 **मुख्य महाप्रबंधक (प्रशासन)**

"मेरी सड़क एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

SICA COLLEGE

AEGIS : SICA EDUCATIONAL TRUST
(Affiliated to DAVV, Indore & Recognized by DHE, Bhopal, Govt. of M.P.)

REQUIREMENTS
(Under College Code 28)
INVITES APPLICATION FOR

PRINCIPAL (As per UGC / DAVV Norms)

QUALIFICATIONS: First Class Post Graduate with Ph.D., preferably with Science & Management background. Worked as a Principal / any senior position in Academic, Administration with experience of at least 15 years.

ASSISTANT / ASSOCIATE PROFESSOR
(As per UGC / DAVV Norms)

In Commerce, Management, Computer Science, Journalism & Mass Communication, Mathematics, Physics, English Literature, Hindi, Political Science, History.
Required for Courses: ✦ **B.Com.** (Plain, Tax, CA, Hons.) ✦ **B.Sc.** (C.S.) ✦ **B.B.A.** ✦ **B.A.** (History, Political Science, English Literature & Computer App.) ✦ **B.A.** (Journalism & Mass Communication)

VIGILANCE

Apply at Email : **sicatrust@gmail.com** within 10 days along with application, CV and self-attested photocopies of all testimonials.

CAMPUS : Near ISKCON Vihar Colony, Nipania Main Road, INDORE **- Managing Trustee**

R-47003/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL, M.P.–462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./6084/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 04.05.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 989 (RCPLWEA-Road)

(Batch-1, Year 2021-22)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of work-RCPLWE (Road)–Batch-I, Year 2021-2022**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	15	1342956000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only Online from the above website from **05.05.2022 from 17:30 hrs.** 2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/104659/47001/2022 **(TENDER)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P. – 462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 177/MTN/2022

No./5922/22/D-12/NIT-Maint./2022 Bhopal, Dated : 02.05.2022

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. Table No. 1 :- Name of Work – REPAIR/ MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	1	980731.00
2.	Agar Malwa	1	15622513.00
3.	Barwani	1	15276352.00
4.	Betul	1	3510217.00
5.	Bhopal	1	1642000.00
6.	Chhindwara	2	17980794.00
7.	Chhatarpur	2	63306606.00
8.	Dhar	2	30392778.00
9.	Dindori	1	22015171.00
10.	Dewas	12	68268834.00
11.	Harda	5	66422987.00
12.	Hoshangabad	4	52036698.00
13.	Indore	1	12411238.00
14.	Jabalpur	1	5138902.00
15.	Khandwa	4	23709696.00
16.	Khargone	1	11324534.00
17.	Morena	1	9123455.00
18.	Narsinghpur	10	98481559.00
19.	Raisen	7	33121001.00
20.	Sagar	3	12654004.00
21.	Shajapur	1	8892500.00
22.	Seoni	4	57274851.00
23.	Sidhi	1	5095559.00
24.	Ujjain	3	20477363.00

2. Table No. 2 :- Name of Work – REPAIR/ MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Ashoknagar	1	4326153.00
2.	Burhanpur	1	11507825.00
3.	Bhopal	1	2996536.00
4.	Balaghat	1	13108604.00
5.	Chhindwara	1	10398864.00
6.	Dewas	4	16808668.00
7.	Harda	2	24838924.00
8.	Khandwa	12	128491899.00
9.	Mandsaur	2	16604429.00
10.	Narsinghpur	2	22149277.00
11.	Rajgarh	1	27821393.00
12.	Ratlam	1	1682500.00
13.	Raisen	2	10484815.00
14.	Shahdol	1	9311637.00
15.	Shajapur	3	30302872.00
16.	Sehore	1	16713395.00
17.	Seoni	2	18748567.00
18.	Ujjain	2	26984957.00

3. Table No. 3 :- Name of Work – REPAIR / MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 15 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Agar Malwa	1	1209819.00
2.	Alirajpur	1	3645508.00
3.	Dewas	1	10460460.00
4.	Dhar	1	18375635.00
5.	Harda	1	7399626.00
6.	Hoshangabad	1	22688335.00
7.	Indore	1	7866408.00
8.	Jabalpur	3	47786240.00
9.	Jhabua	1	2405615.00
10.	Khandwa	3	14938903.00
11.	Mandsaur	2	21153857.00
12.	Neemuch	1	9704271.00
13.	Sagar	1	3188430.00
14.	Sehore	3	20814194.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **06.05.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/104633/46999/2022 **(TENDER)**

मुख्यमंत्री से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने की भेंट

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सीहोर जिले की मां नर्मदा, श्री गणेश तथा राधा स्व-सहायता समूह की महिलाओं और मां साक्षी मछुआ समूह के कार्यकर्ताओं ने भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान को समूह की महिलाओं ने उनके द्वारा संचालित गतिविधियों और विपणन व्यवस्था की जानकारी दी।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन बालाघाट (म.प्र.) - 481001
फोन नं. : 07632-247289, Email : mpphcbalaghat01@gmail.com

प्रेस-विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग बालाघाट अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मलाजखण्ड जिला बालाघाट में मरम्मत/उन्नयन/निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 03/2022-23 दिनांक 06.05.2022 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2022_MPPHC_201697_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 20.05.2022 तक ऑनलाइन खरीद कर समय 18:00 बजे तक ऑनलाइन सब्मिट किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों मे प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/104690/47007/2022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02, मकान नं. सी-31, कुलपति निवास के सामने, गोविन्दपुरी चौराहा, सचिन तेन्दुलकर रोड, सिटी सेंटर, ग्वालियर, पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना-03/2022-23

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र. 2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 03/2022-23 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_201685_1, MPPHC_201687_1, MPPHC_ 201689_1, MPPHC_201690_1, MPPHC_201692_1, MPPHC_ 201694_1, एवं MPPHC_201695_1 हैं। निविदा प्रपत्र **दिनांक 18.05.2022 तक** खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/104695/47008/2022 **परियोजना यंत्री**

MGU MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY
•INSPIRING INTELLECT•

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2007
के अंतर्गत म.प्र. विधान सभा के एक्ट नं. 4 ऑफ 2018 द्वारा स्थापित

फेकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर

प्रवेश सूचना

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	डिप्लोमा इन (एग्रीकल्चर)	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	दसवीं (10वीं) पास 50% अंकों के साथ SC/ST/OBC 45% अंकों के साथ
2.	बी.एस.सी. (एग्रीकल्चर)	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	बारहवीं पास 10+2 बायो समूह/गणित समूह/एग्रीकल्चर
3.	एम.एस.सी. (एग्रीकल्चर)	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	बी.एस.सी. एग्रीकल्चर
4.	पी.एच.डी.	---	एम.एस.सी. एग्रीकल्चर

• न्यूनतम फीस, बेस्ट फेकल्टी एवं सुविधाएँ।

नोट:- SC/ST के पात्र छात्र/छात्राओं को शासन के नियामानुसार फीस की 100 प्रतिशत राशि की प्रतिपूर्ति छात्रवृत्ति से म.प्र. शासन द्वारा एवं OBC वर्ग के पात्र छात्र/छात्राओं को शासन के नियमानुसार फीस की प्रतिवर्ष प्रतिपूर्ति म.प्र. शासन द्वारा

सम्पर्क : सिटी ऑफिस :- मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी.पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

मो. 9111777090, 9111777041, मेल: Info@mguindia.com

Shreeram

R-47009/2022

MGU MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY
•INSPIRING INTELLECT•

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2007
के अंतर्गत म.प्र. विधान सभा के एक्ट नं. 4 ऑफ 2018 द्वारा स्थापित

फेकल्टी ऑफ फार्मेसी

प्रवेश सूचना

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	डिप्लोमा इन फार्मेसी	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12वीं पास (पी.सी.एम./ पी.सी.बी.)
2.	बी. फार्मा	04 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12वीं पास (पी.सी.एम./ पी.सी.बी.)
3.	पी.एच.डी.	-	एम. फार्मा 55%

• उपरोक्त सभी कोर्स के SC/ST/OBC के पात्र छात्र/छात्राओं हेतु म.प्र.शासन द्वारा शिक्षण शुल्क की राशि की आंशिक / पूर्ण पूर्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की जाती है।

न्यूनतम फीस • न्यूनतम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 20 वर्षों से संकल्पित मानसरोवार समूह म.प्र. बेस्ट फेकल्टी

सम्पर्क

सिटी ऑफिस :- मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी.पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

मो: 9111777090, 9111777041, मेल: Info@mguindia.com

Shreeram

R-47010/2022

MGU MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY
•INSPIRING INTELLECT•

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

फेकल्टी ऑफ नर्सिंग

श्री सांई इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइन्सेस
(मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय की संघटक इकाई)
इंडियन नर्सिंग काउंसिल, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त एवं म.प्र. नर्सेस रजि. काउंसिल भोपाल से सम्बद्ध

प्रवेश सूचना

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	जी.एन.एम.	तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास 40% अंको के साथ
2.	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप) 45% पी.सी.बी. SC/ST/OBC 40%
3.	एम.एस.सी. (नर्सिंग) • मेडिकल सर्जिकल • ओबीजी • चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग • कम्यूनिटी हेल्थ नर्सिंग • साईकायट्रिक	दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	बी.एस.सी. नर्सिंग/ पोस्ट बेसिक बी.एस.सी नर्सिंग
4.	पी.एच.डी. (नर्सिंग)	---	एम.एस.सी. (नर्सिंग)

• उपरोक्त सभी कोर्स के SC/ST/OBC के पात्र छात्र/छात्राओं हेतु म.प्र. शासन द्वारा शिक्षण शुल्क की राशि की आंशिक / पूर्ण प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की जाती है।

सम्पर्क: सिटी ऑफिस:- मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी. पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

मो. 9111777090, 9111777041, मेल: Info@mguindia.com

R-47011/2022

Shreeram

MGU MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY
•INSPIRING INTELLECT•

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइन्सेस

प्रवेश सूचना

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	बीपीटी (बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी)	4½ वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप) 50% SC/ST/OBC 45%
	बी.एम.एल.टी. (बैचलर इन मेडिकल लेब टेक्निशियन)	03 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	
	बी.एक्स.आर.आर.टी (बैचलर ऑफ एक्स-रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन)	03 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	
2.	डी.एम.एल.टी (डिप्लोमा इन लेब टेक्निशियन)	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डिप्लोमा इन ऑप्थैल्मिक असिस्टेंट	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डिप्लोमा इन डेण्टल हाइजीन	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डिप्लोमा इन एक्स-रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डी फार्मा इन आयुर्वेद	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
3.	डिप्लोमा इन ऑप्ट्रोमेट्रिक रिफ्रेक्शन	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
4.	सर्टिफिकेट इन ऑपरेशन थियेटर टेक्निशिन	01 वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)

• उपरोक्त सभी कोर्स के SC/ST/OBC के पात्र छात्र/छात्राओं हेतु म.प्र. शासन द्वारा शिक्षण शुल्क की राशि की आंशिक/पूर्ण पूर्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की जाती है।

• न्यूनतम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 20 वर्षों से संकल्पित मानसरोवर समूह म.प्र.

न्यूनतम फीस

सम्पर्क: सिटी ऑफिस:- मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी. पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

बेस्ट फेकल्टी

मो. 9111777090, 9111777041, मेल: Info@mguindia.com

R-47012/2022

Shreeram

गलत विद्युत देयकों के निराकरण के लिये तत्काल गठित करें समितियां

भोपाल, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्काल वितरण केंद्र स्तर पर गलत विद्युत देयकों के निराकरण के लिए समितियां गठित करें। इस संबंध में सभी मैदानी महाप्रबंधक अपने जिला कलेक्टर से समन्वय स्थापित कर समितियों का गठन सुनिश्चित कराएंगे।

गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले में विद्युत वितरण कम्पनी के वितरण केंद्र स्तर पर गलत देयकों के निराकरण के लिये समिति का पुनर्गठन किया जा रहा है। समिति में विद्युत वितरण कम्पनी के प्रबंधक (वितरण केंद्र/जोन के प्रभारी कनिष्ठ/सहायक यंत्री) सदस्य, संयोजक होंगे।

समिति में जिले के प्रभारी मंत्री द्वारा 6 अशासकीय सदस्य नामांकित किये जायेंगे। इनमें एक जनपद पंचायत के सदस्य, एक नगरीय क्षेत्र (यदि है तो) के पार्षद, एक कृषि/व्यावसायिक उपभोक्ता, एक घरेलू उपभोक्ता और 2 महिला सदस्य शामिल होंगे।

समिति प्रत्येक माह के दूसरे मंगलवार को 12 बजे वितरण केंद्र/जोन पर बैठक कर प्राप्त आवेदनों पर विचार कर अनुशंसा करेगी।

इस दिन अवकाश होने पर समिति अगले कार्य-दिवस पर बैठक करेगी। बैठक का कोरम कम से कम तीन सदस्य का होगा।

गलत देयकों के निराकरण संबंधी आवेदन प्राप्त होने पर विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंधक के माध्यम से इन्हें समिति के समक्ष रखा जायेगा। समिति की अनुशंसा के 3 दिन के भीतर सदस्य संयोजक द्वारा प्रकरण कंपनी के उप महाप्रबंधक/कार्यपालन यंत्री को प्रस्तुत कर दिया जायेगा। विद्युत वितरण कंपनी के डेलीगेशन ऑफ पॉवर अनुसार प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आवश्यकतानुसार बिल सुधार की कार्यवाही 7 दिन के भीतर पूरी कर उपभोक्ता को सुधरा हुआ बिल जारी होगा और समिति को इसकी सूचना भी दी जाएगी। प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गयी कार्यवाही से समिति के संतुष्ट न होने पर मामला अधीक्षण अभियंता/महाप्रबंधक को भेजा जायेगा। अधीक्षण अभियंता/महाप्रबंधक का निर्णय अंतिम होगा।

न्यायाधीश वर्ग 2 की परीक्षा में नरसिंहपुर की दिव्या विश्वकर्मा ने हासिल किया 15वां स्थान

'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तक़दीर से पहले खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रज़ा क्या है।' अल्लामा इकबाल की यह पंक्तियां नरसिंहपुर की रहने वाली दिव्या विश्वकर्मा को हमेशा से प्रेरित करती रही हैं। वैसे भी नेल्सन मंडेला ने भी कहा है कि जब तक काम किया ना जाए वो असंभव ही लगता है। इसी तरह दिव्या को भी यह कभी नहीं लगा कि वह पहले प्रयास में ही सिविल जज की परीक्षा में कामयाबी हासिल कर लेंगी। लेकिन कड़े परिश्रम और लगन के बल पर एक औसत छात्रा रहीं दिव्या ने अपने लिए असंभव माने जाने वाले इस लक्ष्य को संभव कर लिया। सिविल जज वर्ग-2 की परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही 15वीं रैंक हासिल करने वाली और अपने पिता को अपनी प्रेरणा मानने वाली दिव्या ने अपने संघर्ष, सफर और सफलता को लेकर 'रोज़गार और निर्माण' से बातचीत की....

- **अपने अब तक के जीवन के सफर के बारे में बताइए?**

❍ मैं हमेशा से ही एक औसत स्टूडेंट रही हूं। मेरी टीचर ने एक बार मुझसे कहा था कि तुम पढ़ाई नहीं करती हो तो तुम गणित क्यों लेना चाहती हो। मैं आज भी एक औसत स्टूडेंट हूं, मुझे कुछ भी हासिल करने के लिए हमेशा दूसरों से ज्यादा मेहनत करनी पड़ी है। एक छोटे से शहर में आर्थिक अभावों के बीच मेरे पिता ने हमेशा यह कोशिश की कि वह अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाएं। इसलिए 12वीं की पढ़ाई के बाद हम भोपाल शिफ्ट हो गए। दो साल कैट की तैयारी की, लेकिन भोपाल एनएलआईयू में सलेक्शन न होने पर मैंने बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी के लॉ डिपार्टमेंट से ही बीएएलएलबी की पढ़ाई की।

- **परीक्षा की तैयारी के लिए स्टडी मटेरियल कहां से चुना? कौन-कौन सी किताबों से अध्ययन किया?**

❍ मैंने सबसे ज्यादा फोकस बेयर एक्ट्स पर किया और खुद नोट्स बनाकर पढ़ाई की। महत्वपूर्ण किताबों में इंडियन पीनल कोड- जेएन पांडेय, इंडियन एविडेंस एक्ट अवतार सिंह, इंडियन कॉन्ट्रेक्ट एक्ट अवतार सिंह, कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर केलकर का अध्ययन किया। इसके अलावा इंटरनेट का उपयोग निबंध और केस स्टडी के लिए किया।

- **जज बनने का ख्वाब कब देखा? क्या आपको उम्मीद थी कि आपका चयन होगा? यह आपका कौन-सा प्रयास था?**

❍ मुझे हमेशा से लगता रहा है कि इंसाफ यदि कहीं होता है, तो वह न्यायालय ही है। मैंने जज बनने का सपना कक्षा 12वीं में देखा था, लेकिन कभी उम्मीद नहीं थी कि पहले प्रयास में ही मुझे सफलता मिल जाएगी।

- **इस पद तक पहुंचने के लिए आपको किस तरह का संघर्ष करना पड़ा?**

❍ चुनौतियां तो हर व्यक्ति के जीवन में होती हैं। मेरा जीवन भी इससे अछूता नहीं रहा है। आर्थिक समस्याओं के साथ-साथ परीक्षा के समय में ही मां का स्वास्थ्य बहुत ज्यादा खराब होने के कारण मानसिक तनाव भी काफी रहा। साथ ही 2019 में विज्ञापन आने के बाद कोरोना के समय में स्टडी मटेरियल इकट्ठा करना और पढ़ना दोनों ही काफी चुनौतीपूर्ण था।

नाम	:	**दिव्या विश्वकर्मा**
उम्र	:	27 वर्ष
रैंक	:	15वीं
पद	:	मध्यप्रदेश व्यावहारिक न्यायाधीश वर्ग-2
पिता	:	**श्रीराम विश्वकर्मा**
माता	:	**श्रीमती रेवती विश्वकर्मा**
पता	:	प्रियंका नगर, कोलार रोड, भोपाल
आभार	:	ईश्वर, दोस्त और अपने परिवार का आभार व्यक्त करती हूं।
दुर्बल पक्ष	:	ओवर थिंकिंग।
सबल पक्ष	:	संयम और कड़ी मेहनत।
शिक्षा	:	केन्द्रीय विद्यालय, नरसिंहपुर
स्नातक	:	एलएलबी डिपार्टमेंट ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च, बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी, भोपाल
स्नातकोत्तर	:	गवर्मेंट स्टेट लॉ कॉलेज, बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी, भोपाल।

- **इस परीक्षा के लिए मोटीवेशन आपको कहां से मिला तथा सहयोग कहां से प्राप्त हुआ?**

❍ मेरे पारिवारिक मित्र विनीत कुमार श्रीवास्तव ने मुझे हमेशा मोटीवेट किया, वो मुझे बार-बार यह भरोसा दिलाते रहे कि तुम यह परीक्षा पास कर लोगी। मेरे परिवार ने भी हमेशा हर कदम पर मेरा साथ दिया।

- **परीक्षा के लिए कैसे रणनीति तैयार की?**

❍ मैंने प्री और मेन्स दोनों परीक्षाओं की तैयारी साथ में ही शुरू कर दी थी और प्रारंभिक परीक्षा की तारीख आने के बाद भी मैंने प्री और मेन्स दोनों की पढ़ाई एक साथ जारी रखी।

- **परीक्षा के लिए चुने गए विषय में से किस विषय को कितना समय देती थीं?**

❍ मैंने हर विषय को बराबर समय और महत्व दिया।

- **अक्सर भूल जाने वाले तथ्य, जानकारी या भ्रम पैदा करने वाली जानकारियों को कैसे याद रखा?**

❍ महत्वपूर्ण तथ्य और जानकारी को याद रखने के लिए बार-बार लिख-लिखकर याद करती थी।

- **प्रश्नों को हल करते समय क्या रणनीति अपनायी?**

❍ जिन सवालों के जवाब मुझे ज्यादा अच्छे से याद थे, उनके जवाब पहले लिखे।

- **इंटरव्यू की तैयारी कैसे की? इसके लिए क्या योजना बनायी विस्तार से बताइए?**

❍ मैंने मॉक इंटरव्यू की बार-बार प्रेक्टिस की तथा बेअर एक्ट्स का रिवीजन किया।

- **आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि क्या है?**

❍ मेरे परिवार में मेरे माता-पिता, बड़े भाई और बहन हैं। पिता महिला बाल विकास विभाग में ड्राइवर के पद पर कार्यरत हैं, मां और बड़ी बहन गृहिणी हैं तथा बड़ा भाई एयरफोर्स में है।

- **जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है? उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?**

❍ मेरा व्यावहारिक न्यायाधीन वर्ग- 2 के पद पर चयन हुआ है। मेरा मानना है कि कानून के प्रति लोगों में आस्था है, लोग यह मानते हैं कि उन्हें न्यायालय से इंसाफ मिलेगा। आमजन के इस विश्वास को बरकरार रख सकूं यही प्रयास रहेगा। मैं कानून के प्रति लोगों की निष्ठा बनी रहे उसके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगी।

- **'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?**

❍ 'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों को मैं यही संदेश दूंगी कि इंसान जो चाहे वह हासिल कर सकता है। बस उसे अपनी कमजोरी को ताकत में बदलना आना चाहिए। साथ ही किसी भी क्षेत्र में सफलता की कुंजी कड़ी मेहनत, संयम और रिवीजन है।

- सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

इंटरव्यू में पूछे गये सवाल

- **आपकी प्रेरणा कौन हैं?**

❍ मेरे पिता ही मेरी प्रेरणा हैं। अपने कर्तव्यों को कितनी तन्मयता के साथ निभाना चाहिए यह मैंने उन्हीं से सीखा है। वे बहुत कड़ी मेहनत करते हैं।

- **आपको किन चीजों में रुचि है?**

❍ मुझे वालीबॉल खेलना और शॉर्ट हिंदी मूवीज देखना पसंद है।

- **इन्हेरेन्ट पावर या अंतर्निहित शक्ति क्या है और इससे संबंधित सबसे बड़ा केस कौन सा है?**

❍ अंर्तनिहित शक्ति धारा 482 सीआरपीसी, 151 सीपीसी और एमपीएलआरसी की धारा 32 के तहत दी गई है। इसका सबसे प्रमुख केस भजनलाल का है।

- **एक विशेषज्ञ कौन है और इसका प्रमाणिक मूल्य क्या है?**

❍ विशेषज्ञ वह व्यक्ति होता है जिसे किसी विषय के बारे में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव होता है और इसे भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 45 के तहत परिभाषित किया जाता है। प्रत्यक्ष मूल्य- इसका पुष्टिकारक मूल्य होता है।

- **इंडियन एविडेंस एक्ट में सेक्शन 30 की विवेचना कीजिए?**

❍ धारा 30 साबित किए गए कबूलनामे पर विचार करने का प्रावधान करता है, जो इसे बनाने वाले व्यक्ति और अन्य को संयुक्त रूप से एक ही अपराध के लिए मुकदमे के तहत प्रभावित करता है

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान – खेल

1. लीग-1 किस देश की प्रोफेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) जर्मनी
(स) फ्रांस (द) इटली

2. इनमें से किस क्रिकेटर ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है?
(अ) बेन स्टोक्स
(ब) कायरन पोलार्ड
(स) सरफराज अहमद
(द) डेविड वॉर्नर

3. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट जीता है?
(अ) राफेल नडाल
(ब) आंद्रे रूबलेव
(स) टेलर फ्रिट्ज
(द) एलेक्जेंडर ज्वेरेव

4. किस देश ने टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
(स) जापान (द) चीन

5. पूर्व टेनिस खिलाड़ी जस्टिन हेनिन किस देश के लिए खेलती थीं?
(अ) बेल्जियम (ब) कनाडा
(स) अमेरिका (द) सर्बिया

6. आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में सौ या इससे अधिक विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं?
(अ) शाहीन शाह अफरीदी
(ब) रविचंद्रन अश्विन
(स) पैट कमिंस
(द) काइल जैमिसन

7. इनमें से किस भारतीय खिलाड़ी ने अब तक आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड नहीं जीता है?
(अ) जसप्रीत बुमराह
(ब) श्रेयस अय्यर
(स) भुवनेश्वर कुमार
(द) ऋषभ पंत

8. दीपिका पल्लीकल किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) टेनिस (ब) बैडमिंटन
(स) टेबल टेनिस (द) स्क्वॉश

9. मियामी ओपन-2022 में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी हैं?
(अ) बारबोरा क्रेजिकोवा
(ब) कोको गॉफ
(स) इगा स्वितेक
(द) इलिना स्वितोलिना

10. बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के वर्तमान प्रमुख हैं?
(अ) राहुल द्रविड़
(ब) वीवीएस लक्ष्मण
(स) अनिल कुंबले
(द) युवराज सिंह

11. कतर में खेले जाने वाले फीफा वर्ल्डकप में कितने देश हिस्सा लेंगे?
(अ) 32 (ब) 36
(स) 40 (द) 48

12. इस वर्ष किस क्लब ने इंडियन सुपर लीग का खिताब जीता है?
(अ) केरेला ब्लास्टर्स
(ब) हैदराबाद एफसी
(स) चेन्नइयन एफसी
(द) मुंबई सिटी एफसी

13. किस देश ने सबसे ज्यादा बार वर्ल्ड रग्बी सेवंस सीरीज जीती है?
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) फ्रांस
(स) न्यूजीलैंड
(द) जापान

14. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का पहला सत्र किस वर्ष खेला गया था?
(अ) वर्ष 2007 (ब) वर्ष 2008
(स) वर्ष 2009 (द) वर्ष 2011

15. उबेर कप किस खेल की एक वैश्विक प्रतियोगिता है?
(अ) टेबल टेनिस
(ब) कबड्डी
(स) बैडमिंटन
(द) इनमें से कोई नहीं

16. इनमें से किस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाया है?
(अ) वीरेंद्र सहवाग
(ब) ब्रायन लारा
(स) ग्रीम स्मिथ
(द) नाथन एस्टल

17. वर्ष 2021 में पेरिस मास्टर्स टूर्नामेंट में पुरुष एकल चैम्पियन बने थे?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) राफेल नडाल
(स) डेनिल मेदवेदेव
(द) कैमरून नॉरी

18. इस वर्ष कौन-सा देश शतरंज ओलिंपियाड की मेजबानी करेगा?
(अ) रूस (ब) भारत
(स) हंगरी (द) रोमानिया

19. किस टेनिस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा बार सिनसिनाटी मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट जीता है?
(अ) आंद्रे अगासी
(ब) राफेल नडाल
(स) एंडी मरे
(द) रोजर फेडरर

20. इनमें से कौन-सा खेल कॉमनवेल्थ गेम्स-2022 में शामिल नहीं है?
(अ) बैडमिंटन (ब) कुश्ती
(स) तीरंदाजी (द) टेबल टेनिस

21. अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में किस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा गोल किये हैं?
(अ) लियोनल मेसी
(ब) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(स) सुनील छेत्री
(द) डेविड बैकहम

22. पंकज आडवाणी ने कितनी बार एशियन बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप जीती है?
(अ) पांच बार
(ब) सात बार
(स) आठ बार
(द) इनमें से कोई नहीं

23. अर्मांड डुप्लेंटिस एथेलेटिक्स की किस स्पर्धा के खिलाड़ी हैं?
(अ) फर्राटा दौड़ (ब) मैराथन दौड़
(स) भाला फेंक (द) पोल वॉल्ट

24. सीमा बिस्ला किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) कुश्ती (ब) निशानेबाजी
(स) बैडमिंटन (द) एथेलेटिक्स

25. इस वर्ष किस देश ने जूनियर वूमेन हॉकी वर्ल्डकप अपने नाम किया है?
(अ) जर्मनी (ब) नीदरलैंड
(स) मलेशिया (द) जापान

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (स), 4. (द), 5. (अ), 6. (ब), 7. (अ), 8. (द), 9. (स), 10. (ब), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (ब), 15. (स), 16. (द), 17. (अ), 18. (ब), 19. (द), 20. (स), 21. (ब), 22. (स), 23. (द), 24. (अ), 25. (ब)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

कॅरियर की राहें

नर्सिंग में मानव सेवा के साथ सुकूनदेह कॅरियर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

कोरोना संक्रमण के कारण स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के बीच नर्सिंग सेक्टर में बेहद डिमांड बन रही है, वहीं अब वर्ष 2022-23 के केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देकर अधिक आवंटन के साथ आगे बढ़ाने का जो लक्ष्य रखा गया है, उससे नर्सिंग सेक्टर कॅरियर की दृष्टि से अहम हो गया है। इस समय स्वास्थ्य क्षेत्र के तेजी से बढ़ने के साथ टीकाकरण, इंजेक्शन, ऑक्सीजन देने तथा जनरल वार्ड सहित आइसीयू में मरीज की देखभाल करने जैसे विविध कामों में नर्सिंग स्टाफ की उपयोगिता कई गुना बढ़ गई है। ऐसे में देशभर में चारों ओर अधिक वेतन और अधिक सुविधाओं के साथ नर्सों की नियुक्तियों का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि डॉक्टर के रूप में कॅरियर बनाने का संकल्प रखने वाले स्टूडेंट्स यदि समर्पित तैयारी के बाद भी नीट में चयनित नहीं हो पाएं तो वे डॉक्टर की तरह सेवा देने वाले नर्सिंग सेक्टर को कॅरियर का विकल्प बना सकते हैं। नर्सिंग में कॅरियर के मौके लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

लगातार बढ़ रहा है नर्सिंग सेक्टर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट 2020 के मुताबिक भारत में करीब 15.6 लाख नर्स और 7.72 लाख सहायक नर्स हैं। जबकि देश में नर्सिंग सेक्टर की नई जरूरतों के मुताबिक इससे दोगुने नर्सिंग स्टाफ की जरूरत है। भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाले लोगों में नर्सों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 47 फीसदी होना नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। भारत में महिला नर्सों की हिस्सेदारी पुरुष नर्सों से कई गुना अधिक है। देश और दुनिया में नर्सों की कितनी मांग बढ़ रही है, इसका अनुमान स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स नर्सिंग रिपोर्ट 2020 से लगा सकते हैं। इसके मुताबिक वर्ष 2030 तक विश्वभर में 57 लाख नर्सों की नई मांग बढ़ेगी।

नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर की शैक्षणिक जरूरतें

नर्सिंग में कॅरियर बनाने के लिए फिजिक्स, केमेस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी)

विषयों से बारहवीं पास होना पहली जरूरत है। नर्सिंग क्षेत्र में डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट के कई तरह के कोर्स कराए जाते हैं। बी.एससी. (नर्सिंग) कोर्स का विशेष आकर्षण है। यह पाठ्यक्रम चार वर्ष की अवधि का है। जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम) के लिए भी न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यह तीन वर्ष की अवधि का कोर्स है। सहायक नर्स मिडवाइफ/हेल्थ वर्कर (एएनएम) का डिप्लोमा कोर्स दो वर्ष की अवधि का है तथा न्यूनतम योग्यता दसवीं पास है। इसी तरह कुछ संस्थानों द्वारा नर्सिंग सहायक (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट) का शॉर्ट टर्म कोर्स भी कराया जाता है, जिसे बारहवीं के बाद किया जा सकता है। नर्सिंग क्षेत्र में बेहतर संभावनाओं के लिए कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, क्रिटिकल केयर आदि सुपर स्पेशलिटी में विशेष शिक्षण-प्रशिक्षण भी प्राप्त किया जा सकता है। जो युवा नर्सिंग के क्षेत्र में अध्यापन को अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, वे बी.एससी. (नर्सिंग) करने के उपरांत एम.एससी. (नर्सिंग) कर सकते हैं, जो दो वर्ष का पाठ्यक्रम होता है।

नर्सों की कार्यक्षमता के मुताबिक कॅरियर की विविध भूमिकाएं

वस्तुतः नर्सों की कार्यक्षमता के मुताबिक उनकी भूमिकाएं कई प्रकार की होती हैं। हॉस्पिटल, नर्सिंग होम आदि में नर्सिंग का काम करने वाले को जनरल नर्स कहा जाता है। इनके मुख्य कार्य में डॉक्टर के काम में सहयोग, मरीजों की देखभाल, प्रशासनिक जिम्मेदारियां आदि शामिल होती हैं। मिडवाइफ श्रेणी में वे नर्स आते हैं, जिनकी विशेषज्ञता गर्भवती महिलाओं का ख्याल रखना और बच्चों के जन्म के दौरान सहायता मुहैया करना है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाले नर्सिंग से जुड़े युवा हेल्थ वर्कर कहलाते हैं।

नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर की विशेष स्किल्स

नर्स का कार्य मानव सेवा की भावना से ओत-प्रोत कार्य है। नर्स का कार्य सुनने में जितना सहज एवं आसान लगता है, वास्तव में यह उतना ही उत्तरादायित्वपूर्ण कार्य है। एक कुशल नर्स रोगियों की भावनाओं तथा मनोविज्ञान को अच्छी तरह समझकर उनकी उचित देखभाल कर सकती है। नर्सिंग सेक्टर में अच्छा कॅरियर बनाने के लिए कम्प्यूटर दक्षता और मनोविज्ञान की समझ भी लाभप्रद है।

नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर के मौके

निःसंदेह नर्सिंग सेक्टर अपार संभावनाओं वाला कॅरियर क्षेत्र है। कोरोना संक्रमण और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते देश के कोने-कोने में जिस तरह से सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए व्यापक संसाधन जुटा रही है, लगातार नये-नये अस्पताल खुल रहे हैं, लगातार हेल्थ केयर इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, नर्सिंग होम्स तथा क्लीनिक्स खुल रहे हैं, उसी गति से नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर के मौके भी बढ़ रहे हैं। नर्सों के लिए बड़ी संख्या में नौकरी के मौके सरकारी और निजी अस्पतालों में हैं। अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम, आरोग्य निवास एवं रक्षा सेवाओं, इन्डियन रेड-क्रॉस सोसाइटी आदि में भी रोज़गार के विविध अवसर हैं। यूएस, कनाडा, इंग्लैण्ड तथा मिडिल ईस्ट सहित दुनिया के विभिन्न देशों में नर्सों के लिए अच्छे वेतन व सुविधाओं के साथ कॅरियर के प्रचुर मौके उपलब्ध हैं।

निःसंदेह कोरोनाकाल के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में तेजी से बढ़े सरकारी व्यय के कारण नर्सों की बढ़ती हुई मांग के कारण नर्सिंग सेक्टर और अधिक तेजी से बढ़ता हुआ बेहतर कॅरियर विकल्प बन गया है। जो युवा नर्सिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं, उन्हें चाहिए कि वे देश के कोने-कोने में स्थित विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों में से अपनी उपयुक्तता के अनुरूप किसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण देने वाले कॉलेज का चयन करके अपने अनुकूल नर्सिंग कोर्स को सुनिश्चित करके नर्सिंग सेक्टर में कॅरियर की बेहतर राह पर आगे बढ़ें ।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध बुरहानपुर में है 'दक्षिणी भारत का प्रवेश द्वार'

मध्यप्रदेश का बुरहानपुर जिला 15 अगस्त, 2003 को पूर्व निमाड़ (खण्डवा) से अलग करके बनाया गया है। इसका जिला मुख्यालय बुरहानपुर नगर है। ताप्ती नदी के किनारे स्थित यह नगर कई विशाल द्वारों से सुसज्जित परकोटों से घिरा हुआ है। संभागीय मुख्यालय इंदौर से इसकी दूरी करीब 200 किलोमीटर है।

ईस्वी सन् 1400 के आसपास राजकुमार नासिर खान द्वारा स्थापित यह नगर मुगल काल में कुछ समय तक खानदेश की राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित था। यह नगर मध्यकालीन इतिहास के महत्वपूर्ण मकबरों, मस्जिदों और ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है। जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूरी पर स्थित असीरगढ़ किले को 'दक्खन का दरवाजा' नाम से जाना जाता था। इसको जीते बिना दक्षिण भारत में प्रवेश नामुमकिन था। इसकी भव्यता आज भी दर्शनीय है। बुरहानपुर का खूनी भंडारा (कुंडी भंडारा) अपनी मुगलकालीन शुद्ध जलप्रदाय प्रणाली के लिए विश्व विख्यात है।

इतिहास

बुरहानपुर शहर को 14वीं शताब्दी में खानदेश के फारूकी वंश के सुल्तान मलिक अहमद के पुत्र नसीर द्वारा बसाया गया था।

1536 ईस्वी में गुजरात विजय अभियान के पश्चात हुमायूं बड़ौदा, भरूच और सूरत होते हुए बुरहानपुर और असीरगढ़ आया था। राजा अली खां (1576-1596 ई.) जो आदिलशाह के नाम से भी जाना जाता था, ने खानदेश अभियान के दौरान अकबर की अधीनता स्वीकारते हुए अपनी शाह की उपाधि का त्याग कर दिया था। इस घटना से मुगलों की दक्षिण की नीति बदल गई। इसके बाद खानदेश को आधार स्थल बनाकर यहां से दक्षिण के अभियान चलाए जाने लगे।

एक मार्च 1630 को दक्खन में असंतोषजनक परिस्थितियों के कारण, मुगल बादशाह शाहजहां बुरहानपुर आया। इस समय वह बीजापुर, गोलकुण्डा और अहमदनगर अभियानों के चलते दो वर्षों तक यहां रहा। इन अभियानों के दौरान ही शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का प्रसव पीड़ा से निधन हो गया। मुमताज महल का शव ताप्ती के उस पार जैनाबाद के एक बगीचे में दफन किया गया था।

1632 में महावत खान को दक्खन का वाइसराय बनाकर शाहजहां ने बुरहानपुर से आगरा प्रस्थान किया।

16वीं शताब्दी के मध्य से लेकर अठारहवीं शताब्दी तक बुरहानपुर सहित निमाड़ क्षेत्र औरंगजेब, बहादुरशाह, पेशवा, सिंधिया, होलकर, पवार और पिण्डारियों से प्रभावित रहा। बाद में 18वीं सदी की शुरुआत में निमाड़ क्षेत्र का प्रबंधन ब्रिटिश शासन के अधीन आ गया था।

अर्थव्यवस्था

बुरहानपुर कृषि और उद्योग प्रधान क्षेत्र है। कपास और केले प्रमुख कृषि उत्पाद हैं। इसके अलावा सोयाबीन और जौ की अच्छी मात्रा में खेती की जाती है। अन्य फसलों में मटर, गेहूं, मिर्च, धनिया, आम, नारंगी आदि शामिल हैं।

बुरहानपुर अपने वस्त्र उद्योगों के लिए प्रसिद्ध है। यह मध्यप्रदेश में पावरलूम उद्योग का केंद्र भी है। पाइप और कृषि उपकरण दोनों का निर्माण यहाँ किया जाता है। इसमें एनटीसी (नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन) प्रोजेक्ट 'ताप्ती मिल्स' और अन्य वस्त्र कंपनियां सहित कई कपास और तेल मिलें भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

यह यूनानी औषधियों का एक बड़ा बाजार है। इस क्षेत्र में लकड़ी और लकड़ी आधारित फर्नीचर उद्योग भी प्रचलित हैं। बुरहानपुर का पेपर उद्योग मध्यप्रदेश में सबसे बड़ा है। प्रदेश की सबसे बड़ी नेपानगर पेपर मिल भी यही है। बुरहानपुर में एक विशाल चमड़ा उद्योग भी है।

बुरहानपुर एक ऐतिहासिक महत्व वाला शहर है इसलिए यहां के शानदार अतीत के बारे में अधिक से अधिक जानने के लिए इतिहास प्रेमी, पुरातत्वविद और बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। यह मुस्लिम और सिख धर्मावलंबियों के तीर्थ स्थान के रूप में भी जाना जाता है इसलिए जिले की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में पर्यटन का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बुरहानपुर जिला महत्वपूर्ण तथ्य

1. जिले का गठन - 15 अगस्त, 2003
2. संभाग - इंदौर
3. जिला मुख्यालय - बुरहानपुर
4. क्षेत्रफल - 3427 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या - 7,56,993
   (पुरुष - 3,88,040,
   महिलाएं - 3,68,953)
6. लिंग अनुपात- 951
7. जनसंख्या घनत्व- 221
8. तहसीलें - 3 (बुरहानपुर, खकनार, नेपानगर)
9. जनपद पंचायत- 2
10. ग्राम पंचायत- 167
11. नगरीय निकाय- 3
12. साक्षरता- 64.36 प्रतिशत
13. भाषा एवं बोली - हिंदी, मराठी, गुजराती, उर्दू
14. लोकसभा क्षेत्र-खंडवा
15. विधानसभा क्षेत्र- 2 (बुरहानपुर और नेपानगर

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

बुरहानपुर जिला अन्य प्रमुख तथ्य

1. बुरहानपुर के समीप सतपुड़ा पहाड़ियों के एक टीले के शीर्ष पर ऐतिहासिक असीरगढ़ का किला स्थित है। इस किले को भारत के दक्षिणी हिस्से को विनियमित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था, क्योंकि कुछ इतिहासकारों ने इसे 'डेक्कन की कुंजी' नाम से संबोधित किया था। इस किले के अंदर एक मस्जिद, भगवान शिव का मंदिर और एक महल है। यह वास्तव में 3 भागों असीरगढ़, कमरगढ़ और मलयगढ़ में विभाजित है।
2. मुगल इंजीनियरों ने बुरहानपुर शहर को अनुकरणीय जल आपूर्ति प्रणाली कुंडी भंडारा भेंट की थी जो, अभी भी शहर में सक्रिय रूप से उपयोग की जाती है। उन्होंने 8 जल-आपूर्ति प्रणाली बनाई थीं, जो अतीत में शहर के लिए पर्याप्त जल प्रवाह प्रदान करती थी। मुगल इंजीनियरों ने पानी के जलाशयों को विकसित करने के लिए 3 बिंदुओं पर उन जल चैनलों को नियंत्रित किया, जिन्हें 'मूल भंडारा', 'सुख भंडारा' और 'चिन्तारण भंडारा' नामों से जाना जाता है।
3. बुरहानपुर का गुरुद्वारा सिख धर्म के अनुयायियों के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में शामिल है। सिख धर्म के संस्थापक, गुरु नानकदेव जी और अंतिम गुरु गोविंद सिंह जी इस गुरुद्वारे में आए थे। ताप्ती नदी के तट पर स्थित लगभग 400 साल पुराने इस गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहिब और गुरु गोविंद सिंह जी के हथियार देखे जा सकते हैं।
4. बुरहानपुर शहर से सात मील दूर, गुलेरा पैलेस अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यहां एक पानी का झरना है जो चांद की रोशनी में इस जगह को बहुत ही सुंदर बनाता है। तालाब के दोनों ओर दो महल हैं। उतावली नदी के एक ऊंचे स्थान पर हज़रत निज़ामुद्दीन का मकबरा भी है, जो आदिल-खान के धार्मिक गुरु थे।
5. बुरहानपुर से लगभग 2 किलोमीटर दूर गांव लोधीपुरा में स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल दरगाह-ए-हकीमी दुनिया भर के दाऊदी बोहरा संप्रदाय के लोगों के लिए आस्था का केंद्र है।
6. बुरहानपुर जिले में इच्छादेवी मंदिर, कबीर मंदिर, जामा मस्जिद, शाह नवाज खान का मकबरा, सहित कई प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं।
7. जिले का प्रसिद्ध आहुखाना पार्क ताप्ती नदी के अगले किनारे पर रॉयल किले के सामने स्थित है, जिसे शाहजहां ने बनवाया था। यह पार्क ईरानी शैली में लगाया गया था, जिसे आलम-आरा और बाग-ए-जैनाबाद के रूप में भी जाना जाता है। शाहजहां की प्रिय पत्नी मुमताज-महल, मृत्यु के बाद छह महीने तक यहाँ दफन रहीं। बाद में उन्हें आगरा ले जाया गया था।
8. बुरहानपुर जिले की संस्कृति विविधता-पूर्ण है। दरावा और मावे की जलेबी यहां के प्रसिद्ध व्यंजन हैं। ऐसा माना जाता है कि दरावा बुरहानपुर के मुगल दरबार में परोसा जाता था और 'दरबार' नाम से 'दरावा' व्युत्पन्न हुआ था।
9. देश का पहला अखबारी कागज कारखाना बुरहानपुर जिले के नेपानगर में स्थित है। साथ ही यह जिला बुनकर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

- रीता मोदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

Objective Questions for MPPSC AE/MPPEB JE

Civil Engineering

1. Which of the following methods of solid waste management conserves energy most efficiently in the form of gas or oil?
(a) Pyrolysis
(b) Incineration with heat recovery
(c) Combusting
(d) Fluidized-bed incineration

Ans- (a) Pyrolysis

Solution : Pyrolysis is the thermal decomposition of materials at elevated temperatures in on inert atmosphere. It involves a change of chemical composition and is irreversible.

2. If a 2% solution of sewage sample is incubated for a 5 days at 20^0c and the dissolved oxygen depletion is 10×mg/l the BOD of the sewage would be :
(a) 500 mg/l (b) 100 mg/l
(c) 5000 mg/l (d) 250 mg/l

Ans- (a) 500 mg/l

Solution :
BOD = (initial D.O.-final D.O.)× dilution factor
Depletion of oxygen = 10 mg/l
Dilution factor = 100/2 = 50
BOD = 10×50 = 500 mg/l

3. The slow sand filter is more efficient in removing bacteria because :
(a) Uniformity co-efficient of sand grains is small
(b) Water is pretreated
(c) Size of filter bed is large
(d) Effective size of sand grains in small

Ans- (b) Water is pretreated

Solution : The contaminates are metabolized by the bacteria, fungi and protozoa. The water produced from an exemplary slow sand filter is of excellently quality with 90-99% bacterial cell court reduction.

4. A vehicle moving at 40 kmph stopped by applying brakes and the length of skid mark was 12.2m. If the average skid resistance is 0.7 then break efficiency is :
(a) 69% (b) 73.7%
(c) 90% (d) 83.7%

Ans- (b) 73.7%

Solution : Speed of vehicle = 40kmph

$$= \frac{5}{18}\times 40 \text{ m/sec} \Rightarrow 11.11\text{m/sec}$$

L = 12.2m ⇒ f = 0.7
Now, average skid resistance developed (f) = $\frac{v^2}{2gL}$

$$= \frac{(11.11)^2}{2\times 9.81\times 12.2} \Rightarrow 0.516$$

$$\text{Breaking \%} = \frac{100\times F^1}{f}$$

$$= \frac{100\times 0.516}{0.7} \Rightarrow 73.7\%$$

5. If the difference between an edge of the pavement 18m wide and its crown is 30 cm, then the camber is the pavement is :
(a) 1 in 30 (b) 1 in 16.7
(c) 1 in 20 (d) 1 in 45

Ans- (a) 1 in 30

Solution : $y = \frac{w}{2n} \Rightarrow n = \frac{w}{2y}$

$$n = \frac{18}{2\times 0.3} = 30$$

The camber in the pavement is 1 in 30

6. A prismatic linearly elastic bar of length to cross-sectional area A_1 and made up of a material with young's modulus E, is subjected to axial tensile force as shown in the figures. When the bar is subjected to axial tensile force P_1 and P_2, the strain energies stored in the bar are U_1 and U_2 respectively :

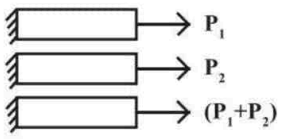

If U is the strain energy stored in the sam bar when subjected to an axial tensile force (P_1+P_2), the correct relationship is
(a) $U = U_1+U_2$ (b) $U = U_1-U_2$
(c) $U < U_1+U_2$ (d) $U > U_1+U_2$

Ans- (d) $U > U_1+U_2$

Solution : $U_1 = \frac{P_1^2 L}{2AE}$

$$U_2 = \frac{P_2^2 L}{2AE}$$

$$U = \frac{(P_1+P_2)^2 L}{2AE}$$

$$(P_1+P_2)^2 > P_1^2 + P_1^2$$

$$U > U_1 + U_2$$

7. Creep strains are :
(a) Caused due to live load only
(b) Independent of load
(c) Caused due to dead load only
(d) Caused due to cylic load only

Ans- (c) Caused due to dead load only

Solution : Creep strains occur with time at a constant level of stress. So they occur due to permanent load i.e. dead load.

8. For an isotropic material, the relationship between the young's modulus (E), shear modulus (G) and Poisson's ratio (μ) is given by :

(a) $G = \frac{E}{2(1-\mu)}$

(b) $G = \frac{E}{2(1+\mu)}$

(c) $G = \frac{E}{3(1+\mu)}$

(d) $G = \frac{E}{3(1-2\mu)}$

Ans- (b) $G = \frac{E}{2(1+\mu)}$

Solution : $E = 2G\ (1+\mu)$

$$G = \frac{E}{2(1+\mu)}$$

9. On a standard road braking test, a vehicle travelling at a speed of 10 m/s was stopped by applying full brakes and the skid marks were observed for a length of 10 m. What is the skid resistance of this pavement surface, assuming gravitation acceleration to be 10 m/s² :
(a) 0.55 (b) 0.50
(c) 0.65 (d) 0.45

Ans- (b) 0.50

Solution : V = 10m/s
After applying full brakes, length travel = 10m
g = 10 m/s²
Skid resistance (f) = ?

$$\text{braking distance} = \frac{V^2}{2gf}$$

$$10 = \frac{(10)^2}{2\times 10\times f} \Rightarrow f = 0.5$$

10. In Pavement design considerations, the maximum width of the vehicle is usually fixed and followed. The vehicle width affects all of the following except :
(a) Drainage layer
(b) Width of the traffic lanes
(c) Shoulders
(d) Parking facilities

Ans- (a) Drainage layer

Solution : In pavement design consideration, the maximum width of the vehicle is usually fixed and followed. The vehicle width of the traffic lanes, shoulders and Packing facilities.

11. Rumble strips are preferred on main roads as they
(a) Reduce the speed on the roads
(b) Incorporate changes in pavement texture by artifical corrugation
(c) Provide a number of humps on the roads
(d) produce noise and physical sensation on the steering

Ans- (a) Reduce the speed on the roads

Solution : Rumble strips (also known as sleeper lines or alert strips) are a road safety feature to alert inattentive drivers of potential danger, by causing a tactile vibration and audible rumpling transmitted through the sheets into the vehicle interior. A rumble strip is applied a long the direction of travel following an edge line or centerline, to alter drivers when they drift from their lane rumble strips may also installed in a series aceross the direction of travel to warm drivers of a stop or slowdown ahead or of an approaching danger spot.

12. How many levels of service is defined by Highway Capacity Manual?
(a) 6 (b) 7
(c) 4 (d) 8

Ans- (a) 6

Solution : Highway capacity manual is defined by 6 level of service.

13. The basic capacity of a single lane is given by (V is design speed in KMPh and S is Sum of stopping distance) :

(a) $1000\times\frac{S}{V}$ (b) $1000\times\frac{V}{S}$

(c) $\frac{V}{S}$ (d) $10000\times\frac{V}{S}$

Ans- (b) $1000\times\frac{V}{S}$

Solution : Basic Capacity of a single lane is given as (c)

$$C = 1000\times\frac{V}{S}$$

Where
V = Vehicle speed in km/hr
S = Clear distance between two vehicle

14. The ..... method of structural analysis is/are force methods :
(a) Moment distribution
(b) Slope deflection
(c) both slope deflection and moment distribution
(d) Column analogy

Ans- (d) Column analogy

Solution : Examples of force method:
- Strain energy method or minimum potential energy method
- Castigliano's theorem
- Unit load method
- Virtual work method
- Column analogy method
- Three moment method
- Flexibility method

15. The steepest gradient permissible on a 2.5^0 curve for B.G. line having ruling gradient of 1 in 200 is :
(a) 1 in 250 (b) 1 in 100
(c) 1 in 225 (d) 1 in 270

Ans- (a) 1 in 250

Solution : For B.G. tract
Grade Compensation = 0.04% of degree of curve

$$= \frac{0.04}{100}\times 2.5 \Rightarrow \frac{1}{1000}$$

Compensated grade = Ruling gradient - grade compensation

$$= \frac{1}{200} - \frac{1}{1000} \Rightarrow \frac{1}{250}$$

∴ Steepest possible gradient

$$= \frac{1}{250}$$

16. Bitumen of grade 100/120 means :
(a) Its tensile strength is 100 to 120 kPa
(b) Its penetration value is 10 to 12 mm
(c) Its compressive strength is 100 to 120 kPa
(d) Both (a) and (c)

Ans- (b) Its penetration value is 10 to 12 mm

Solution : Bitumen grade 100/120 indicates the penetration value of bitumen from 10 mm to 12 mm. This distance is measured in one-tenth of a millimeter

$$\text{Penetration} = \frac{1}{10}\times \text{Reading Scale}$$

$$= \frac{1}{10}\times (100 \text{ to } 120)$$

= 10 to 12 mm

17. In rail joints, continuity of rails are maintained by:
(a) Bolts (b) Fish plate
(c) Fish bolt (d) Spikes

Ans- (b) Fish plate

Solution : Fish plate resembling in shape to a fish are used to provide the continuty between the two rails at the rail-joints. For rail connect to two fish plates four fish bolts are used.

18. The modulus of subgrade reaction is mainly used in the design of :
(a) Rigid Pavement
(b) Flexible pavement
(c) (a) and (b)
(d) None of these

Ans- (c) (a) and (b)

Solution : The modules of subgrade reaction is mainly used in the design of rigid pavements.

19. If in a dorry abrasion test, loss in weight is 30 gms, then coefficient of hardness will be:
(a) 9 (b) 10
(c) 8 (d) 11

Ans- (b) 10

Solution : Coefficient of hardness

$$= 20 - \frac{\text{loss in weight}}{3} \Rightarrow 20 - \frac{30}{3}$$

= 20 - 10 ⇒ 10

20. The group index value of a Soil Subgrade is 6. The Sub-grade soil is rated as :
(a) Very poor (b) Poor
(c) Fair (d) Good

Ans- (b) Poor

Solution :

Group Index	Rate of Subgrade Soil
0 - 1	good
2 - 4	fair
5 - 9	poor
10 - 20	very poor

21. If the froude number of a hydraulic jump is more than 6, this jump is classified as :
(a) Undular jump
(b) Steady jump
(c) Oscillating jump
(d) weak jump

Ans- (b) Steady jump

Solution :

Type of jump	Froude Number
(i) Undular Jump	$1 < F \le 1.7$
(ii) Weak Jump	$1.7 < F \le 2.5$
(iii) Oscillating Jump	$2.5 < F \le 4.5$
(iv) Steady Jump	$4.5 < F \le 9$
(v) Strong Jump	$F > 9$

22. The critical depth in a channel carrying a fixed discharge is a function of :
(a) Viscosity of the fluid
(b) Surface material roughness
(c) cross sectional geometry
(d) longitudinal slope

Ans- (c) cross sectional geometry

Solution : The Critical depth is in a channel carrying a fixed discharge is a function of cross sectional geometry.

23. The horizontal angle between the true meridian and survey line is called :
(a) magnetic bearing
(b) Azimuth
(c) magnetic declination
(d) Dip

Ans- (b) Azimuth

Solution : The horizontal angle between the true meridian and survey line is called azimuth.

24. Wetted perimeter of a regime channel for a discharge of 64 cumecs as per Lacey's theory will be :
(a) 38 m (b) 40 m
(c) 36 m (d) 42 m

Ans- (a) 38 m

Solution : Discharge Q = 64 cumecs

$$\text{Wetted perimeter} = 4.75\sqrt{Q}$$

$$= 4.75\times\sqrt{64} \Rightarrow 4.75\times 8 \Rightarrow 38\text{m}$$

25. In India, which of the following is adopted as standard recording raingauge?
(a) Syphon type
(b) Tipping bucket type
(c) Weighing bucket type
(d) symon's raingauge

Ans- (a) Syphon type

Solution : the non-recording gauge extensively used in India is Symon's raingauge. This rain guage is also used to measure snowfall.

– साहिल शर्मा
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

जर्मन बैंक के प्रतिनिधियों ने किया बड़वानी और सेंधवा सीवरेज परियोजना का निरीक्षण

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू की सहायता से मंडला, नरसिंहपुर, सेंधवा, बड़वानी और नर्मदापुरम में सीवरेज परियोजना का कार्य किया जा रहा है। केएफडब्ल्यू बैंक का प्रतिनिधिमंडल मध्यप्रदेश दौरे पर है। जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले बड़वानी सीवरेज परियोजना के आईपीएस-1 और सीवरेज नेटवर्क सहित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया।

दल ने मैनहोल के साथ हाइड्रोटेस्टिंग का जायजा भी लिया। तीन सदस्यीय दल में श्री ल्यूकास मेस, मिस जुलियाना और श्री राहुल मनकोटिया शामिल हैं। वित्तीय विशेषज्ञ मिस जुलियाना ने परियोजना के लंबित देयकों संबंधी जानकारी ली तो वहीं अन्य विशेषज्ञों ने परियोजना पूरी होने की समय-सीमा पर संविदाकार से चर्चा की। दल ने सेंधवा सीवरेज परियोजना के कार्यों का भी निरीक्षण किया।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

हिन्दी

निर्देश : नीचे दिए गए मुहावरों के सही अर्थ का चयन करें।

1. पगड़ी बदलना?
(A) विवाह के अवसर पर पहनना
(B) तेरहवीं में रस्म निभाना
(C) चोरी करना
(D) दोस्ती करना
उत्तर - (B) तेरहवीं में रस्म निभाना

2. माथा ठनकना?
(A) आशंका होना
(B) कठिन होना
(C) चिन्ता होना
(D) उपरोक्त में कोई नहीं
उत्तर - (A) आशंका होना

3. चांदी का जूता मारना?
(A) रुपये से सब काम करा लेना
(B) अपमानित करना
(C) कड़वी बात कहना
(D) घमण्ड में बात करना
उत्तर - (A) रुपये से सब काम करा लेना

4. हाथों के तोते उड़ जाना?
(A) काम बिगड़ जाना
(B) होश न रहना
(C) पश्चाताप करना
(D) बहुत दुखी होना
उत्तर - (B) होश न रहना

5. शेर के दांत गिनना?
(A) अत्यन्त दुस्साहसपूर्ण कार्य करना
(B) गिनती सीखने का खेल करना
(C) असम्भव को सम्भव बना देना
(D) अनहोनी बातें होना
उत्तर - (A) अत्यन्त दुस्साहसपूर्ण कार्य करना

निर्देश : निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द बताएं

6. हाथी को हाँकने के लिए लोहे का हुक?
(A) तलवार (B) बरछी
(C) भाला (D) अंकुश
उत्तर - (D) अंकुश

7. जिस क्रिया का कर्म न हो?
(A) अकर्मक
(B) सकर्मक
(C) अंसज्ञक
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर -(A) अकर्मक

8. आय-व्यय आदि की जांच करने वाला?
(A) संकेक्षक (B) अंकेक्षक
(C) निकेक्षक (D) सुकेक्षक
उत्तर -(B) अंकेक्षक

9. पदार्थ की सबसे छोटी इन्द्रिय ग्राह्य मात्रा?
(A) अन्न (B) अणु
(C) परमाणु (D) शुक्राणु
उत्तर -(B) अणु

10. जिसका कोई निश्चित निवास स्थान न हो?
(A) अनिकेत (B) सुनिकेत
(C) संग्रह (D) विग्रह
उत्तर - (A) अनिकेत

निर्देश : निम्नलिखित में से कौन सा विलोम युग्म सही नहीं है।

11. (A) गद्य - पद्य
(B) घृणा - प्रेम
(C) चल - सचल
(D) घोष - अघोष
उत्तर - (C) चल - सचल

12. (A) निर्दोष - संदोष
(B) निर्गुण - निराकार
(C) निन्दा - स्तुति
(D) नैसर्गिक - अनैसर्गिक
उत्तर - (B) निर्गुण - निराकार

13. (A) लिखित - मौखिक
(B) लोक - संसार
(C) लौकिक - पारलौकिक
(D) स्वावलम्बी - परावलम्बी
उत्तर - (B) लोक - संसार

14. (A) सफल - असफल
(B) स्पृश्य - अस्पृश्य
(C) सुखांत - दुखांत
(D) शूर - वीर
उत्तर - (D) शूर - वीर

15. (A) उत्तरायण - दक्षिणायन
(B) स्वतंत्र - आजाद
(C) उद्धत - विनीत
(D) उपत्यका - अधित्यका
उत्तर - (B) स्वतंत्र - आजाद

निर्देश : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का चयन करें।

16. जो अभी तक न आया हो?
(A) अदेय (B) अनागत
(C) अनांवृत (D) अनभिज्ञ
उत्तर - (B) अनागत

17. अरूणोदय से पूर्व का समय?
(A) उषाकाल (B) उपकाल
(C) उद्भिज (D) एकाधिकार
उत्तर - (A) उषाकाल

18. जो दोबारा जन्म लेता है?
(A) दिनौंधी (B) दित्य
(C) द्विज (D) दुराग्रह
उत्तर - (C) द्विज

19. जिसका कोई आधार न हो?
(A) निराधार (B) निराकार
(C) निराश्रय (D) निराघाट
उत्तर - (A) निराधार

20. आँखों के आगे?
(A) प्रदोष (B) प्रत्यक्ष
(C) प्रत्युपकार (D) प्रिपदर्शी
उत्तर - (B) प्रत्यक्ष

21. जो व्यक्ति पहले किसी पद पर रह चुका हो?
(A) भारतीय (B) भामिनी
(C) भूतपूर्व (D) अभूतपूर्व
उत्तर - (C) भूतपूर्व

22. जिसने बहुत कुछ देखा हो?
(A) बहुकाम (B) बहुभाषा
(C) बोधगम्य (D) बहुदर्शी
उत्तर - (D) बहुदर्शी

निर्देश : नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं इनमें तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज एवं संकर वर्गों के शब्द हैं। प्रत्येक शब्द के नीचे उसके वर्ग के सम्बन्ध में चार विकल्प दिए गए हैं, सही विकल्प का चयन करें।

23. दूध?
(A) तत्सम (B) देशज
(C) तद्भव (D) संकर
उत्तर - (C) तद्भव

24. कौड़ी?
(A) देशज (B) तद्भव
(C) विदेशज (D) तत्सम
उत्तर - (A) देशज

25. खिचड़ी?
(A) देशज (B) तद्भव
(C) विदेशज (D) संकर
उत्तर - (A) देशज

26. टिकट घर?
(A) तद्भव (B) देशज
(C) विदेशज (D) संकर
उत्तर - (D) संकर

27. हलुवा?
(A) विदेशज (B) तद्भव
(C) देशज (D) तत्सम
उत्तर - (A) विदेशज

निर्देश : निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची का चयन कीजिए।

28. मदिरा?
(A) अपवर्ग (B) क्षणदा
(C) अंतक (D) वारूणी
उत्तर - (D) वारूणी

29. द्रोपदी?
(A) अवगा (B) मेदिनी
(C) याज्ञ सेनी (D) कामनी
उत्तर - (C) याज्ञ सेनी

30. कौआ?
(A) परिजात (B) कंदर्भ
(C) वैश्वानर (D) पिशुन
उत्तर - (D) पिशुन

31. पत्ता?
(A) किसलय (B) प्राज्ञ
(C) नीरद (D) भर्ता
उत्तर - (A) किसलय

32. यति?
(A) सती (B) संन्यासी
(C) ब्राह्मण (D) भिखारी
उत्तर - (B) संन्यासी

33. काढ़ा?
(A) अकौआ (B) रस
(C) पानी (D) क्वाथ
उत्तर - (D) क्वाथ

34. कामदेव?
(A) मन्मय (B) भागीरश
(C) वृतांत (D) वरूण
उत्तर - (A) मन्मय

35. पश्चिमी हिन्दी की उत्पत्ति मानी जाती है?
(A) अर्द्ध मगधी से
(B) पैशाची से
(C) महाराष्ट्री से
(D) शौर सेनी अपभ्रंश से
उत्तर - (D) शौर सेनी अपभ्रंश से

36. 'अवहट्ट' भाषा का तात्पर्य है?
(A) प्राकृत
(B) अपभ्रंश
(C) डिंगल
(D) परिनिण्ठत भाषा
उत्तर - (B) अपभ्रंश

37. हिन्दी की बोलियों की संख्या हैं?
(A) 18 (B) 16
(C) 07 (D) 11
उत्तर - (A) 18

38. 'लहँदा' जो एक प्रान्तीय भाषा है, कि जन्मदात्री है?
(A) पैशाची (B) बघेली
(C) मगधी (D) छत्तीसगढ़ी
उत्तर - (A) पैशाची

39. 'बैसवाड़ी' किस बोली का दूसरा नाम है?
(A) कन्नौजी (B) अवधी
(C) बुन्देली (D) निज़ामी
उत्तर - (B) अवधी

40. 'जाटू' किस बोली को कहते हैं?
(A) सिंधी (B) पंजाबी
(C) बाँगरू (D) पहाड़ी
उत्तर - (C) बाँगरू

41. 'उर्दू' किस भाषा का शब्द है?
(A) फारसी (B) अरबी
(C) तुर्क (D) ईरानी
उत्तर - (C) तुर्क

42. 'बाजार' किस भाषा का शब्द है?
(A) फारसी (B) उर्दू
(C) तुर्क (D) हिन्दी
उत्तर - (B) उर्दू

43. पूर्वी हिन्दी की बोली है?
(A) बाँगरू (B) कन्नौजी
(C) बघेली (D) बुन्देली
उत्तर - (C) बघेली

44. भाषा के 18 भाषा परिवारों में सर्वाधिक प्रसिद्ध परिवार है?
(A) द्रविड़ (B) भारोपीय
(C) बास्क (D) बन्तू
उत्तर - (B) भारोपीय

45. भारोपीय भाषा परिवार का दूसरा नाम 'इण्डो-जर्मनिक' किसके द्वारा दिया गया है?
(A) डॉ. भोलानाथ तिवारी
(B) मैक्समूलर
(C) जैस्पर्सन
(D) डॉ. चाटुज्यी
उत्तर - (B) मैक्समूलर

46. 'शतम' और 'केतुम' दोनों ही शब्द किस संख्या के वाचक हैं?
(A) सात (B) दो सौ
(C) सौ (D) पचास
उत्तर - (C) सौ

47. 'प्राकृत भाषा से आशय है?
(A) प्रकृति द्वारा प्रदत्त भाषा
(B) संस्कृत से पूर्व की भाषा
(C) जंगली भाषा
(D) अशुद्ध भाषा
उत्तर - (B) संस्कृत से पूर्व की भाषा

48. कौन सी भाषा कृत्रिम भाषा कही जाती है?
(A) प्राकृत (B) अपभ्रंश
(C) पालि (D) डिंगल
उत्तर - (A) प्राकृत

49. हिन्दी में 'ऑ' ध्वनि (जैसे डॉक्टर) किस भाषा की ऋणी है?
(A) लैटिन (B) अंग्रेजी
(C) ग्रीक (D) फ्रैन्च
उत्तर - (B) अंग्रेजी

50. ध्वनि के अनुरूप संकेतों की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ लिपि है?
(A) फारसी (B) देवनागरी
(C) गुरूमुखी (D) रोमन
उत्तर - (B) देवनागरी

51. माधवी किस भाषा का वैकल्पिक नाम है?
(A) संस्कृत (B) पालि
(C) प्राकृत (D) अपभ्रंश
उत्तर - (B) पालि

डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

किसानों को प्रमाणित बीज़ समय पर उपलब्ध कराने सरकार प्रतिबद्ध

आलू बीज उत्पादन की एरोपॉनिक विधि का प्रदेश के साथ अनुबंध, ग्वालियर में बनेगी लैब

नई दिल्ली, केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य एवं मध्यप्रदेश के उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह के विशेष आतिथ्य में विपाणु रोग रहित आलू बीज उत्पादन के लिए एरोपॉनिक विधि का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और मध्यप्रदेश सरकार के साथ दिल्ली में अनुबंध हुआ। अनुबंध के अनुसार ग्वालियर में प्रदेश की पहली एरोपॉनिक तकनीक आधारित लैब स्थापित होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) में केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला ने हवा में आलू के बीज उत्पादन की यह अनूठी तकनीक विकसित की है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को फसलों के प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। इसी कड़ी में आईसीएआर के संस्थानों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में नई तकनीकों का विकास किया जा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विषाणु रोग रहित बीज आलू उत्पादन की एरोपॉनिक विधि से बीज आलू की उपलब्धता देश के कई भागों में किसानों के लिए सुलभ की गई है। मध्यप्रदेश के उद्यानिकी विभाग को इस तकनीक का लाइसेंस देने के लिए अनुबंध किया गया है। उन्होंने कहा कि यह नई तकनीक आलू के बीज की आवश्यकता को पूरा करेगी। राज्य के साथ ही देश में भी आलू के उत्पादन में वृद्धि करेगी। आलू विश्व की सबसे महत्वपूर्ण गैर-अनाज फसल है, जिसकी वैश्विक खाद्य प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका है। श्री तोमर ने श्रेष्ठ अनुसंधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अनेक योजनाओं पर मिशन मोड में काम कर रही है।

मध्यप्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर दिल्ली अनुबंध करने आये हैं। उन्होंने कहा कि एरोपॉनिक तकनीक आलू बीज की जरूरत को काफी हद तक पूरा करेगी। किसानों की आय को दोगुना करने में यह तकनीक कारगर भूमिका निभायेगी। श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में हम आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आलू का छठा सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। प्रदेश का मालवा क्षेत्र आलू उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मध्यप्रदेश आलू प्र-संस्करण के लिए आदर्श राज्य के रूप में उभरा है। प्रदेश में प्रमुख आलू उत्पादक क्षेत्र इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, भोपाल तथा प्रदेश के अन्य छोटे क्षेत्र छिंदवाड़ा, सीधी, सतना, रीवा, राजगढ़, सागर, दमोह, छिंदवाड़ा, जबलपुर, पन्ना, मुरैना, छतरपुर, विदिशा, रतलाम एवं बैतूल हैं। प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाले बीज की कमी हमेशा से समस्या रही है, जिसका हल किया जा रहा है। राज्यमंत्री श्री कुशवाह ने केंद्रीय कृषि मंत्री का आभार माना और उनको धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान किसानों की चिंता करते हुए योजनाओं को गंभीरता से अमल में ला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों को अनेक सौगातें दी हैं।

प्रदेश के उद्यानिकी आयुक्त श्री ई. रमेश कुमार ने कहा कि मध्यप्रदेश को लगभग 4 लाख टन बीज की आवश्यकता है, जिसे 10 लाख मिनी ट्यूबर उत्पादन क्षमता वाली इस तकनीक से पूरा किया जाएगा। ग्वालियर में 'एक जिला-एक उत्पाद' में आलू फसल का चयन किया गया है।

आईसीएआर के डीजी डॉ. त्रिलोचन महापात्र, डीडीजी-बागवानी डॉ. आनंद कुमार सिंह, मध्यप्रदेश के अपर संचालक उद्यानिकी डॉ. के.एस. किराड़, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. एन.के. पांडे, एग्रीनोवेट इंडिया की सीईओ डॉ. सुधा मैसूर ने भी संबोधित किया और एरोपॉनिक तकनीक की जानकारी दी।

एरोपॉनिक के जरिये पोषक तत्वों का छिड़काव मिस्टिंग के रूप में जड़ों में किया जाता है। पौधे का ऊपरी भाग खुली हवा और प्रकाश में रहता है। एक पौधे से औसत 35-60 मिनिकन्द (3-10 ग्राम) प्राप्त किए जाते हैं। चूंकि, मिट्टी उपयोग नहीं होती, इसलिये मिट्टी से जुड़े रोग नहीं होते हैं।

खेल चर्चा

एंड्रयू मैक्डोनाल्ड बने ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच

सिडनी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू मैक्डोनाल्ड को ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। मैक्डोनाल्ड तीनों फॉर्मेट में टीम को कोचिंग देंगे। मैक्डोनाल्ड फरवरी में पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लेंगर के इस्तीफा देने के बाद टीम में अंतरिम कोच की भूमिका निभा रहे थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख निक हॉकले ने कहा कि एंड्रयू मैक्डोनाल्ड शानदार कोच हैं। उन्होंने अपनी चयन प्रक्रिया के दौरान टीम के भविष्य के लिये जो खाका तैयार किया है, वह काफी प्रभावित करने वाला है। मैक्डोनाल्ड के पास कोचिंग का काफी लंबा अनुभव है। वे विग वैश लीग और आईपीएल टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं। मैक्डोनाल्ड के मार्गदर्शन में ऑस्ट्रेलिया ने इस वर्ष पाकिस्तान दौरे पर टेस्ट और ट्वेंटी-20 सीरीज जीती है। मैक्डोनाल्ड का कार्यकाल चार वर्ष का होगा।

रॉनी ओ' सुलिवान ने जीती वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप

शेफील्ड, इंग्लैंड के दिग्गज स्नूकर खिलाड़ी रॉनी ओ' सुलिवान ने सातवीं बार वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। रॉनी ने चैंपियनशिप के फाइनल में अपने हमवतन खिलाड़ी जूड ट्रंप को 18-13 से हराया। रॉनी ने मॉर्डन एरा में (वर्ष 1969 के बाद) सबसे ज्यादा बार विश्व चैंपियनशिप जीतने के मामले में स्कॉटलैंड के स्टीफन हेंड्री की बराबरी की है। 46 वर्षीय रॉनी ने सबसे ज्यादा उम्र में वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया है। रॉनी ने इस मामले में वेल्स के खिलाड़ी रे रियरडन (45 वर्ष) का रिकॉर्ड तोड़ा है। रॉनी ने इससे पहले वर्ष 2001, 2004, 2008, 2012, 2013 और 2020 में भी वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप पर कब्जा किया है।

बीसीसीआई ने रणजी ट्रॉफी कार्यक्रम में किया बदलाव

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस वर्ष जारी रणजी ट्रॉफी के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया है। रणजी ट्रॉफी का नॉकआउट चरण अब दो दिन की देरी से शुरू होगा। पहले नॉकआउट चरण चार जून से शुरू होना था, लेकिन अब नॉकआउट चरण में क्वार्टर फाइनल मुकाबले छह जून से खेले जायेंगे। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले 12 की जगह 14 जून से शुरू होंगे, जबकि फाइनल मुकाबला 20 की जगह 22 जून को खेला जायेगा। बीसीसीआई ने कहा कि नॉकआउट चरण के सभी मुकाबले बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जायेंगे।

पूरन बने वेस्टइंडीज के ट्वेंटी-20 और वन-डे कप्तान

बारबाडोस, वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने युवा बल्लेबाज निकोलस पूरन को वेस्टइंडीज की सीमित ओवर प्रारूप का नया कप्तान नियुक्त किया है। पूरन वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम की कमान संभालेंगे। पूरन पिछले महीने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कप्तान कीरोन पोलार्ड की जगह लेंगे। पूरन इससे पहले टीम के उपकप्तान थे। बोर्ड ने सलामी बल्लेबाज शाई होप को टीम का उपकप्तान घोषित किया है। बोर्ड ने कहा पोलार्ड के संन्यास लेने के बाद पूरन वन-डे और ट्वेंटी-20 टीम की कप्तानी संभालेंगे। पूरन ने वेस्टइंडीज के लिये 37 वन-डे और 57 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

ली जी जिया और वांग झीयी बनीं चैंपियन

मनीला, मलेशिया के युवा शटलर ली जी जिया ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुये पुरुष एकल वर्ग का खिताब अपने नाम किया है, वहीं महिला एकल वर्ग में चीन की वांग झीयी चैंपियन बनीं।

जिया ने क्रिस्टी को हराया

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के फाइनल में ली जी जिया का मुकाबला इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से हुआ। जिया ने अपने से कहीं ज्यादा अनुभवी क्रिस्टी के सामने लाजवाब प्रदर्शन कर मैच में 21-17, 23-21 से जीत दर्ज की। मैच के पहले गेम में क्रिस्टी आउट ऑफ फॉर्म नजर आये। जिया ने इस स्थिति का फायदा उठाते हुये क्रिस्टी के खिलाफ कई शानदार स्मैश शॉट लगाकर अंक अर्जित किये। हालांकि क्रिस्टी ने गेम में वापसी करने की कोशिश की, लेकिन जिया ने क्रिस्टी को सफल नहीं होने दिया और एक के बाद एक कई प्वाइंट अर्जित कर पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। दूसरे गेम में क्रिस्टी ने जबरदस्त वापसी कर जिया को बैकफुट पर ला दिया। इसके बाद जिया ने भी लगातार प्वाइंट हासिल कर गेम में पकड़ बनाये रखी। दूसरे गेम में एक समय दोनों खिलाड़ी 21-

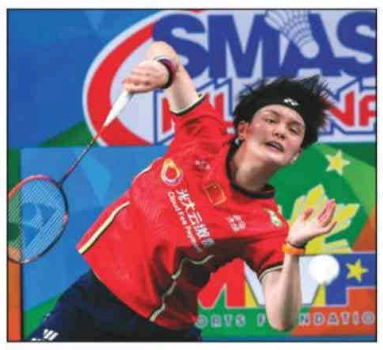

- **ली जी जिया और वांग झीयी ने पहली बार जीती है एशियन चैंपियनशिप।**
- **पी.वी. सिंधु वर्ष 2014 में भी एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।**
- **अकाने यामागुची ने वर्ष 2019 में एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया था।**
- **यामागुची ने वर्ष 2021 में विश्व चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता है।**

21 की बराबरी पर थे। जिया ने अंतिम समय में प्वाइंट हासिल कर जीत अपने नाम की।

महिला वर्ग में वांग झीयी ने जीता खिताब

प्रतियोगिता में महिला एकल वर्ग का खिताब चीन की युवा शटलर वांग झीयी ने जीता। झीयी ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में विश्व चैंपियन अकाने यामागुची को कड़े मुकाबले में 15-21, 21-13, 21-19 से हराया। फाइनल मैच में यामागुची ने अपनी ख्याति अनुरूप आक्रामक खेल दिखाया और पहला गेम बड़े अंतर से जीत लिया। दूसरे गेम में झीयी ने भी जबरदस्त पलटवार करते हुये यामागुची की सर्विस ब्रेक कर कई अंक अर्जित किये। तीसरे और अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें झीयी ने बाजी अपने नाम की।

पी.वी. सिंधु को मिला कांस्य पदक

भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु ने भी इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुये कांस्य पदक अपने नाम किया। सिंधु ने टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में चीन की ही बिंग जियाओ को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में अकाने यामागुची ने सिंधु को कड़े मुकाबले में 13-21, 21-19, 21-16 से हराया। यह मैच विवाद से भी घिर गया। पी.वी. सिंधु ने मैच में खराब अंपायरिंग को लेकर काफी नाराजगी जाहिर की। सिंधु ने कहा कि कड़े मुकाबलों में खराब अंपायरिंग के चलते विपक्षी खिलाड़ी को मिले अंक से मैच का रुख पलट गया था और यामागुची ने करीबी अंतर से मैच जीत लिया।

बीसीसीआई ने जारी किया महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज का शेड्यूल

मुंबई, बीसीसीआई ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 के प्लेऑफ के साथ महिला आईपीएल कहे जाने वाले महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज-2022 का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। बीसीसीआई ने बताया कि महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज-2022 की शुरुआत 23 मई से पुणे में होगी। इस टूर्नामेंट में तीन टीमें सुपरनोवा, ट्रेलब्लेजर्स और वेलोसिटी हिस्सा लेंगी। महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज टूर्नामेंट में तीन लीग तथा एक फाइनल मुकाबला खेला जायेगा। फाइनल मुकाबला 28 मई को पुणे में खेला जायेगा।

केविन एंडरसन ने टेनिस से लिया संन्यास

जोहानिसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी केविन एंडरसन ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया है। केविन ने सोशल मीडिया के जरिये अपने फैंस को अपने फैसले की जानकारी दी। केविन ने कहा कि टेनिस के कारण में अपनी जड़ों से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया से रूबरू हुआ, इससे मुझे कई तरह की चुनौतियों और भावनाओं का अनुभव हुआ है। केविन ने अपने टेनिस कॅरियर में सात एटीपी टूर खिताब जीते हैं, इनमें हॉल ऑफ फेम टेनिस चैम्पियनशिप भी शामिल है। केविन दो बार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे, लेकिन उनका ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका।

आईसीसी वार्षिक रैंकिंग

भारत ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने वार्षिक रैंकिंग जारी कर दी है। आईसीसी रैंकिंग में भारत ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की नंबर वन टीम के रूप में काबिज है। भारत ने 2021-22 सत्र में ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, जिसके कारण भारत ने शीर्ष स्थान बरकरार रखा है।

आईसीसी ट्वेंटी-20 टीम रैंकिंग में भारत 270 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर है। रैंकिंग में इंग्लैंड दूसरे, पाकिस्तान तीसरे, दक्षिण अफ्रीका चौथे, ऑस्ट्रेलिया पांचवें स्थान पर है। भारत ने पिछले वर्ष आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में साधारण प्रदर्शन किया था। भारत ग्रुप चरण से ही बाहर हो गया था, इसके बाद भारत ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 12 मैच जीतकर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

आईसीसी ने इसके अलावा टेस्ट रैंकिंग भी जारी की है। टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया ने अपना दबदबा बनाते हुये 128 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। रैंकिंग में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 रेटिंग अंकों का फासला है। रैंकिंग में न्यूजीलैंड तीसरे, दक्षिण अफ्रीका चौथे और पाकिस्तान पांचवें स्थान पर है। आईसीसी वन-डे रैंकिंग में न्यूजीलैंड 125 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज है। वन-डे रैंकिंग में इंग्लैंड दूसरे, ऑस्ट्रेलिया तीसरे, भारत चौथे और पाकिस्तान पांचवें क्रम पर है।

भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी द्वारा जारी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में पहले स्थान पर है। टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भारत के ही रविचंद्रन अश्विन दूसरे स्थान पर हैं। अश्विन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भी दूसरे स्थान पर काबिज हैं।

बेन स्टोक्स बने इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान

लंदन, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वह इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम के 81वें कप्तान होंगे। ईसीबी ने इंग्लैंड मेन्स क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की की सिफारिश के बाद नियुक्ति को मंजूरी दी है। रॉब की ने कहा कि मुझे बेन स्टोक्स को टेस्ट कप्तान की भूमिका की पेशकश करने में कोई झिझक नहीं थी। वह उस मानसिकता और दृष्टिकोण का प्रतीक है जिसे हम इस टीम को लाल गेंद वाले क्रिकेट के अगले युग में आगे ले जाना चाहते हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने स्वीकार किया है और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी और सम्मान के लिये तैयार हैं। वह पूरी तरह से इस अवसर के हकदार हैं।

ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली करारी हार के बाद जो रूट ने टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है। रूट की कप्तानी में वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2021-2023 में इंग्लैंड का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। टीम इस दौरान 13 में से सिर्फ एक ही मैच जीतने में कामयाब रही है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की प्वॉइंट्स टेबल में इंग्लैंड सबसे नीचे 09वें पायदान पर है।

बेन स्टोक्स ने 2013 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। इस दौरान उन्होंने 79 मुकाबलों में 5061 रन बनाने के साथ 174 विकेट लिये। 2017 में उन्हें टेस्ट टीम का उप-कप्तान नियुक्त किया गया था। रूट की गैर मौजूदगी में बेन स्टोक्स पहले भी इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं।

- **मौजूदा दौर में बेन स्टोक्स की गिनती विश्व के श्रेष्ठ ऑलराउंडरों में होती है।**
- **वर्ष 2019 में इंग्लैंड को आईसीसी क्रिकेट विश्वकप का खिताब दिलाने में बेन स्टोक्स ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था।**
- **बेन स्टोक्स ने विश्वकप के फाइनल में 84 रनों की नाबाद पारी खेली थी।**
- **स्टोक्स ने 79 टेस्ट, 101 वन-डे और 34 ट्वेंटी-20 मैच खेले हैं।**

ला लीगा

रियल मैड्रिड 35वीं बार बना चैम्पियन

मैड्रिड, स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड ने एक बार फिर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में अपना दबदबा बनाते हुये खिताब अपने नाम किया है। रियल मैड्रिड रिकॉर्ड 35वीं बार ला लीगा चैम्पियन बना है। एस्पेनयोल क्लब के खिलाफ खेले गये मैच में 4-0 से जीत दर्ज कर लीग में चार मैच शेष रहते खिताब जीता है।

इस मैच में रियल मैड्रिड को जीत का दावेदार माना जा रहा था। रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों ने मैच में अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन भी किया। रियल के लिये मैच का पहला गोल 33वें मिनट में ब्राजील के रोड्रिगो ने दागा। इसके दस मिनट बाद रोड्रिगो ने एक और गोल कर टीम को हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम के बाद भी एस्पेनयोल की टीम

संघर्ष करती नजर आई। मैच के 55वें मिनट में मार्को असेंसियो ने गोल किया, जबकि टीम के स्टार स्ट्राइकर करीम बेंजेमा ने 81वें मिनट में गोलकर रियल मैड्रिड की बड़े अंतर से जीत सुनिश्चित कर दी।

रियल मैड्रिड ने इस वर्ष ला लीगा में 34 मैच खेले हैं, इनमें से 25 मैच जीते, 3 हारे तथा 6 मैच ड्रॉ खेले हैं। रियल मैड्रिड 81 अंक लेकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर काबिज है। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बार्सिलोना काबिज है। बार्सिलोना के 34 मैचों में 66 अंक हैं। ऐसे में रियल मैड्रिड ने अंकतालिका में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर खिताब अपने नाम कर लिया है।

- **रियल मैड्रिड ने सर्वाधिक 35 बार जीता है ला लीगा खिताब।**
- **बार्सिलोना ने 26, एटलेटिको मैड्रिड ने 11, एथेलेटिक बिल्बाओ ने 8 तथा वेलेंसिया ने 6 बार जीता है खिताब।**
- **रियल सोसिएदाद ने 2, डिपोर्टिवो, सेविला और रियल बेरिस 1-1 बार बने हैं ला लीगा चैम्पियन।**
- **रियल मैड्रिड ने यूएफा चैम्पियंस लीग में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है।**

मोहम्मद सालेह बने फुटबॉलर ऑफ द ईयर

लंदन, मिस्र के स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालेह को वर्ष 2021-22 के लिये फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन ने मेंस फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना है। सालेह ने पिछले सत्र इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल के लिये खेलते हुये 31 मैचों में 22 गोल किये, वहीं 13 असिस्ट के जरिये टीम के प्रदर्शन में प्रभावशाली योगदान दिया है। सालेह के प्रदर्शन की बदौलत लिवरपूल ने अंकतालिका में दूसरा स्थान हासिल किया था। सालेह ने पिछले सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में कुल 44 मैचों में 30 गोल किये हैं। सालेह के इस प्रदर्शन की बदौलत लिवरपूल ने लीग कप का खिताब जीता है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

● इसरो ●

मानव रहित अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए नई तकनीक आजमाएगा

इसरो ने देश के पहले मानव रहित अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के तहत लॉन्च किए जाने वाले मानव रहित मिशन (जी-1)

- **पहला मानव रहित मिशन धरती की 170 गुणा 408 किमी वाली निचली कक्षा में भेजा जाएगा। जी-1 और जी-2 मानव रेटेड प्रक्षेपण यान जीएसएलवी मार्क-3 (एचआरएलवी) से लॉन्च किए जाएंगे।**

से संबंधित कुछ अहम फैसले किए हैं। पहला मानव रहित मिशन अगले वर्ष लॉन्च करने की योजना है। गगनयान मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों के दल को पृथ्वी की कक्षा में भेजे जाने से पहले कई अहम पड़ाव पार करने हैं। इसमें कई परीक्षणों की योजना बनाई है, जिसमें टेस्ट वीकल की दो प्रदर्शन उड़ानें (टीवी डी-1 और टीवी डी-2) भी शामिल हैं।

आपदा अवरोधी अवसंरचना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पीढ़ियों को आपदाओं से बचाने अवसंरचना को सामना करने लायक बनायें - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आपदा अवरोधी अवसंरचना पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को वीडियो संदेश के माध्यम से सम्बोधित किया। अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उपस्थित जनों को सतत विकास लक्ष्यों के उस संकल्प की याद दिलाई कि कोई भी पीछे न छूटने पाये। उन्होंने कहा, "इसीलिये हम अगली पीढ़ी वाली अवसंरचना का निर्माण करके निर्धनतम और अत्यंत जोखिम वाले वर्गों की आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुये उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसंरचना का मंतव्य जन और लोगों को समानता के आधार पर उच्च गुणवत्ता, भरोसेमंद और सतत सेवायें प्रदान करना होता है। उन्होंने कहा, "लोगों को किसी भी अवसंरचना विकास गाथा के मर्म में होना चाहिये। भारत बिल्कुल यही कर रहा है।"

भारत शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, बिजली, यातायात आदि-इत्यादि जैसे क्षेत्रों में बुनियादी सेवा के प्रावधान को लगातार बढ़ा रहा है, जिसके परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री ने कहा, "हम लोग बहुत स्पष्ट

तरीके से जलवायु परिवर्तन का मुकाबला कर रहे हैं। यही कारण है कि हम कॉप-26 में अपने विकास प्रयासों के समानान्तर 2070 तक 'नेट-ज़ीरो' को हासिल करने के लिये संकल्पित हैं।"

प्रधानमंत्री ने मानव क्षमता के भरपूर उपयोग के लिये अवसंरचना के महत्त्व का उल्लेख किया और कहा कि अवसंरचना की क्षति पीढ़ियों तक चलती रहती है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा, "हमारे पास उपलब्ध आधुनिक प्रौद्योगिकी और ज्ञान के आधार पर क्या हम परिस्थितियों का सामना करने वाली अवसंरचना का निर्माण कर सकते हैं, जो सदैव कायम रहे?" उन्होंने कहा कि यही चुनौती सीडीआरई की रचना की बुनियाद है। उन्होंने कहा कि गठबंधन का विस्तार हुआ है और उसने मूल्यवान योगदान किये हैं। उन्होंने कॉप-26 में शुरू की गई ईइंफ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजेलियंट आईलैंड स्टेट्स (अवरोधी द्वीपीय राज्यों के लिये अवसंरचना) पहल और पूरी दुनिया में 150 हवाई अड्डों के सम्बंध में 'रेजेलियंट एयरपोर्ट्स' (अवरोधी विमानपत्तन) पर सीडीआरआई के कामकाज का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि सीडीआरआई के नेतृत्व में चलने वाले 'ग्लोबल असेसमेंट ऑफ डिजास्टर रेसेलियंस ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम्स (अवसंरचना सम्बंधी प्रणालियों के आपदा अवरोधी स्थिति का वैश्विक मूल्यांकन) से वैश्विक ज्ञान के सृजन में मदद मिलेगी, जो बहुत मूल्यवान होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपने भविष्य को हर परिस्थिति के लायक बनाना है, तो हमें "रेजेलियंट इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रांजिशन (हर परिस्थिति के योग्य अवसंरचना परिवर्तन) के लिये काम करना होगा। हर परिस्थिति में काम करने के लायक अवसंरचना को हमारे विस्तृत समायोजक प्रयासों के केंद्र में भी रखा जा सकता है। उन्होंने कहा, "अगर हम अवसंरचना को हालात का सामना करने लायक बनायेंगे, तो न केवल अपने लिये, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों के लिये आपदाओं को रोक पायेंगे।"

केन्या : पूर्व राष्ट्रपति किबाकी को देशवासियों ने दी अंतिम विदाई

केन्या के 90 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति मवाई किबाकी को देशवासियों ने अंतिम विदाई दी। राजकीय सम्मान के साथ आयोजित अंतिम विदाई कार्यक्रम में अफ्रीकी नेता भी शामिल हुए।

किबाकी के निधन की घोषणा पिछले दिनों की गई थी। केन्या के मौजूदा नेताओं ने उन्हें एक सम्मानित राजनेता बताते हुए उनकी सराहना की।

वर्ष 2002 से 2013 के बीच दो बार केन्या के राष्ट्रपति रहे किबाकी के सम्मान में अधिकारियों ने सार्वजनिक अवकाश घोषित किया। राजधानी नैरोबी में किबाकी को राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई के कार्यक्रम में केन्या, दक्षिण अफ्रीका और दक्षिण सूडान के राष्ट्रपति समेत कई गणमान्य हस्तियां शामिल हुईं।

किबाकी के पार्थिव शरीर को सेना के फूलों से सजे वाहन में रख कर राष्ट्रीय स्टेडियम ले जाया गया। इस दौरान सैकड़ों केन्याई नागरिक अपने दिवंगत नेता की एक

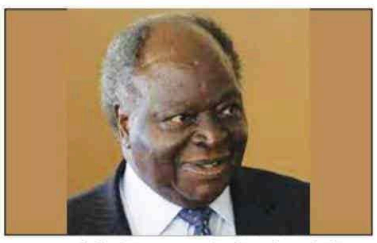

झलक पाने के लिए सड़क के किनारे खड़े थे।

2002 में राष्ट्रपति बनने से पहले, किबाकी ने नेशनल असेंबली में वित्त मंत्री, उपराष्ट्रपति और विपक्ष के आधिकारिक नेता के रूप में कार्य किया था। अधिक आक्रामक राजनेताओं से भरे देश में उन्हें अक्सर एक सज्जन व्यक्ति के रूप में देखा जाता था। 2007 में निर्वाचन के दौरान विपक्षी रैली ओडिंगा द्वारा जीत को लेकर लगाए गए आरोपों के कारण किबाकी की लोकप्रियता में गिरावट आई। ओडिंगा ने आरोप लगाया था कि परिणाम में धांधली की गई और वास्तव में उन्होंने जीत हासिल की है।

रूस ने

यूक्रेन पहुंचे अमेरिकी हथियारों को बनाया निशाना

यूक्रेन के बंदरगाह वाले शहर ओडेसा में अमेरिका और यूरोपीय देशों से आई हथियारों की खेप को रूसी मिसाइलों ने

- **पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क, लुहांस्क प्रांतों और खार्कीव शहर पर कब्जे के लिए रूसी हमले जारी हैं।**

निशाना बनाया है। इसी के साथ ओडेसा के नजदीक स्थित सैन्य हवाई पट्टी को भी नष्ट कर दिया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि इन हमलों में उच्च क्षमता वाली ओनिक्स मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि खार्कीव के नजदीक रूस के डिफेंस सिस्टम ने हमले के उद्देश्य से आए यूक्रेनी वायुसेना के दो सुखोई-24 एम लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। इस बीच पोलैंड में नाटो के 18 हजार सैनिकों ने युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। अभ्यास कर रहे सैनिक पूर्वी यूरोप के कई देशों से यहां आए हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते यह अभ्यास महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यूक्रेन की सीमा के नजदीक के रूसी इलाके बेलगोरोद में फिर से आगजनी की घटना हुई है। रूसी रक्षा मंत्रालय की इमारत में हुए अग्निकांड में एक कर्मचारी बुरी तरह से झुलस गया है। इस क्षेत्र में अप्रैल महीने में कई अग्निकांड हुए थे। शक जताया गया था कि सीमा पार कर यूक्रेनी हेलीकॉप्टरों के हमले से अग्निकांड हुए थे। रूसी सेना के कब्जे वाले खेरसान शहर पर यूक्रेनी सेना ने तोपों से गोले छोड़े हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेनी सेना अपने ही नागरिकों पर गोलाबारी कर रही है।

फैक्ट्री से निकले 100 नागरिक

रूसी सैनिकों के घेरे वाली मारीपोल की अजोवस्टाल स्टील फैक्ट्री से दो बार में कुल 100 नागरिक निकले और वे नजदीकी शहर जपोरीजिया पहुंच गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसके लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस का आभार जताया है। गुटेरस की पहल पर बनी सहमति के आधार पर इन लोगों को फैक्ट्री से सुरक्षित निकाला गया है।

कीव पहुंचीं पेलोसी, दिया पूरी मदद का भरोसा

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नेन्सी पेलोसी ने आधा दर्जन सांसदों के साथ यूक्रेन का गोपनीय दौरा किया। राजधानी कीव में उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ तीन घंटे बैठक की। उन्होंने यूक्रेनी सैनिकों की बहादुरी की प्रशंसा की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हराने के लिए पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। पेलोसी सत्तारूढ़ डेमोक्रेट पार्टी की वरिष्ठतम सांसद हैं।

नई तकनीकों से सेना को बनाएंगे आधुनिक : सेना प्रमुख

नए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा है कि नई तकनीकों का इस्तेमाल कर सेना की क्षमता का विकास किया जाएगा और इसे आधुनिक बनाया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि मौजूदा और भविष्य की राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता उच्च स्तर की परिचालन तैयारी सुनिश्चित करना है।

सेना प्रमुख की कमान संभालने के बाद जनरल पांडे ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर बलिदानी सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। **इसके उपरांत पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीति में हो रहा बदलाव हो या सीमा पर टकराव- नौसेना और वायुसेना के साथ मिलकर भारतीय सेना हर तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है।** पूर्वी सीमा पर चीन और पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान से मिलने वाली चुनौतियों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता चुनौतियों का सामना करने के लिए परिचालन तैयारियों को उच्च स्तर पर बनाए रखने की होगी। **सेना में जारी सुधारों पर जोर देते हुए जनरल पांडे ने कहा कि सेना के पुनर्गठन और बदलाव से ऑपरेशनल तैयारियों को उन्नत किया जा सकेगा।** रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी इसका फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षमता विकास और सैन्य आधुनिकीकरण के लिए उनका प्रयास स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत के जरिये नई तकनीकों का लाभ उठाने पर होगा। सैन्य क्षमताओं में इजाफे के परिप्रेक्ष्य में जनरल पांडे ने कहा कि उनका लक्ष्य तीनों सेनाओं के बीच प्रभावी समन्वय के जरिये देश की सभी सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करना है। वायुसेना और नौसेना प्रमुख दोनों को वे अच्छी तरह जानते हैं। इसलिए तीनों सेनाओं के बीच तालमेल, सहयोग और संयुक्त कौशल के हिसाब से यह अच्छी शुरुआत है।

तालिबान और ईरान के बीच बिगड़े संबंध

अफगानिस्तान और ईरान के बीच संबंध बिगड़ रहे हैं। तालिबान के साथ तनाव के बीच ईरानी सेना ने अपने 88वें जाहेदान बख्तरबंद डिवीजन से ईरान-अफगानिस्तान सीमा पर बलों और उपकरणों को तैनात कर दिया है। कई वायरल वीडियो में ईरानी टैंक और बख्तरबंद वाहन अफगान सीमा की ओर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही तालिबान ने भी इस्लाम कला/दोकारुन सीमा क्रॉसिंग पर सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा है। 23 अप्रैल को बॉर्डर क्षेत्र में अफगानिस्तान और ईरान के बॉर्डर गार्ड्स के बीच विवाद हो गया था जिसके बाद से बॉर्डर क्रॉसिंग को अस्थाई तौर पर बंद कर दिया गया है। बता दें कि अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से ही ईरान-अफगानिस्तान बॉर्डर अशांत चल रहा है। ईरान के गृहमंत्री अहमद वाहिदी ने अफगानिस्तान के साथ बॉर्डर पर हुई झड़प की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि जो हुआ है वह गलतफहमी के कारण हुआ है। उन्होंने कहा है कि कोई संघर्ष नहीं हुआ है।

अर्जेंटीना में

मिला दुनिया का सबसे बड़ा रैप्टर डायनासोर

लैटिन अमेरिकी देश अर्जेंटीना में दुनिया के सबसे बड़े रैप्टर डायनासोर का अवशेष मिला है। यह डायनासोर

- **अर्जेंटीना में दुनिया के सबसे बड़े रैप्टर डायनासोर का अवशेष मिला है।**
- **यह डायनासोर 7 करोड़ साल पहले अर्जेंटीना की धरती पर राज करता था।**
- **रैप्टर के नाखून और फुर्ती इसे सबसे खतरनाक डायनासोर में शामिल कराते थे।**

7 करोड़ साल पहले अर्जेंटीना की धरती पर राज करता था। रैप्टर के नुकीले नाखून और जबर्दस्त फुर्ती इसे दुनिया के सबसे खतरनाक डायनासोर में शामिल कराते थे। अर्जेंटीना में मिला डायनासोर करीब 33 फुट लंबा और 5 टन वजनी था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अब तक मिले मेगारैप्टर में सबसे बड़ा है।

इस मेगारैप्टर की हड्डियां राजधानी

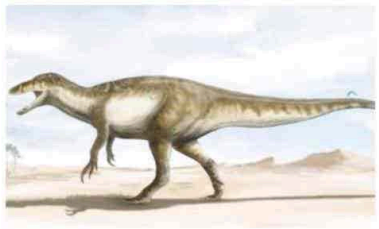

ब्यूनस आयर्स से 2698 किमी की दूरी पर स्थित एल कालाफेट में मिली हैं। इन हड्डियों के विश्लेषण से पता चला है कि मेगारैप्टर 30 से 33 फुट लंबा था और वजन करीब 5 टन था जो गैंडे के वजन से दोगुना था। इसका विशाल मेरुदंड था जो मांसपेशी, नसों और अस्थि-बंधन (ligaments) से जुड़ा हुआ था। इसकी वजह से यह विशाल डायनासोर सीधे खड़ा हो जाता था और अपने पैरों को चलते समय या दौड़ते समय समेट लेता था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक राघवेन्द्र कुमार सिंह, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-बी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।